भिंड ■ बुधवार 13 मई 2026 ■ वर्ष -18 ■ अंक-313 ■ पृष्ठ-12 ■ मूल्य-₹04

दैनिक सत्ता सुधार

जनता के साथ जनता की आवाज

सुविचार

मेहनत : अच्छे रिजल्ट लाने के लिए, बातों से नहीं रातों से लड़ना पड़ता है।

ब्रीफ न्यूज

बंगाली एक्टिविस्ट गार्गा चटर्जी गिरफ्तार

कोलकाता। बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भड़काऊ बयान और ईवीएम को लेकर अफवाह फैलाने के आरोप में कोलकाता पुलिस ने गार्गा चटर्जी को अरेस्ट किया है। यह कार्रवाई आयोग की शिकायत के बाद की गई।

महाराष्ट्र के सांगली में मंदिर की दीवार गिरी, छह की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के सांगली में बारिश के कारण मंदिर की दीवार गिरने से बड़ा हादसा हो गया है। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। वहीं 14 लोग घायल हैं। हादसा उस समय हुआ जब इलाके में लगातार तेज बारिश और आंधी का दौर जारी था।

कलकत्ता हाईकोर्ट में 9 नए जजों की होगी नियुक्ति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कलकत्ता हाई कोर्ट में नौ नए जजों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। कॉलेजियम द्वारा जिन नौ नामों को मंजूरी दी गई है, उमसें इंद्रनील रॉय, आर्यक दत्त, अतारूप बनर्जी, संदीप कुमार दे, पार्थ प्रतिम रॉय, सुदीप देब, अनुज सिंह, अर्जुन राय मुखर्जी और रिशाद मेडोरा शामिल हैं।

टीकमगढ़: एक लाख की रिश्वत लेते बाबू गिरफ्तार

टीकमगढ़। टीकमगढ़ जिले के सरकारी पीजी कॉलेज में लोकायुक्त पुलिस ने बाबू नितिन मिश्रा को 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। रिटायरमेंट राशि जारी करने के बदले 2.5 लाख मांग रहा था।

अमेरिका की पूर्व मेयर वांग चीनी जासूस निकली

वॉशिंगटन। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के आर्केडिया शहर की पूर्व मेयर एलीन वांग ने चीन के लिए गैरकानूनी तरीके से काम करने की बात मान ली है। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, वह 2020 से 2022 के बीच चीन सरकार के कहने पर चीन समर्थक प्रचार चला रही थीं।

ईरानी विमानों को पनाह देने पर घिर गया पाकिस्तान

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान संघर्ष में शांति वार्ता कराने का दावा करने वाले पाकिस्तान ने ईरानी सैन्य विमानों को अमेरिकी हमलों से बचाने के लिए अपने हवाई अड्डों पर आश्रय देने की अनुमति दी। एक रिपोर्ट में इसका बात का दावा किया गया। इस खुलासे ने पाकिस्तान की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

देश में मानसून चार-छह दिन पहले देगा दस्तक

नई दिल्ली। देश में मानसून तय समय से 4-6 दिन पहले दस्तक दे सकता है। आमतौर पर केरल में 1 जून तक पहुंचता है, लेकिन इस बार 25 से 27 मई के बीच केरल तट पर पहुंचने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में एक सिस्टम बन गया है, जो अगले 48 घंटे में और मजबूत हो सकता है।

नीट-यूजी... परीक्षा रद्द

पेपर लीक : मामले की अब सीबीआई करेगी जांच

- तीन मई को हुई परीक्षा में बैठ थे 22.79 लाख छात्र
- सवाल पूछने पर बिना जवाब दिए निकले प्रधान
- सीबीआई ने मामले में दर्ज कर ली एफआईआर
- एमपी के 14 हजार छात्रों पर असर, भोपाल में प्रदर्शन
- नासिक से राजस्थान फिर हरियाणा के जुड़े तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देशभर में पेपर लीक के आरोपों के बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को नीट यूजी-2026 परीक्षा रद्द कर दी है। यह परीक्षा तीन मई को हुई थी। 22.79 लाख छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी थी। एनटीए ने कहा कि अब परीक्षा दोबारा कराई जाएगी। परीक्षा की नई तारीख जल्द ही जारी की जाएगी। उधर, केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। सीबीआई ने मामले में एफआईआर दर्ज की है। एनटीए ने बताया कि भारत सरकार की मंजूरी मिलने के बाद परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया। उधर, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से दिल्ली में इस मामले में संवाददाताओं ने सवाल पूछा तो वह बिना कुछ बोले ही रवाना हो गए।

डीजी बोले-एनटीए के लिए शर्मनाक

परीक्षा रद्द के फैसले पर एनटीए के डीजी ने माना कि यह फैसला छात्रों, अभिभावकों और खुद एनटीए के लिए बेहद कठिन और शर्मनाक है, लेकिन परीक्षा की पवित्रता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। एनटीए ने पेपर लीक के आरोपों की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की। 8-9 मई को व्हाट्सएप मैसेज की जांच की और 10 और 11 मई को आरोप सही होने की जानकारी मिली।

एनटीए के छह फैसले

- देशभर में नीट यूजी की परीक्षा दोबारा होगी।
- छात्रों को फिर से रजिस्ट्रेशन नहीं करना होगा।
- कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा।
- खास बात, पहले से जमा फीस वापस की जाएगी।
- नया प्रवेश पत्र, शेड्यूल जल्द जारी किया जाएगा।
- किसी भी राज्य में परीक्षा सेंटर नहीं बदले जाएंगे।

जयपुर में मास्टरमाइंड मनीष गिरफ्तार

नीट पेपर लीक केस में अब महाराष्ट्र से हरियाणा तक फैले बड़े रैकेट की आशंका जांच एजेंसियों ने जताई है। इस मामले की सबसे अहम बात यह है कि लीक हुई प्रश्नपत्रिका की पहली कॉपी नासिक में सामने आने की जानकारी जांच में मिली है। जयपुर से गिरफ्तार किया गया मनीष ही इस पेपर लीक कांड का मास्टरमाइंड है। जांच में खुलासा हुआ है कि मनीष ने प्रश्नपत्र छपने से पहले ही संभावित सवालों की जानकारी हासिल कर ली थी।

देशभर के छात्रों में आक्रोश

इस मामले के सामने आने के बाद लाखों छात्रों में भारी नाराजगी है। छात्र सवाल उठा रहे हैं कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद पेपर कैसे लीक हो गया। कई जगहों पर री-नीट की मांग भी तेज हो गई है।

बीएनएस के तहत केस दर्ज

नीट पेपर लीक केस में सीबीआई ने बीएनएस के केस दर्ज किया है। इसमें धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात, चोरी और सबूत मिटाने के अपराध, सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम 2024 व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध की धाराएं लगाई हैं। छह राज्यों में फैले 45 गुर्गों के सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ है।

इनका कहना है

मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। सीबीआई ही तय करेगी कि मामला कहां तक फैला हुआ था। भले ही इससे एनटीए पर आर्थिक बोझ पड़ेगा, लेकिन एजेंसी का लक्ष्य निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित परीक्षा कराना है। जल्द दोबारा परीक्षा आयोजित कराई जाएगी। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। गिरफ्तार किया जाएगा, जेल भेजा जाएगा।

अभिषेक सिंह, डीजी, एनटीए

केरलम से सीकर पहुंचा पेपर

नीट का पेपर 'क्वेश्चन बैंक' के जरिए लीक किया गया। इसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल थे। ये सभी हाथ से लिखे गए और इनकी हैंडराइटिंग भी एक ही थी।

एनटीए की भूमिका पर सवाल

परीक्षा से पहले एनटीए ने पेपर लीक की सभी अफवाहों को खारिज करते हुए परीक्षा को पूरी तरह सुरक्षित बताया था। लेकिन अब बड़ी संख्या में सवाल मैच होने के बाद एनटीए की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

13 गिरफ्तार

राजस्थान पुलिस स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने कहा कि उसने नीट पेपर लीक मामले की जांच शुरू कर दी है। मंगलवार तक सीकर और आसपास के इलाकों से 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

असम में फिर 'डबल इंजन' हिमंता दूसरी बार बने सीएम

समारोह में मोदी-शाह, और बंगाल से शुभेंदु अधिकारी पहुंचे

- दो भाजपा और दो सहयोगी दलों के विधायक भी बने मंत्री
- मुख्यमंत्री सरमा और चारों मंत्रियों ने असमिया भाषा में शपथ ली

एजेंसी ■ गुवाहाटी

असम की राजनीति में हिमंता बिस्वा सरमा ने नया इतिहास रच दिया है। हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने हैं। राज्य में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। इसके साथ ही हिमंता असम के पहले गैर-कांग्रेसी नेता बन गए हैं जो लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद संभाल रहे हैं। असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई।

सरमा के अलावा चार विधायकों भाजपा के रामेश्वर तेली, अजंता नेओम,एजीपी के अतुल बोरा और बीपीएफ के चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली है। इनमें दो भाजपा और 2 सहयोगी दलों से हैं। शपथ समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत कई राज्यों के सीएम और कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। वहीं समारोह में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर की मौजूदगी चर्चा का विषय रही।

शपथ ग्रहण में पहुंचे सीएम मोहन यादव

एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव मंगलवार को गुवाहाटी पहुंचे, जहां उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत की। समारोह संपन्न होने के बाद सीएम ने सरमा से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें एक बार फिर से राज्य की कमान संभालने पर ढेरों शुभकामनाएं दीं। सीएम मोहन ने हिमंता बिस्वा सरमा से इस खास मुलाकात की एक तस्वीर अपने एक्स पर भी शेयर की। दोनों नेताओं की मुस्कुराती हुई तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा-आज गुवाहाटी में हिमंता बिस्वा सरमा से भेंट कर उन्हें पुनः असम के मुख्यमंत्री बनने की बधाई दी।

हिमंता बिस्वा सरमा को दी बधाई

सीएम योगी-राजनाथ के साथ पहुंचे कामाख्या मंदिर

- गुवाहाटी एयरपोर्ट पर लगे जयश्री राम के नारे
- शपथ ग्रहण में अनुप्रिया-राजभर हुए शामिल

इधर, उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ असम में हिमंता बिस्वा सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इसके बाद योगी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मां कामाख्या मंदिर पहुंचे।

पूजा-अर्चना की। इससे पहले, मंगलवार सुबह गुवाहाटी हवाई अड्डे पर जय श्रीराम के नारों के साथ योगी का स्वागत किया गया। सीएम ने हाथ जोड़कर समर्थकों का अभिवादन स्वीकार किया। यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। मंच पर दोनों योगी के पीछे वाली लाइन बैठे नजर आए।

ऑपरेशन सिंदूर में चीन-पाक के गठजोड़ का पर्दाफाश

भारत ने कहा- हमारी जानकारी सच साबित हुई

पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन से मिली थी मदद

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को मिले चीन के समर्थन पर एक बड़ी जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि हाल ही में आई वे सभी रिपोर्ट बिल्कुल सही हैं, जिनमें ऑपरेशन सिंदूर के समय चीन द्वारा पाकिस्तान की मदद करने का दावा किया गया था। भारत सरकार को यह बात पहले से ही पता थी और नई रिपोर्ट सिर्फ उस पुरानी जानकारी को सच साबित करती हैं। हाल ही में चीन के सरकारी मीडिया ने खुद इस बात को कबूल किया है कि मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीजिंग ने पाकिस्तान को तकनीकी मदद दी थी।

चीन अपने गिरेबान में झांक ले...

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को चीन पर सीधा और करारा प्रहार करते हुए सख्त लहजे में कहा-जो देश खुद को बहुत जिम्मेदार मानते हैं, उन्हें अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उन्हें खुद इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को बचाने की कोशिश करने वालों का समर्थन करने से उनकी अपनी इज्जत और साख पर कोई असर नहीं पड़ता है।

दुखद : कूनो के जंगल में चार चीता शावकों की मौत

- श्योपुर में मचा हड़कंप, एक महीने में ही उजड़ गया कुनबा
- मादा चीता केजीपी के शावकों के शव क्षत-विक्षत मिले

सत्ता सुधार ■ श्योपुर

मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क से दुखद खबर सामने आई है। यहां मादा चीता केजीपी-12 के चारों शावक मृत पाए गए हैं। मंगलवार को सुबह मॉनिटरिंग टीम जब श्योपुर टेरिटोरियल डिवीजन के जंगल क्षेत्र में पहुंची, तो मांद के पास शावकों के शव पड़े मिले। शावकों के शव आंशिक रूप से क्षत-विक्षत हालत में मिले हैं। जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी जंगली शिकारी जानवर ने इन पर हमला किया होगा। हालांकि मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। इन शावकों का जन्म 11 अप्रैल 2026 को हुआ था और उनकी उम्र महज एक महीने थी। अब कूनो नेशनल पार्क में 50 चीते बचे हैं, जिनमें 33 भारत में जन्मे चीते शामिल हैं। वहीं गांधी सागर अभयारण्य में 3 चीते मौजूद हैं। इस तरह देश में चीतों की कुल संख्या अब 53 रह गई है।

अप्रैल में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.48 फीसदी पहुंची

भारत में खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर

अमेरिका-ईरान जंग से महंगाई और बढ़ सकती है

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत की खुदरा महंगाई अप्रैल में बढ़कर 3.48 फीसदी हो गई है। इससे पहले मार्च में यह 3.40 प्रतिशत थी। मंलवार को सरकार ने आंकड़े जारी किए हैं। महंगाई में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। यह तनाव लंबा चला तो महंगाई आगे और बढ़ सकती है। महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दामों का बढ़ना है। फूड इन्फ्लेशन अप्रैल में बढ़कर 4.20 फीसदी पर पहुंच गई। मार्च में यह आंकड़ा 3.87 प्रतिशत था। शहरी महंगाई दर 3.11 से बढ़कर 3.16 फीसदी पहुंच गई है। वहीं ग्रामीण महंगाई दर 3.63 से बढ़कर 3.74 प्रतिशत पहुंच गई है।

यह था आरबीआई का अनुमान

गौरतलब है कि पिछले महीने, आरबीआई ने 2026-27 के लिए सीपीआई महंगाई दर 4.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था, जिसमें पहली तिमाही में यह 4 प्रतिशत रहने की उम्मीद थी। बैंक ने यह भी कहा था कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और संभावित अल नीनो स्थितियों के कारण ऊर्जा की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं, जिससे महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है।

स्टालिन ने विधानसभा में उगला जहर, बोले

सनातन धर्म को किया जाना चाहिए खत्म

एजेंसी ■ चेन्नई

तमिलनाडु के पूर्व डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा में एक बार फिर जहर उगला। स्टालिन ने कहा- सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए। यह लोगों को बांटता है। उन्होंने पहले 2023 में भी सनातन को डेंगू, मलेरिया बताया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में फटकार लगाई थी। उदयनिधि ने विजय के शपथ ग्रहण समारोह का मुद्दा उठाते हुए कहा- तमिलनाडु के तमिल आह्वान गीत को समारोह में तीसरे स्थान पर रखा गया, जबकि परंपरा के मुताबिक इसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। उदयनिधि ने कहा-हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। तमिलनाडु में किसी भी सरकारी कार्यक्रम में तमिल थाई वाझ्थु को पहला स्थान मिलना चाहिए। गौरतलब है कि 10 मई को विजय के शपथ ग्रहण में सबसे पहले वंदे मातरम बजा। फिर जन गण मन बजा। इसके बाद तमिल राज्य गीत बजाया गया था।

सादगी | पीएम नरेंद्र मोदी ने किया था ईंधन बचाने का आह्वान, कहा- मैंने सोचा मुझे साइकिल से कोर्ट जाना चाहिए

जब ईंधन बचाने साइकिल से मध्यप्रदेश हाईकोर्ट पहुंचे जज

सत्ता सुधार ■ भोपाल/नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण पैदा हुए ऊर्जा संकट को देखते हुए ईंधन बचाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद मध्यप्रदेश हाईकोर्ट जबलपुर के जज जस्टिस द्वारका धीश बंसल मंगलवार को साइकिल चलाकर अदालत पहुंचे। जस्टिस बंसल सिविल लाइंस क्षेत्र में स्थित अपने आवास से अदालत परिसर तक तीन किमी की दूरी साइकिल से तय की। उनके साथ कोर्ट का एक कर्मचारी भी था।

- महाराष्ट्र में अब फ्लाइट से सफर नहीं करेंगे माननीय
- प्रधानमंत्री के आह्वान के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस का एक्शन
- सरकार निर्णय खर्च नियंत्रण और ईंधन बचत कराएगा

कोई वाहन रैली नहीं होगी: सीएम

इधर, सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- पीएम के आह्वान पर मध्यप्रदेश राष्ट्रहित में पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए संकल्पित है। आगामी आदेश तक मेरे कारकेड में सुरक्षा की दृष्टि से न्यूनतम वाहन होंगे। साथ ही भ्रमण के दौरान कोई वाहन रैली नहीं होगी। सभी मंत्री भी यात्रा के समय कम वाहनों का उपयोग करेंगे।

> पिछले दो दिनों से मैं देख रहा हूं कि वैश्विक संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री ने ईंधन बचाने की अपील की है। इसे ध्यान में रखते हुए, मैंने सोचा कि मुझे साइकिल से हाईकोर्ट जाना चाहिए। आम आदमी को यह संदेश देना चाहिए कि कम दूरी के लिए जब भी संभव हो साइकिल का उपयोग करें।
>
> **जस्टिस द्वारका धीश बंसल,** जज, हाईकोर्ट, जबलपुर

बिहार-महाराष्ट्र में मंत्रियों के अनलिमिटेड पेट्रोल और हवाई यात्रा पर लगी लगाम

इधर, बिहार सरकार मंत्रियों और अफसरों के वाहनों के लिए असीमित पेट्रोल पर राशनिंग की जाएगी। मंत्रियों को इस बारे में साफ-साफ संदेश दे दिया गया है कि प्रधानमंत्री की अपील का क्या परिणाम सामने आना है। वहीं महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फड़णवीस की मंजूरी के बिना अब महाराष्ट्र के किसी भी मंत्री को सरकारी विमान या चार्टर्ड विमान का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। सरकार की ओर से इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं।

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री आज लाड़ली बहना के खाते में अंतरित करेंगे राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 13 मई को नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की 36वीं किश्त जारी करेंगे। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान का आधार बन चुकी है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं की परिवार के निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है, पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर में सुधार हुआ है और ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने मध्यप्रदेश में महिला कल्याण के क्षेत्र में एक नई मिसाल स्थापित की है। यह केवल आर्थिक सहायता योजना नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बन गई है।

पंजीकृत श्रमिकों के लिए संजीवनी बनीं योजनाएं

भोपाल। प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा व्यापक कल्याणकारी कदम उठाए जा रहे हैं। श्रम विभाग और विभिन्न बोर्ड्स के माध्यम से अब श्रमिकों को जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक हर कदम पर आर्थिक संबल प्रदान किया जा रहा है। इनमें प्रसूति सहायता 16 हजार, बेटियों के विवाह के लिये अनुदान 49 हजार रूपये और 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क चिकित्सा लाभ शामिल है। इसके अतिरिक्त श्रमिकों के बच्चों को वैश्विक स्तर की शिक्षा देने के लिए 'विदेश अध्ययन योजना' के तहत 40 हज़ार डॉलर तक की सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही अधिकतम 10 हजार यूएस डॉलर प्रतिवर्ष बतौर वार्षिक निर्वाह भत्ता भी प्रदान किया जाता है।

वीवीआईपी/वीआईपी सिक्युरिटी एंड प्रोटेक्शन कोर्स' का शुभारंभ

भोपाल। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने 'वीवीआईपी/ वीआईपी सिक्युरिटी एंड प्रोटेक्शन कोर्स' का आज शुभारंभ किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 मई से 15 मई तक आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित मानक प्रक्रियाओं, समन्वय तंत्र, आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित कार्यवाही तथा आधुनिक सुरक्षा उपायों के संबंध में सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। उद्घाटन सत्र में महत्वपूर्ण विषयों पर पुलिस मुख्यालय, इंटेलिजेंस विंग, मुख्यमंत्री सुरक्षा शाखा, बीडीडीएस टीम, डॉग स्क्वॉड तथा अन्य विशेषज्ञ इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा सहभागिता करते हुए विषय विशेषज्ञ के रूप में मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।

---

200 गाड़ियों के काफिले पर प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने दी नसीहत

भाजपा के कार्यकर्ता जिम्मेदार बने और फिजूलखर्ची से बचें

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पीएम नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत संबंधी अपील के बीच मध्यप्रदेश भाजपा में नेताओं के अलग-अलग अंदाज चर्चा का विषय बन गए। एक ओर पाठ्यपुस्तक निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ठाकुर 200 से अधिक वाहनों के काफिले के साथ भोपाल पहुंचे, तो वहीं दूसरी ओर मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह ई-रिक्शा से पदभार ग्रहण करने पहुंचे। इस पूरे घटनाक्रम के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील का पालन करने और ईंधन बचाने की नसीहत दी है। पूरा मामला चर्चा में आने के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी पीएम मोदी की अपील को दोहराया। उन्होंने कहा कि सभी को ईंधन की बचत करनी चाहिए और अनावश्यक उपयोग से बचना चाहिए। विशेष रूप से निगम-मंडलों के अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं को इस संदेश को अपने दैनिक जीवन में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह केवल अपील नहीं, बल्कि समय की जरूरत और हमारी जिम्मेदारी है। समाज और देशहित में हर छोटा प्रयास अहम भूमिका निभा सकता है। दरअसल, पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष बनाए जाने के बाद सौभाग्य सिंह ठाकुर समर्थकों के बड़े काफिले के साथ उज्जैन से भोपाल पहुंचे। बताया जा रहा है कि उनके साथ करीब 200 से अधिक वाहन शामिल थे। राजधानी पहुंचने पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी की मौजूदगी में उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। लंबे काफिले की वजह से उज्जैन-भोपाल मार्ग सहित राजधानी भोपाल के कई इलाकों में यातायात प्रभावित रहा। भीषण गर्मी के बीच हाईवे से लेकर बोर्ड ऑफिस चौराहा, डीबी मॉल और अरेरा हिल्स तक जाम की स्थिति बनी रही, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब पीएम मोदी ने हाल ही में हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में नागरिकों से पेट्रोल-डीजल का कम से कम उपयोग करने की अपील की थी।

सत्येंद्र ई-रिक्शा से पहुंचे: प्रधानमंत्री ने वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए लोगों से अनावश्यक ईंधन खर्च से बचने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने, कार पूलिंग करने और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया था। इसी बीच मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह अलग संदेश देते नजर आए। वे भोपाल स्थित अपने निवास से बैटरी चालित ई-रिक्शा में भाजपा कार्यालय पहुंचे। उनके इस कदम को ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण से जोड़कर देखा गया।

इलेक्ट्रिक स्कूटी से मंत्रालय पहुंचे ऊर्जा मंत्री

प्रधानमंत्री के आव्हान के बाद प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मंगलवार को सबसे पहले इस पर अमल शुरू किया है। ऊर्जा मंत्री तोमर आज भोपाल में है और भोपाल में वह इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहन से न केवल सड़कों पर घूमते नजर आए, बल्कि भोपाल स्थित अपने शासकीय बंगले से मंत्रालय भी इसी वाहन से पहुंचे। तोमर ने कहा कि वह प्रधानमंत्री की अपील का स्वागत करते हैं और अपील का अनुसरण करते हुए इसका पालन कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह सभी से अपील करेंगे कि वह भी पेट्रोल डीजल का कम से कम इस्तेमाल करें और अत्याधिक आवश्यकता होने पर ही डीजल-पेट्रोल वाहनों का उपयोग करें।

प्रदेश बन रहा वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन हब

मप्र ने वन और वन्यजीव संरक्षण में ग्लोबल पहचान बनाई

■ वन-नदियां प्राकृतिक संसाधन नहीं, राष्ट्र की अमूल्य धरोहर

■ विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण व पुनर्स्थापन पर ध्यान

सत्ता सुधार ■ भोपाल

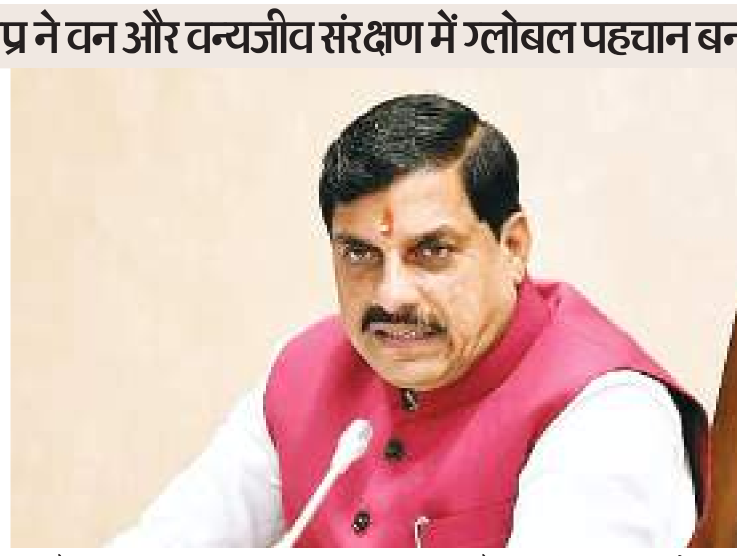

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने वन और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में ग्लोबल पहचान बनाई है। राज्य सरकार ने संरक्षण को केवल पर्यावरणीय दायित्व तक सीमित न रखते हुए उसे विकास, पर्यटन, स्थानीय रोजगार, सांस्कृतिक चेतना और सामुदायिक सहभागिता से जोड़कर व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। मुख्यमंत्री की दूरगामी सोच से मध्यप्रदेश आज 'टाइगर स्टेट' के साथ ही देश के सबसे व्यापक और वैज्ञानिक वन्यजीव संरक्षण मॉडल के रूप में उभरा है।

मुख्यमंत्री का विजन है कि प्रदेश के वन और नदियां केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। मध्यप्रदेश के वन देश की अनेक प्रमुख नदियों का मायका हैं। इस तरह ये वन कई राज्यों की जल सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसी सोच के साथ राज्य सरकार जलवायु अनुकूल, विज्ञान आधारित और समुदाय केंद्रित वन प्रबंधन मॉडल को आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री के कार्यकाल में चीतों के साथ ही कई दुर्लभ और विलुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण और पुनर्स्थापन पर विशेष ध्यान दिया गया है। कान्हा टाइगर रिजर्व में असम के काजीरंगा नेशनल पार्क से लाए गए जंगली भैंसों का पुनर्वास इस दिशा में ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। यह प्रयास केवल एक प्रजाति को बसाने तक सीमित नहीं, बल्कि खो चुकी जैव-विविधता और पारिस्थितकी तंत्र को पुनर्जीवित करने का अभियान है। इसी प्रकार चंबल, कूनो और नर्मदा क्षेत्र में घड़ियाल, मगरमच्छ और कछुओं के संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

गिद्ध संरक्षण में देश का नेतृत्व

मध्यप्रदेश गिद्ध संरक्षण में देश का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। कभी विलुप्ति के कगार पर पहुंचे गिद्धों की संख्या राज्य में अब 14 हजार से अधिक हो चुकी है, जो देश में सर्वाधिक है। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी और वन विहार नेशनल पार्क के सहयोग से भोपाल के केरवा क्षेत्र में घायल गिद्धों के लिए रेस्क्यू सेंटर संचालित किया जा रहा है।

जलवायु अनुकूल वन प्रबंधन

मुख्यमंत्री के प्रयास केवल वन संरक्षण तक सीमित नहीं है उनका फोकस वन आश्रित समुदायों को वन संरक्षण की प्रक्रिया का साझेदार बनाने पर भी है। सरकार की नीति है कि जब स्थानीय समुदायों को वनों से प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, तब वे सबसे प्रभावी संरक्षक बनेंगे। इसी दृष्टि से 'विजनञ्च2047 - री-इमेजिनिंग फॉरेस्ट रिसोर्सेस फॉर द क्लाइमेट रेसिलियंट फ्यूचर' दस्तावेज जारी किया गया। राज्य में डिजिटल प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता, जवाबदेही और वैज्ञानिक रणनीति के माध्यम से वन प्रबंधन को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है।

'हाथी टास्क फोर्स' का गठन

राज्य सरकार ने हाथियों के संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए 47 करोड़ रुपये से अधिक की व्यापक योजना को मंजूरी दी है। राज्य स्तरीय 'हाथी टास्क फोर्स' का गठन, 'हाथी मित्र' योजना, रेडियो टैगिंग और सोलर फेंसिंग जैसे कदम इस दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। मानव-हाथी संघर्ष में जनहानि होने पर मुआवजा राशि को 8 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करना सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

संरक्षण से रोजगार-पर्यटन को गति

वन्यजीव संरक्षण की इन पहलों का सकारात्मक प्रभाव स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। चीता परियोजना, टाइगर रिजर्व विस्तार और इको-टूरिज्म गतिविधियों से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। सफारी पर्यटन, प्रकृति शिक्षा और स्थानीय व्यवसायों को नई गति मिली है। संरक्षण और विकास एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं। यही समन्वित दृष्टिकोण आज मध्यप्रदेश को देश में वन्यजीव संरक्षण के अग्रणी मॉडल के रूप में स्थापित कर रहा है।

भोपाल से श्रीनगर, चेन्नई-केरल के लिए शुरू होंगी हवाई सेवाएं

एयरलाइंस ऑपरेटर्स से प्रपोजल मांगें, बैठक में उठी थी मांग

सत्ता सुधार ■ भोपाल

एयरलाइन ऑपरेटरों को राजधानी भोपाल के राजाभोज एयरपोर्ट से जम्मू, चैन्नई और केरल के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रापोजल मांगे गए हैं अगर सब कुछ सही रहा तो अगले कुछ महीनों में भोपाल एयरपोर्ट से श्रीनगर, चेन्नई, केरल, देहरादून, कोलकाता, जयपुर, चंडीगढ़-जम्मू समेत अन्य बड़े शहरों के लिए हवाई सेवाएं शुरू हो सकती हैं। सांसद आलोक शर्मा की बैठक के बाद सरकार ने एयरलाइंस ऑपरेटरों से प्रपोजल मांगें हैं।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर इसकी जानकारी दी है, जिसमें आरएफपी यानी रिक्वेस्ट फॉर प्रापोजल मांगे गए हैं। कहा गया है कि मध्यप्रदेश शासन ने आरएफपी जारी कर शेड्यूल एयरलाइन ऑपरेटरों को भोपाल एवं मध्यप्रदेश के अन्य हवाई अड्डों से प्रमुख घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ान सेवाएं प्रारंभ करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

राजा भोज एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठकों में यह सुझाव मिले थे कि भोपाल से चेन्नई, कोलकाता, गोवा, जयपुर, चंडीगढ़, जम्मू, श्रीनगर, देहरादून, केरल और अन्य प्रमुख शहरों के लिए बेहतर उड़ान सेवाएं जरूरी हैं। अब एमपी सरकार ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन देने की पहल की है। इससे एयरलाइंस को भोपाल जैसे संभावनाशील केंद्र से जुड़ने का ठोस आधार मिलेगा।

राजधानी भोपाल मध्य भारत का स्वाभाविक कनेक्टिविटी सेंटर है। बेहतर उड़ान सेवाएं पर्यटन, निवेश, उद्योग, शिक्षा, मेडिकल यात्रा, रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स और नॉलेज एंड एआई सिटी की संभावनाओं को गति देंगी।

यूएई, कतर, सउदी अरब, ओमान व यमन में प्रदेश के गेहूं की बढ़ी साख

देश के गेहूं निर्यात में मध्यप्रदेश का योगदान 35 से 40 प्रतिशत

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की किसान हितैषी नीतियों और योजनाओं के परिणामस्वरूप इस साल गेहूं उत्पादन 365.11 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। उत्पादकता बढ़कर 3780 किलो प्रति हैक्टेयर हो गई है। मध्यप्रदेश 'गेहूं प्रदेश' बन गया है। देश के कुल गेहूं उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान 18 प्रतिशत है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मध्यप्रदेश के गेहूं की मांग लगातार बनी हुई है। प्राकृतिक मिठास के कारण शरबती और ड्यूरम गेहूं की मांग जर्मनी, अमेरिका, इटली, यूके, दुबई, साउथ अफ्रीका जैसे देशों में बनी हुई है। भारत से विदेशों को निर्यात किये जाने वाले गेहूं में मध्यप्रदेश का योगदान 35 से 40 प्रतिशत होता है। प्रदेश के गेहूं को ओमान, यमन, यूएई, साउथ कोरिया, कतर, बांग्लादेश, सउदी अरब, मलेशिया, साउथ अफ्रीका और इंडोनेशिया में पसंद किया जा रहा है। मध्यप्रदेश का गेहूं ब्रेड, बिस्किट और पास्ता के लिये सर्वाधिक उपयुक्त है। मुख्यमंत्री ने गेहूं उत्पादक किसानों के हित में नई योजनाएं बनाने और समय पर मदद करने की रणनीति के फलस्वरूप मध्यप्रदेश ने परंपरागत गेहूं उत्पादक राज्यों की बराबरी कर ली है। वर्ष 2004-05 में सिर्फ 42 लाख हैक्टेयर में गेहूं होता था, जो आज बढकर 96.58 लाख हैक्टेयर हो गया है। भारत सरकार के गेहूं अनुसंधान निदेशालय ने अपने अनुसंधान में दो हजार सेम्पल का परीक्षण करने के बाद उच्च स्तर की गुणवत्ता का दाना पाया। प्रदेश के सामान्य से सामान्य किस्म के गेहूँ में भी औसत रूप से 12.6 प्रतिशत प्रोटीन, 43.6 पीपीएम (पार्टस पर मिलियन) आयरन तथा 38.2 पीपीएम जिंक पाया गया है। कठिया प्रजाति के गेहूँ में भरपूर प्रोटीन, आयरन, मैग्नीज और जिंक है। इन्हीं विशेषताओं से मध्यप्रदेश के गेहूं को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अच्छी कीमत मिलती है।

अब गांव का व्यक्ति भी उद्योग लगाने का साहस जुटा रहा

चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मप्र के विकास को नई गति देने वाला स्तंभ

सत्ता सुधार ■ भोपाल

फेडेरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मध्यप्रदेश के विकास को नई गति देने वाला प्रमुख स्तंभ है। प्रदेश के स्थानीय और युवा उद्योगपतियों को नई दिशा दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल फेडेरेशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के पदभार ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के आयोजन और उद्योगों को दिए जा रहे नीतिगत प्रोत्साहन से प्रदेश के छोटे उद्यमियों और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में एक नया आत्मविश्वास जागा है, जिससे अब गांव का व्यक्ति भी उद्योग लगाने का साहस जुटा रहा है।

मंत्री पटेल ने कहा कि मजदूर और उद्योगपति के बीच का संबंध हितों के टकराव की जगह आपसी समन्वय का होना चाहिए और इसे वास्तविकता में बदलना सरकार की प्राथमिकता है। इसी दिशा में मंत्री पटेल ने फेडरेशन के प्रतिनिधियों को श्रम संबंधी विभागीय समितियों में सक्रिय भागीदारी के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने 'श्री' जैसी पहलों का उल्लेख किया, जो श्रम और उद्योगों के बीच बेहतर तालमेल बिठाकर अनावश्यक प्रशासनिक हस्तक्षेप को कम करने का कार्य कर रही हैं। पटेल ने उद्योगों की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्किल मैपिंग पर विशेष बल दिया और उद्योगपतियों से आग्रह किया कि वे अपने आवश्यक 'स्किल लेवल' की पहचान कर विभाग को सूचित करें।

सरकार इन जरूरतों के आधार पर स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर कुशल कार्यबल उपलब्ध कराएगी। प्रदेश कृषि उत्पादन के उच्चतम स्तर को प्राप्त कर रहा है इसलिए अब हम सभी को 'प्रोसेसिंग' क्षेत्र पर केंद्रित करना होगा। राज्य की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन के लिए उपयुक्त है।

निर्यात को प्रोत्साहन देने अनूठी पहल

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में वर्ष 2025 को 'उद्योग वर्ष' के रूप में मनाया गया है जिसका मुख्य केंद्र स्थानीय उद्यमियों और युवाओं को नए अवसर प्रदान करना था। उन्होंने कहा कि फेडरेशन ने उद्योगपतियों के हित में शासन के कार्यों में निरंतर सहयोग किया है। साथ ही उन्होंने उद्यमियों से गुणवत्ता और निरंतरता बनाए रखने का आग्रह किया, जिससे वैश्विक बाजार में प्रदेश की साख और मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि विभाग ने पिछले डेढ़ वर्षों में 1200 से अधिक प्लॉट पूरी पारदर्शिता के साथ ऑनलाइन आवंटित किए हैं और आगामी दो वर्षों में 3 हजार नए प्लॉट उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। मध्यप्रदेश ने निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए एक अनूठी पहल की है, जिसके तहत लैंड-लॉक्ड राज्य होने की चुनौतियों को देखते हुए निर्यातकों को 50 प्रतिशत परिवहन सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

बयान कांग्रेस किसान और विस्थापित परिवारों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहेगी

जल, जंगल की लड़ाई लड़ रहे आदिवासियों को न्याय दो

सत्ता सुधार ■ भोपाल

नेताओं को पीड़ित आदिवासियों से मिलने से रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक और तानाशाहीपूर्ण रवैया है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को केन-बेतवा लिंक परियोजना अंतर्गत छतरपुर ढोढन बांध कार्यस्थल पर आंदोलनरत विस्थापित आदिवासी एवं किसान परिवारों से मुलाकात कर उनका दर्द सुना और उनके संघर्ष को न्याय की लड़ाई बताया। पटवारी कांग्रेस नेताओं के साथ प्रभावित परिवारों तक पहुंचे। इस दौरान प्रशासन द्वारा बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने यह तर्क दिया कि उनके जंगल क्षेत्र में जाने से वन्यजीव प्रभावित होंगे। इस पर पटवारी ने सवाल उठाते हुए कहा कि जहां बड़े स्तर पर मशीनें, निर्माण कार्य और सैकड़ों मजदूर लगातार कार्य कर रहे हैं, वहां विपक्ष के नेताओं को पीड़ित आदिवासियों से मिलने से रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक और तानाशाहीपूर्ण रवैया है।

पटवारी ने कहा कि विस्थापित परिवारों की यह लड़ाई केवल जमीन की नहीं, बल्कि उनके जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों को न्याय देने में विफल रही है और उन्हें उचित मुआवजा एवं पुनर्वास नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान और प्राकृतिक न्याय की भावना कहती है कि जिस परिवार की जमीन और जंगल छीने जाएं, उन्हें जमीन के बदले जमीन और सम्मानजनक पुनर्वास मिलना चाहिए। केवल कागजी मुआवजा देकर आदिवासी परिवारों का भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता।

पटवारी ने कहा कि जब वे पीड़ित आदिवासियों से मिलने जा रहे थे, तब उन्हें भारी पुलिस बल तैनात कर रोकने का प्रयास किया गया। उन्होंने प्रशासन द्वारा दिए गए इस तर्क पर भी सवाल उठाया कि उनके जाने से बाघ, चीते और हाथी परेशान होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार जनता की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी आदिवासी, किसान और विस्थापित परिवारों के अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी।

पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी के विचारों पर चलने वाली पार्टी है और अन्याय के खिलाफ संघर्ष से पीछे हटने वाली नहीं है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चाहे मुकदमे लगाए जाएं या जेल भेजने की धमकी दी जाए, कांग्रेस पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

जनगणना 2027 : मकान सूचीकरण व गणना का कार्य जारी

प्रदेश में एक करोड़ 84 लाख से अधिक मकानों की गणना का कार्य हुआ पूरा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

प्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुसार निरंतर प्रगति पर है। प्रदेश में 1 मई 2026 से शुरू हुआ यह फील्ड कार्य 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान, परिवार एवं अन्य संरचनाओं से संबंधित जानकारी डिजिटल माध्यम से संकलित की जा रही है। सचिव, गृह विभाग एवं नोडल अधिकारी जनगणना शिल्पा गुप्ता ने बताया कि राज्य में जनगणना कार्य के लिए 1 लाख 37 हजार से अधिक मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। इनमें प्रगणकों द्वारा व्यवस्थित रूप से जानकारी एकत्रित की जा रही है। 12 मई 2026 तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 1 करोड़ 84 लाख 92 हजार 860 मकानों की गणना पूर्ण की जा चुकी है। रायसेन जिले में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस बार जनगणना की संपूर्ण प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से संचालित किया जा रहा है।

ब्रीफ न्यूज

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर नर्सों का सम्मान

गोहद। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोहद में नर्सिंग स्टाफ के सम्मान एवं स्वागत हेतु एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल के चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर नर्सों के सेवा भाव, समर्पण एवं मानवता के प्रति उनके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नर्सें स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ होती हैं, जो दिन-रात मरीजों की सेवा में समर्पित रहती हैं। उनकी मेहनत, संवेदनशीलता एवं कर्तव्यनिष्ठा समाज के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग स्टाफ का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया तथा सभी को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में अस्पताल परिवार द्वारा नर्सों के उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा गया कि मरीजों की देखभाल एवं उपचार प्रक्रिया में नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। कोविड काल सहित विभिन्न स्वास्थ्य चुनौतियों के दौरान नर्सों द्वारा दी गई सेवाओं को भी स्मरण किया गया। अंत में सभी नर्सिंग अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मरीजों की सेवा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने का संकल्प लिया।

डॉ. परिहार ने प्रशिक्षणार्थियों को दी सीपीआर की जानकारी

भिण्ड। राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में डॉ. शैलेन्द्र परिहार ने बालक, बालिकाओं को दिल का दौरा पड़ने पर सीपीआर देकर जान बचाने का तरीका बताया। मप्र खेल और युवा कल्याण विभाग के द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह वर्ष 2026 के 8वें दिन डॉ. शैलेन्द्र परिहार ने शहर के राजीव गांधी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में कबड्डी, खो-खो, व्हॉलीवाल, फुटबाल, एथलेटिक्स, कराते, रोईंग खेल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लगभग 200 बालक, बालिकाओं को डमी के माध्यम से बताया कि यदि किसी को दिल का दौरा पड़ जाए, तब उसे कैसे सीपीआर देकर उसकी जान कैसे बचाई जा सकती है। इसी प्रकार विकास खण्ड मुख्यालय अटेर पर खो-खो, व्हॉलीवाल, एथलेटिक्स में संचालित प्रशिक्षण शिविर में शास. उत्कृष्ट उ.मा.वि. अटेर के प्राचार्य कोस्तुक रंजन ने उपस्थित होकर शिविर में सम्मिलित लगभग 75 खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

जनसुनवाई में 90 से अधिक आवेदनों पर कार्यवाही के निर्देश

भिण्ड। कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में जनसामान्य की शिकायतों को सुनकर उनके त्वरित, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत वीरसिंह चौहान एवं अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय द्वारा भी आवेदकों की समस्याओं पर जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान 90 से अधिक आवेदन आए जिन पर संबंधितों को भेजकर कार्यवाही के निर्देश दिए।

जिले के उपार्जन केंद्रों एवं वेयरहाउस का किया औचक निरीक्षण

किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, पारदर्शिता से हो उपार्जन कार्य : कांकर

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

मध्यप्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के उपाध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त संजीव कांकर ने जिले के मौ एवं मेहगांव क्षेत्र के विभिन्न उपार्जन केन्द्रों तथा वेयरहाउस का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसान हितों की रक्षा एवं उनकी सुविधाओं के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि किसानों के अन्न का एक-एक दाना पूरी पारदर्शिता, नियम और सम्मान के साथ तौला जाए तथा उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपार्जन केन्द्रों पर तौल व्यवस्था, अनाज भंडारण, वेयरहाउस की स्थिति एवं किसानों को उपलब्ध सुविधाओं का

बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तौल केंद्रों पर कांटों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि किसानों को लंबे समय तक इंतजार न करना पड़े। साथ ही तौल प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु कांटों का समय-समय पर परीक्षण एवं सत्यापन किया जाए। उन्होंने उपार्जित अनाज की समय पर डुलाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए ताकि किसानों के भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो। निरीक्षण के दौरान कुछ छोटी-मोटी अनियमितताएं पाए जाने पर तत्काल सुधारने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कांकर ने कहा कि जब तक हमारा अन्नदाता सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट नहीं होगा, तब तक प्रदेश समृद्ध एवं आत्मनिर्भर नहीं बन सकता। किसानों की सुविधा और उनके हितों की रक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर नैन के अधिकारी, उपार्जन कार्य से जुड़े कर्मचारी एवं स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

बेटियां पतझड़ जैसे घर को भी सुगंधित बगीचा बनाएं : ब्रह्मानंद सरस्वती

बाबा पाण्डरी धाम सगरा में कथा के अंतिम दिन हुए प्रवचन

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

जिले के ग्राम सगरा स्थित बाबा पाण्डरी धाम परिसर में विगत 7 दिनों से चल रहे 21 कुण्डीय होमात्मक सहसचण्डी महायज्ञ प्रसाद रूपी विशाल भंडारे के साथ संपन्न हो गया।

अंतिम दिन कथा व्यास ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज ने कथा प्रवचन में कहा कि माता सती का अपने पिता के यज्ञ में आहुति देना सिद्ध करता है कि जहां भयभीत को शक्ति प्राप्त न हो, यज्ञ में शिव रूपी किसी का कल्याण ना हो तो उस यज्ञ को भले ही कितना दक्ष रूपी कुशल प्रजापति क्यों ना करे, उस शिव शक्ति द्रोही अहंकार युक्त यज्ञ को जट पुरुष वीरभद्र ही विनाश कर देता है। शक्ति रुपी नारी के तथा शिव रूपी कल्याण के अपमान पर

भग और पूषा एवं भृगु जैसे ऋषियों को भी दंड मिला, माता सती ने संपूर्ण विश्व में कलयुग के अज्ञान में सोए हुए जीवों के उद्धार के लिए शक्ति पीठों की स्थापना करी।

उन्होंने राजा अशोक की पुत्री सावित्री ने तीर्थ परिक्रमण करते हुए चरित्रवान सत्यवान का वर्णन किया। एक वर्ष में नारदजी ने मृत्यु की भविष्यवाणी करते ही सावित्री अपने सास ससुर पति की सेवा से पीछे नहीं हटी और उन्होंने निर्जला व्रत रखते हुए यमदूतों को लौटा दिया। तत्पश्चात स्वयं यमराज सत्यवान के प्राणों को ले जाने लगे तो शालीन सौम्या सावित्री ने यमराज रूपी मृत्यु से आंखों में आंखें डालकर, कर्मफल वेद उचित सिद्धांतों पर चर्चा करते हुए मृत्यु को भी भ्रम में डालकर तीन वरदानों में अपने पति के प्राणों को वापस ले लिया। तब यमराज के आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने कहा कि सावित्री की तरह आज की बेटियों को भी धैर्य रखते हुए निर्भय होकर पति और परिवार की सेवा करते हुए पतझड़ जैसे घर को भी सुगंधित बगीचा बना देना चाहिए।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. देवदत्त कुशवाहा ने विशाल सहस्त्र चंडी महायज्ञ व श्रीमद् देवी भागवत के सकुशल संपन्न होने का श्रेय बाबा महाराज को एवं उनके भक्तों को दिया। मंच संचालक ब्रज के राजा ठाकुर, दाऊजी महाराज बल्देव, गोकुल से पधारे कुंवर अजय योगी ने सभी श्रद्धालुओं को संत शिरोमणि पांडरी वाले बाबा का आशीर्वाद पाने व मनोकामना पूर्ति के लिए एक बार मंदिर आने का आग्रह किया है।

लोडिंग वाहन पलटने से पिता-पुत्र सहित तीन की मौत

दो लोग गंभीर रूप से घायल, ग्वालियर रैफर

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

मेहगांव थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह दंदरौआ धाम के पास एक तेज रफ्तार आ रहा लोडिंग वाहन पेड़ से टकराया और पलट गया। जिससे उसमें सवार पिता-पुत्र सहित तीन लोगों की मौत हो गई एवं दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक मौ क्षेत्र से पांच लोग एक लोडिंग वाहन में सवार होकर दंदरौआ की ओर जा रहे थे। वाहन में एक भैंस भी लदी हुई थी। मेहगांव-मौ मुख्य मार्ग पर दंदरौआ धाम गेट नंबर एक के पास पहुंचते ही चालक वाहन से नियंत्रण खो दिया और तेज रफ्तार वाहन सड़क किनारे पेड़ से टकराकर पलट गया। दुर्घटना में वाहन में सवार तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान 50 वर्षीय प्रीतम मांझी, उनके पुत्र सुनील मांझी दोनों निवासी ग्राम छोली जिला ग्वालियर और उपेन्द्र राणा निवासी लखनौती डबरा जिला ग्वालियर के रूप में हुई है। हादसे में रामरूप बघेल निवासी एरोली और मानवेन्द्र ठाकुर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मेहगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा गया, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर के लिए रेफर कर दिया गया और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

चौपाल लगाकर लोगों को किया गया जागरूक

सत्ता सुधार ■ गोहद

पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार वर्मा के निर्देशन में सभी थाना क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके चलते गोहद चौराहा थाना क्षेत्र अंतर्गत छीमका गांव में थाना प्रभारी रामनरेश यादव ने मंगलवार को जन चौपाल लगाकर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि साइबर फ्रॉड से सभी लोग सावधान रहें किसी भी अनजान व्यक्ति को ओटीपी या अपनी पर्सनल जानकारी ना दें। क्योंकि कभी भी बैंक या शासकीय दफ्तर किसी भी व्यक्ति की पर्सनल जानकारी नहीं लेते हैं। किसी के द्वारा अगर कोई लिंक भेजी जा रही है या कोई ओटीपी मांग रहा है तो कभी भी ओटीपी न दें, नहीं तो मोबाइल हैक करके सभी डाटा हैकर द्वारा चोरी कर लिया जाता है। जिससे कुछ ही समय में हैकर द्वारा आपका खाता भी खाली कर दिया जाएगा, वही सभी लोगों से निवेदन कर कहा कि कभी भी बच्चे जुआ, शराब सैट आदि अवैध कार्यों में लिप्त न हो। एवं छोटे-छोटे विवादों को आपस में बैठकर ही सुलझाने का प्रयास करें। यदि कहीं भी विवादित स्थिति बन रही है तो तुरंत डायल 112 नंबर लगाए एवं पुलिस को सूचित करें। थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस हर विषम परिस्थिति में आप सभी के साथ है, साथ ही अपने बच्चों को बाइक ले जाते समय हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित करें कोई भी युवक बिना हेलमेट के बाइक ना चलाएं चार पहिया वाहन चालक सीट बेल्ट का प्रयोग करें। शराब पीकर वाहन न चलाएं एवं कभी भी किसी भी घायल व्यक्ति को देखने पर तुरंत अस्पताल भेजें। जिससे घायल को समय पर उपचार मिल सके।

भगवान परशुराम ने तप और पराक्रम से मानव जाति का कल्याण किया

मेहगांव। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सर्व ब्राह्मण समाज ने भव्य चल समारोह निकाला। जिसमें रथ पर भगवान भोलेनाथ, भगवान परशुराम विराजमान रहे। अद्भुत झांकियां मनमोहक रहीं। वनखण्डेश्वर मंदिर से प्रारंभ होकर भगवान परशुराम का चल समारोह हाट बाजार, हनुमान रोड़, मुरैना तिराहा, भिण्ड रोड तिराहा होते हुए रामलीला मैदान पर यात्रा का समापन हुआ। भारतीय जनता पार्टी के नेता आलोक राकेश शुक्ला ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम अजेय व अमर हैं, शस्त्र और शास्त्र के महाज्ञानी भगवान परशुराम ने तप और पराक्रम से मानव जाति का कल्याण किया। भगवान परशुराम का जिक्र रामायण से लेकर महाभारत और भागवत पुराण व कल्कि पुराण आदि ग्रन्थों में किया गया है। आलोक शुक्ला ने भगवान परशुराम यात्रा एवं भव्य चल समारोह को सफल बनाने में सर्व समाज के सभी युवा साथी का हृदय से स्वागत किया। इस दौरान कहा गया कि जब युवा समाज के लिए आगे आते हैं तो हर आयोजन ऐतिहासिक बन जाता है।

खनिज माफियाओं पर कार्रवाई, एक रात में 11 वाहन जब्त

सत्ता सुधार ■ मालनपुर

अवैध रेत-मुरुम मिट्टी के कारोबार पर नकेल कसते हुए खनिज विभाग ने मालनपुर क्षेत्र में बड़ी छापामार कार्रवाई की है। कलेक्टर किरोड़ी लाल मीना के निर्देश पर सोमवार रात 12 बजे से मंगलवार सुबह 6 बजे तक चले विशेष अभियान में मालनपुर थाना क्षेत्र से ही 11 वाहनों को अवैध खनिज परिवहन करते पकड़ा गया।प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा पंकज ध्वज मिश्रा के मार्गदर्शन में खनिज निरीक्षक गणेश विश्वकर्मा और प्रभारी खनिज निरीक्षक अश्वनी कुमार मिश्रा की टीम ने मालनपुर के मुख्य रास्तों पर नाकाबंदी की। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार राकेश श्रीवास्तव एवं राजस्व अमला पूरी रात मौके पर मौजूद रहा।

11 वाहनों पर कार्यवाही कर थाने में रखवाया

जब्त 11 वाहनों में डम्पर और ट्रैक्टर-ट्रॉली दोनों शामिल हैं। इन वाहनों में अवैध रूप से रेत, मुरुम, डस्ट, मिट्टी और पत्थर का परिवहन किया जा रहा था। सभी 11 वाहन फिलहाल थाना मालनपुर में सुरक्षा में खड़े कर दिए

गए हैं। अन्य वाहन खनिज नियमों का उल्लंघन करते मिले। जप्त सभी वाहन मालिकों पर म.प्र. खनिज नियम 2022के तहत प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। जुर्माने के साथ-साथ वाहन राजसात करने की कार्रवाई भी प्रस्तावित है। प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में पेश किया जाएगा।

मालनपुर में मचा हड़कंप

एक ही रात में 11 वाहन जब्त होने से मालनपुर क्षेत्र के अवैध खनन कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि रातभर चलने वाले डम्परों से सड़कें खराब हो रही थीं और धूल से परेशानी थी। प्रशासन की इस कार्रवाई से लोगों ने राहत की सांस ली है। प्रभारी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मालनपुर सहित पूरे जिले में अवैध उत्खनन पर जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम होगा। आगे भी ऐसे औचक अभियान जारी रहेंगे।

सीईओ जिला पंचायत भिण्ड ने ग्राम बाराकला का किया निरीक्षण

ग्राम विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं : सीईओ

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत वीरसिंह चौहान द्वारा जनपद पंचायत भिण्ड अंतर्गत ग्राम बाराकला पहुंचकर ग्राम पंचायत भवन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लेते हुए संबंधित उपयंत्री को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों के अनुसार कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन के सामने स्थित तालाब का भी अवलोकन किया गया। सीईओ जिला

पंचायत ने तालाब की जनसहयोग से साफ-सफाई एवं गहरीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए गांवों में पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना आवश्यक है, जिससे ग्रामीणों को भविष्य में जल संकट का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन की योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश भी दिए गए। सीईओ जिला पंचायत ने समग्र ई-केवाईसी एवं जॉब कार्ड ई-केवाईसी कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी एवं पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नहरों और कैनालों के क्षतिग्रस्त हिस्से की बारिश पूर्व कराएं मरम्मत : कलेक्टर

कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग अधिकारियों की समीक्षा की

सत्ता सुधार ■ भिण्ड

कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा की अध्यक्षता में जल संसाधन विभाग अधिकारियों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार भिण्ड में आयोजित की गई। कलेक्टर ने बैठक में कनेरा उद्वहन सिंचाई एवं पेयजल योजना की समीक्षा कर कार्य की भौतिक प्रगति, कार्य पूर्ण करने की अवधि तथा क्रियान्वयन में विलंब के कारण की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कनेरा उद्वहन सिंचाई एवं पेयजल योजना अंतर्गत लगाए जा रहे पाईप के ज्वाइंट सही होना चाहिए ताकि भविष्य में कभी भी लीकेज की समस्या नहीं हो। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि नहर की जमीन पर अगर अतिक्रमण है तो अतिक्रमण मुक्त कराएं, साथ ही नहर की खाली पड़ी जगह पर पौधा लगवाएं। उन्होंने कहा कि नहर के लिए यदि भूमि अधिग्रहण की गई है तो रिकॉर्ड में विभाग का नाम दर्ज कराएं और राजस्व के नक्शे में भी दर्ज कराएं। उन्होंने निर्देशित किया कि यदि कहीं नहरें और कैनाल क्षतिग्रस्त हैं और मरम्मत की आवश्यकता है तो बारिश से पहले मरम्मत कार्य पूर्ण कराया जाए।

संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ने पुणे में दिखाया ग्वालियर का सांगीतिक वैभव

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर।

राजा मानसिंह तोमर संगीत कला विश्विद्यालय द्वारा पुणे स्थित पार्नेल संस्थान में संगीत की अद्भुत प्रस्तुति दी गई। अलग अलग राग और तालों के संगम के साथ दी गई प्रस्तुति ने देखने और सुनने वालों को भाव विभोर कर दिया। आलेख, परिकल्पना, प्रस्तुतीकरण विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो स्मिता सहस्त्रबुद्धे और छात्रों का रहा। प्रस्तुति में 12 छात्र छात्राओं द्वारा ग्वालियर के सांगीतिक वैभव की 3 घंटे की सफल प्रस्तुति दी गई, जिसमें ग्वालियर के राजा मान सिंह तोमर के काल से वर्तमान तक के इतिहास के साथ गायन, वादन और नृत्य की जानकारी के साथ प्रस्तुतीकरण समाहित था। इसमें ध्रुपद, धमार, ख्याल, टप्पा, ठुमरी, तराना आदि की मन भावन प्रस्तुतियां हुई साथ ही पखावज, तबला, वायलिन की एकल प्रस्तुतियां भी हुई।।

किट्टा पार्टी ग्रुप ने सजाई संगीत की महफिल

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर।

सिटी सेंटर स्थित फॉर्च्यूनर एवेन्यू में किट्टा पार्टी ग्रुप ने संगीत की एक शानदार महफिल सजाई। जिसमें विशेष रूप से आमंत्रित होकर उपस्थित रहे गजल गायक नवनीत कौशल, जिनकी तारीफ शब्दों की मोहताज नहीं। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, ग्वालियर के चिरपरिचित शेयर अतुल अजनबी, कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित किये गए बांसुरी वादक विक्रम कनेरिया के बांसुरी वादन ने पूरी महफिल को देर तक मदहोश कर रखा। कार्यक्रम की शुरुआत अजय बाजपेई ने गणेश वंदना-'महाराज गजानन आओ जी' के साथ की। संगीत की महफिल का आगाज नरेश काटे ने एक बेहतरीन गीत-'फलक से तोड़ कर देखो सितारे लोग लाए हैं' सुनाकर किया। गायक धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने 'आज मौसम बड़ा बेईमान है' गीत सुनाकर महफिल के मौसम को मस्त कर दिया। फिर बारी आई संगीत गुरू और गजल गायकी के लिए प्रसिद्ध नवनीत कौशल की ...जब उन्होंने गजल सुनाई 'चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल' श्रोता तालियों के साथ चिल्ला पड़े 'पंकज उधास जिंदाबाद' संग्राम सिंह ने सुनाया 'रूप तेरा मस्ताना प्यार मेरा दीवाना' धर्मेंद्र शर्मा ने सुनाया गीत 'मैं जट यमला पगला दीवाना' कार्यक्रम में विशेष रूप से मनाया गया किट्टा ग्रुप के सदस्य अजय बाजपेई जन्मदिन, जब सदस्यों ने केक कटिंग के समय समवेत स्वर में 'बार-बार दिन ये आए' तब पूरी महफिलल में मगनन होकर अजय बाजपेई को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

ग्रुप संयोजक राहुल गुप्ता स्पर्शी द्वारा बर्थडे बॉय को समर्पित एक शानदार गीत प्रस्तुत किया और इस शाम को रंगीन और यादगार बनाने के लिए सभी का धन्यवाद किया।

सभापति तोमर ने 7 दिव्यांगजनों को वितरित की मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

ग्वालियर। सभापति मनोज तोमर ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए सात दिव्यांगजनों के जीवन में नई रोशनी बिखेरी। आमखो स्थित अपने निज निवास कार्यालय पर उन्होंने सात दिव्यांगजनों को निशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल एवं हेलमेट का वितरण किया। आमखो स्थित अपने निज निवास कार्यालय से सभापति मनोज तोमर द्वारा मंगलवार को छोटू/नारायण, सोनू यादव/धनीराम यादव, मुकेश कुशवाह/भानसिंह, आदिराम रजक/काशीराम, ललित कुमार/लक्ष्मी नारायण, श्रीमती प्रेमा बाई/बनवारीलाल एवं हेमसिंह/ धन्नालाल कुशवाह दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल का निशुल्क वितरण किया गया। मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिल जाने से अब बिना किसी के आश्रित हुए अपनी मर्जी से शहर में कहीं भी आ जा सकते है। इसके साथ ही यह अपना छोटा-मोटा व्यवसाय भी कर सकते हैं। सभापति श्री तोमर ने कहा कि दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है। मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल मिलने से अब ये साथी किसी पर आश्रित नहीं रहेंगे और समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

अपर आयुक्त ने आमजन की समस्यायें सुन दिए निराकरण के निर्देश

ग्वालियर। आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम में अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर एवं मुनीश सिकरवार ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 29 महलगांव के समस्त एमपी राज्य कर्मचारी आवास कॉलोनी के निवासी गणों ने आवेदन देकर बताया कि सीवर लाइन काफी पुरानी होने से क्षतिग्रस्त हो गई जिस कारण सीवर का पानी सडक पर बहता है आवेदकों ने सीवर लाइन ठीक कराये जाने के संबंध में, वार्ड 52 गुढी पायगा के निवासी गणों ने आवेदन देकर बताया कि वर्तमान में जो सीवर लाइन डली है वह छोटी होने के कारण बार-बार चौक हो रही है तथा सीवर ओवर फ्लो हो रही है आवेदकों ने नई सीवर लाइन डलवाये जाने के संबंध में, वार्ड 5 आनंद नगर के निवासी गणों ने आवेदन देकर बताया कि बडा पार्क पर चल रहे विकास कार्यो मानक अनुरूप नहीं किए जा रहे, आवेदकों ने उचित कार्यवाही के संबंध सहित अन्य आवेदनों पर सुनवाई करते हुए अपर आयुक्त ने कुछ समस्याओं का निराकरण त्वरित करते हुए बांकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई, नामांतरण आदि से संबंधित 21 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश अपर आयुक्त ने दिए।

वैवाहिक वर्षगांठ के 40 वर्ष पूर्ण होने पर मना जश्न

ग्वालियर। रजिस्ट्रार ऑफिस के जाने माने एवं किट्टा ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य व समाजसेवी अशोक सिंह चौधरी के बड़े भाई डॉ भगवान सिंह चौधरी एवं भाभी लता चौधरी के वैवाहिक जीवन के 40 वर्ष पूर्ण होने पर गुरुकृपा होटल में वैवाहिक वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर डॉ भगवान सिंह चौधरी, लता चौधरी, अशोक सिंह चौधरी, डॉ बीके सूरी, डॉ अशोक यादव, डॉ आरके लाड़कानी, डॉ निर्मल लाड़कानी संजीव अग्रवाल, डॉ तलवानी सहित पारिवारिक सदस्य एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

जनसुनवाई में मिली राहत, छात्रा को वापस मिलीं मूल अंकसूचियां

ग्वालियर। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में मंगलवार को उत्तरप्रदेश के कानपुर निवासी सुनाक्षी पुत्री रामनारायण की शिकायत का त्वरित निराकरण किया गया। सुनाक्षी ने शिकायत में बताया कि उन्होंने वर्ष 2020 में गोला का मंदिर स्थित व्यंकटेश एजुकेशन कॉलेज में बीएससी नर्सिंग में प्रवेश लिया था। प्रवेश के समय कॉलेज प्रबंधन ने उनसे कक्षा 10वीं और 12वीं की मूल अंकसूचियां जमा कराई थीं, लेकिन डिग्री पूर्ण होने के बाद भी कॉलेज द्वारा दस्तावेज वापस नहीं किए जा रहे थे। आवेदिका ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन द्वारा उन्हें बार-बार चक्कर लगवाए गए और अवैध रूप से पैसे की मांग भी की गई। पूर्व में जनसुनवाई में आने पर कॉलेज द्वारा बीएससी नर्सिंग की मार्कशीट तो दे दी गई थी, लेकिन 10वीं और 12वीं की मूल अंकसूचियां वापस नहीं की गई थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए जनसुनवाई में कॉलेज डायरेक्टर एवं प्राचार्य सुनील तोमर से चर्चा की गई। जांच में पता चला कि छात्रा की मूल अंकसूचियां सुधांशु मंगल नामक व्यक्ति के पास थीं, जो स्वयं को कॉलेज का वाइस प्रिंसिपल बताता था। इसके बाद कॉलेज प्रबंधन ने तत्काल अंकसूचियां मंगवाकर कलेक्ट्रेट कार्यालय भिजवाई, जहां कॉलेज के कर्मचारी द्वारा दस्तावेज आवेदिका को सौंपे गए। अपनी मूल अंकसूचियां वापस मिलने पर सुनाक्षी ने खुशी जताई और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। दस्तावेज प्राप्त करने के बाद वह संतुष्ट होकर वापस रवाना हुई।

10, 12वीं आईटी ट्रेड के छात्रों ने 20 दिवसीय 'ऑन द जॉब' ट्रेनिंग पूरी की

ग्वालियर। मध्यप्रदेश में समग्र शिक्षा' के तहत व्यावसायिक शिक्षा व्यापार आईटी आईटीईएस तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोज़गार विभाग के अंतर्गत आती है। सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डीडी नगर के आईटी ट्रेड के छात्रों ने हाल ही में अपनी 20 दिनों की 'ऑन-द-जॉब' ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। यह प्रशिक्षण व्यावसायिक प्रशिक्षक सचिन तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। यह प्रशिक्षण [विश्व दृष्टि तकनीकी कंप्यूटर केंद्र डीडी नगर] में आयोजित किया गया था।

अब ड्रोन से अश्रु गैस फोड़ने की तकनीक, मित्र देशों में भी डिमांड

सीसुब टियर स्मोक यूनिट के महाप्रबंधक तोमर से बातचीत

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

(विनय अग्रवाल)

देश की एकमात्र टियर स्मोक यूनिट (अश्रु गैस) इकाई सीमा सुरक्षा बल टेकनपुर ने अब उपद्रवी लोगों से निपटने के लिये अश्रु गैस में अपने अनुसंधान से नई तकनीक विकसित की है। इस तकनीक में ड्रोन बेहतर मददगार साबित हुआ हैं। यह जानकारी मंगलवार को सीमा सुरक्षा बल अकादमी की टियर स्मोक यूनिट के महाप्रबंधक सी.एस. तोमर ने सत्ता सुधार से चर्चा में दी।

मंगलवार को स्मोक टियर यूनिट के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम के बाद उन्होंने बताया कि टियर स्मोक यूनिट पूरे देश में एकमात्र इकाई है जो टेकनपुर में स्थित है। इस यूनिट ने अभी हाल ही में ड्रोन के सहयोग से अश्रु गैस फोड़ने की नई तकनीक ईजाद की है। अब हम इससे तीन किलोमीटर दूर से भी उपद्रवी लोगों से स्क्रीन के सहारे सटीक निशाने पर अश्रुगैस फोड़ कर इनको तितर बितर कर सकते है और दूर रहकर बिना जोखिम के उन पर काबू भी पा सकते है। तोमर ने बताया कि 6

किलो वजन का ड्रोन 4 किलो की दर्जनों अश्रुगैस अपने साथ ले जाकर उपद्रवियों के स्थान पर फोड़ सकता है, जिससे उपद्रवी उपद्रव स्थल पर एक मिनट से भी कम समय में तितर बितर हो सकते है और सुरक्षा या पुलिस बल उस पर काबू कर सकते हैं।

तोमर ने बताया कि इसके साथ ही हमने ड्रोन के साथ ही अश्रुगैस व तेज आग की चमक वाले शैल भी डव्लप किये है। इसको भी ड्रोन के सहारे तीन किलोमीटर रेंज तक उपद्रवियों के एकत्र स्थल पर फायर किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इसकी तेज आवाज, आग व अश्रु गैस से कितने भी उत्पाती एकत्र हो, उन्हें हर हाल में भागने पर मजबूर होना पड़ेगा। तोमर ने बताया कि हमने उत्पाती लोगों के लिये ऐसा रंगीन पानी भी तैयार किया है जिसको फेंककर हम 24 घंटे में उत्पाती की पहचान कर लेंगे। यह रंगीन पानी प्रेशर से उत्पातियों पर फेंका जाता है, जिसका रंग 24 घंटे से भी ज्यादा उत्पाती के शरीर व कपड़ों पर बना रहता है। तोमर ने बताया कि टियर स्मोक यूनिटके 47 उत्पाद आज हमारे सभी सैनिक, अर्द्धसैनिक बल, पुलिस उपद्रवीतत्वों से निपटने के लिये उपयोग कर रही है। इसके साथ ही मित्र देश भी इनको जरूरत के लिये ले रहे है। टियर स्मोक यूनिट में हम लगातार समय के साथ अनुसंधान कर नये उत्पाद तैयार कर रहे है, जो समय की आवश्यकता है।

अपर आयुक्त ने की राजस्व वसूली एवं ट्रेड लाइसेंस की समीक्षा

ग्वालियर। अपर आयुक्त प्रदीप तोमर ने राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि वित्तीय वर्ष में निर्धारित किए गए लक्ष्य के अनुरूप हर हाल में राजस्व वसूली करें तथा 100 प्रतिशत सभी के ट्रेड लाइसेंस रिन्यू तो करायें, साथ ही नये ट्रेड लाइसेंस भी बनायें। बैठक में उपायुक्त राजस्व सुनील चौहान, नोडल अधिकारी राजस्व अनूप लिटोरिया, कार्यालय अधीक्षक राजस्व प्रमेन्द्र जादौन एवं राजस्व कर संग्रहक उपस्थित रहे। निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में अपर आयुक्त प्रदीप तोमर ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि बकाया राजस्व वसूली 100 प्रतिशत करना ही है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष के राजस्व की वसूली भी करना है। बैठक में ट्रेड लाइसेंस की समीक्षा के दौरान कम ट्रेड लाइसेंस बने होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देशित किया कि सभी संबंधित अधिकारियों का लक्ष्य निर्धारित कर ट्रेड लाइसेंस बनाने के साथ ही पुराने ट्रेड लाइसेंस को रिन्यूअल भी करें।

259 यूनिट थॉलसेमिया पीड़ितों के लिए हुआ रक्तदान

ग्वालियर। रक्त अर्पण सेवा समिति द्वारा सिंधी धर्म शाला में विश्व थॉलसेमिया दिवस पर 259 लोगो ने किया रक्तदान, 22 थॉलसेमिया पीड़ित बच्चों का चेकअप किया गया एव सभी बच्चों को उपहार दिए गए एव थॉलसेमिया माइनर जांच शिविर में 26 लोगो ने अपना टेस्ट करवाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, मनीष यादव, भाजपा के पुर्व जिला अध्य्क्ष कमल माखीजानी, डबरा से पार्षद प्रवीण चंदानी समिति के संस्थापक निर्मल संतवानी, हरीश थोरानी, धीरज दिसेजा, योगेश अरोरा रहे। कार्यक्रम संयोजक अनिल पंजवानी, धीरज ढींगरा, लखी बत्रा, पुर्णिमा अग्रवाल, रवि लखवानी, शैलेन्द्र राजपाल, विजय जयसिंघानी, प. हरीश शर्मा, अमित मोतिहार, सचिन कुकरेजा, लखी बत्रा, महेंद्र यादव उपस्थित रहे। आभार किरण नागरानी जी ने व्यक्त किया।

विश्व नर्स दिवस पर महावीर इंटरनेशनल ने किया नर्सों का सम्मान, बांटी बेबी किट

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर।

विश्व नर्स दिवस के अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के कर्मठ वीरों द्वारा मंगलवार को शासकीय प्रसूति गृह लक्ष्मीगंज में सेवा और समर्पण का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नर्सो का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष राकेश शिवहरे एवं सचिव अमित ने अस्पताल में कार्यरत सभी नर्सो का माल्यार्पण कर बहुमान किया तथा उनकी निस्वार्थ सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि अस्पताल में मरीज के सबसे करीब यदि कोई रहता है तो वह नर्स ही होती है। दिन-रात, सर्दी-गर्मी और हर परिस्थिति में नर्से पूरी निष्ठा से मरीजों की सेवा करती हैं। सुदर्शन ने जब नर्सो से उनकी कठिन ड्यूटी और थकान के बारे में पूछा, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि जब मां और नवजात पूरी तरह स्वस्थ होकर अस्पताल से घर जाते हैं, तब उनकी सारी थकान दूर हो जाती है। नर्सो की इस संवेदनशील भावना ने सभी को भावुक कर दिया। कार्यक्रम के दौरान अरुण चोरड़िया ने जच्चा-बच्चा की उचित देखभाल, पौष्टिक खानपान एवं स्तनपान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं वीर संदीप सुराणा द्वारा करीब 25 बेबी किट वितरित की गई। किट की गुणवत्ता और स्वच्छता से प्रभावित होकर कई महिलाओं ने अपने नवजात शिशुओं को तुरंत कपड़े पहनाकर फोटो भी खिंचवाए। कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

विधायक प्रीमियर लीग 2026 में अतिथियों का स्वागत किया

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर।

जन उत्थान न्यास द्वारा एमएलबी मैदान पर रात्रि कालीन टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता विधायक प्रीमियर लीग 2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्य अतिथि वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश के जिला अध्यक्ष अजय गोयल, कमल गोयल कार्यकारी अध्यक्ष और मुकेश सांघी कोषाध्यक्ष विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। विधायक प्रीमियर लीग के संयोजक डॉक्टर राकेश अग्रवाल द्वारा सभी अतिथियों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया। अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर उन्हें शील्ड प्रदान की गई, तदोपरांत विधायक डॉक्टर सतीश सिकरवार द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

एमिटी विश्वविद्यालय ग्वालियर में गूंजा 'स्वच्छता संवाद'

युवा शति ही परिवर्तन का केंद्रः सांसद कुशवाह

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर।

एमिटी विश्वविद्यालय में 'स्वच्छता संवाद' कार्यक्रम का भव्य एवं प्रेरणादायक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को स्वच्छता, नागरिक जिम्मेदारी और डिजिटल सहभागिता के माध्यम से 'स्वच्छ ग्वालियर' अभियान से जोड़ना था। कार्यक्रम के दौरान पूरे सभागार में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल देखने को मिला।

एमिटी विश्वविद्यालय एवं नगर निगम के विशेष सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद भारत सिंह कुशवाह एवं विशिष्ट अतिथि निगमायुक्त संघ प्रिय, अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के साथ ही विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वीके शर्मा (एवीएसएम), कुलगुरु प्रो. (डॉ.) आरएस तोमर, प्रो वाइस चांसलर प्रो. डॉ एमपी कौशिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत समग्र स्वच्छता के संदेश और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर केंद्रित प्रेरणादायक संबोधनों से हुई। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी शहर की पहचान केवल उसकी ऐतिहासिक धरोहरों से नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता, नागरिक अनुशासन और जागरूक नागरिकों से होती है।

सांसद भारत सिंह कुशवाह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति किसी भी परिवर्तन की सबसे बड़ी ताकत होती है। यदि छात्र जागरूक होकर स्वच्छता अभियान से जुड़ें, तो ग्वालियर पूरे देश के लिए उदाहरण बन सकता है। उन्होंने युवाओं से अपने घर, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई को प्राथमिकता देने की अपील की।

निगमायुक्त संघ प्रिय ने कहा कि ग्वालियर को देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल करने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि यदि लोग छोटी-छोटी आदतों जैसे सड़क पर कचरा न फेंकना, प्लास्टिक का कम उपयोग, घरों में गीले और सूखे कचरे को अलग करना, सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना और दूसरों को भी जागरूक करना, में सुधार करें तो ग्वालियर तेजी से स्वच्छता की नई मिसाल बन सकता है। स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति का कर्तव्य है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सोशल मीडिया, कॉलेज गतिविधियों और अपने आसपास के लोगों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश फैलाएं और 'स्वच्छ ग्वालियर' को जन आंदोलन बनाएं।

कार्यक्रम के दौरान नगर निगम अधिकारियों ने स्वच्छ ग्वालियर ऐप की जानकारी भी साझा की, जिसे नागरिकों की सुविधा और त्वरित शिकायत समाधान के लिए तैयार किया गया है। ऐप की प्रमुख सुविधाओं में कचरा संग्रहण से जुड़ी शिकायत दर्ज करना, सड़क किनारे गंदगी या डंपिंग स्पॉट की जानकारी देना, खुले मैनहोल, गंदे नाले और सार्वजनिक शौचालयों की शिकायत, सफाई न होने या डस्टबिन साफ न किए जाने की सूचना, कचरा वाहन समय पर न आने की शिकायत, समस्या की फोटो अपलोड करने की सुविधा, लाइव लोकेशन शेयर कर सटीक स्थान बताना आदि शामिल हैं।

कुलगुरु प्रो. डॉ. आरएस तोमर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक बनना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपने शहर में निवेश के लिए बड़ी कंपनियां का आगमन तभी होगा जब शहर की स्वच्छता रैंकिंग सुधरेगी। कोई भी मल्टीनेशनल कंपनी स्वच्छ शहर में ही निवेश करना पसंद करती है। स्वच्छ ग्वालियर बनने से रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे और ब्रेन ड्रेन की समस्या का समाधान होगा। स्वच्छता को हमारी आदत और संस्कृति का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है।

प्रो-चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वीके शर्मा एवीएसएम ने अनुशासन और नागरिक जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र की पहचान है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित में सकारात्मक बदलाव का नेतृत्व करने का आह्वान किया।

प्रो. डॉ एमपी कौशिक ने स्वच्छता को खुशहाल जीवन की जरूरत बताया और कहा कि ग्वालियर वासी कचरा गाड़ी में ही कचरे को डाला करें यदि सड़क पर कचरा दिख जाए तो उसे डस्टबिन में डालें तभी हमारा शहर स्वच्छ शहर बनकर अच्छी रैंकिंग पा सकता है।

कार्यक्रम में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों, नगर निगम के अधिकारियों के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति सराहनीय रही।

ब्रीफ न्यूज

अमेरिका के सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या घटी

वाशिंगटन। अमेरिका में लगातार घट रही जन्म दर का असर अब सरकारी स्कूलों पर साफ दिखाई देने लगा है। देशभर के पब्लिक स्कूलों में छात्रों की संख्या तेजी से कम हो रही है, जिसके कारण कई स्कूलों को बंद करने की नौबत आ गई है। रिपोर्ट के अनुसार 2010 के बाद से किंडरगार्टन से 12वीं तक के छात्रों की संख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। महामारी के बाद यह संकट और गहरा गया। लॉस एंजिलिस, शिकागो और न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहरों में कई जिलों में छात्र संख्या 10 से 20 प्रतिशत तक कम हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि घटती जन्म दर, बढ़ता महंगाई खर्च और इमिग्रेशन नीतियां इसके प्रमुख कारण हैं। राष्ट्रीय शिक्षा सांख्यिकी केंद्र के अनुसार आने वाले वर्षों में भी यह गिरावट जारी रह सकती है, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा असर पड़ेगा।

न्यूजीलैंड में काम से ज्यादा परिवार को दी जाती है प्राथमिकता

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में रहने वाली एक भारतीय महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में महिला ने बताया कि न्यूजीलैंड में जॉब करने के बाद असली वर्क-लाइफ बैलेंस समझ आता है। वहां काम से ज्यादा परिवार को प्राथमिकता दी जाती है। इंस्टाग्राम पर ज्योति सहरावत नाम की महिला ने एक वीडियो शेयर किया। वह कहती हैं कि न्यूजीलैंड की सबसे अच्छी बात है। अगर यहां आपके पास नौकरी है, चाहे फुल टाइम हो या पार्ट टाइम, तो यहां काम शुरू करने के बाद आपको असली वर्क-लाइफ बैलेंस समझ आता है। क्योंकि यहां काम पहले नहीं, परिवार पहले आता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने बताया कि वहां कर्मचारियों पर तय समय से ज्यादा काम करने का दबाव नहीं बनाया जाता। अगर किसी डेडलाइन को पूरा करने में दिक्कत हो रही हो तो कर्मचारियों से विनम्र तरीके से पूछा जाता है कि उन्हें एक्सटेंशन चाहिए या मदद।

मात्र एक महिने में बने 'कालू पुटिक' के 36 लाख फॉलोअर्स

लंदन। आजकल इंस्टाग्राम पर 'कालू पुटिक' नाम का एक कंटेंट क्रिएटर तेजी से लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। उसकी लोकप्रियता ने बड़े-बड़े डिजिटल क्रिएटर्स को भी चौंका दिया है। उसने केवल 30 मार्च को अपना पहला वीडियो पोस्ट किया था। एक महीने के भीतर उसके फॉलोअर्स की संख्या 36 लाख से अधिक पहुंच गई है। कालू पुटिक की लोकप्रियता के पीछे उसका अनोखा और अलग अंदाज माना जा रहा है। जहां अधिकांश सोशल मीडिया क्रिएटर महंगे कैमरे, आकर्षक लोकेशन और हाईटेक सेटअप के जरिए वीडियो बनाते हैं, वहीं कालू पुटिक बेहद साधारण तरीके से अपना कंटेंट तैयार करता है। वह फटे-पुराने कपड़े पहनकर और कबाड़ में पड़ी बेकार चीजों का इस्तेमाल करके ऐसे वीडियो बनाता है, जो लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। उसकी सादगी और देसी अंदाज ही उसकी सबसे बड़ी पहचान बन गए हैं। उसके वीडियो में रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े छोटे-छोटे पलों को मजेदार और रचनात्मक तरीके से दिखाया जाता है।

हेती में विरोधी समूहों के बीच हुई गोलीबारी के बाद अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थलों पर जाते हुए लोग।

अब यूएई ने ईरान से लिया बदला, सीक्रेट अटैक में उड़ाए कई ठिकाने

एजेंसी ■ दुबई

ईरान और अमेरिका के बीच छिड़े युद्ध की आग ने खाड़ी क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सबसे अधिक प्रभावित देशों में से एक बनकर उभरा है। एक सनसनीखेज रिपोर्ट के अनुसार, यूएई ने ईरान के हमलों का बदला लेने के लिए बेहद गुप्त तरीके से एक बड़ा सैन्य अभियान चलाया है। हालिया खाड़ी संघर्ष के दौरान, यूएई ने ईरान के फारस की खाड़ी में स्थित रणनीतिक लवान द्वीप पर एक प्रमुख तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया। यह हमला अप्रैल की शुरुआत में ठीक उसी समय हुआ, जब पांच सप्ताह के हवाई अभियान के बाद युद्धविराम की घोषणा की गई थी। हालांकि यूएई ने सार्वजनिक रूप से इन हमलों को स्वीकार नहीं किया है, लेकिन रिपोर्टों का दावा है कि इस हमले से रिफाइनरी में भीषण आग लग गई, जिससे इसकी परिचालन क्षमता कई महीनों के लिए ठप हो गई है। यूएई की इस सैन्य रणनीति में आए आक्रामक बदलाव के पीछे ईरान की निरंतर उकसावे वाली कार्रवाई मानी जा रही है। युद्ध की शुरुआत में ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के बहाने दुबई और अबू धाबी जैसे प्रमुख शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। इन हमलों के कारण यूएई का पर्यटन, हवाई यातायात और संपत्ति क्षेत्र बुरी तरह चरमरा गया। आंकड़ों के अनुसार, यूएई की ओर से ईरान पर जवाब में 2800 से अधिक मिसाइल और ड्रोन दागे गए, जो किसी भी अन्य क्षेत्रीय देश की तुलना में कहीं अधिक हैं। ईरान ने इन गुप्त हमलों को दुश्मन की कायराना कार्रवाई करार देते हुए यूएई और कुवैत पर जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। वॉशिंगटन ने यूएई के इन साहसी कदमों पर कोई आपत्ति नहीं जताई है, बल्कि खाड़ी देशों द्वारा ईरान के खिलाफ मोर्चा खोलने का चुपचाप समर्थन किया है। व्हाइट हाउस ने इस पर प्रत्यक्ष टिप्पणी से बचते हुए केवल इतना कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्षेत्र में स्थिरता के लिए सभी विकल्प खुले रखे हैं। यूएई ने अपनी कार्रवाई केवल सैन्य हमलों तक सीमित नहीं रखी है, उसने दुबई में ईरान से जुड़े स्कूलों और क्लबों को बंद कर दिया है।

भड़के ट्रंप बोले अब शांति नहीं, हमले से ही निकलेगा समाधान

ईरान के अड़ियल रवैये पर गुस्सा हुए डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष को खत्म करने की उम्मीदें अब पूरी तरह धूमिल होती नजर आ रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बड़ा बयान देते हुए स्पष्ट किया कि ईरान के साथ पिछले एक महीने से चल रही युद्धविराम (सीजफायर) की कोशिशें अब अंतिम सांसें ले रही हैं। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस से देश को संबोधित करते हुए ट्रंप ने ईरान के जवाबी प्रस्ताव को पूरी तरह से अस्वीकार्य करार दिया और संकेत दिए कि यह शांति प्रक्रिया कभी भी समाप्त हो सकती है। उन्होंने कहा हमें लगता है कि अब हमले से ही समाधान निकल सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी भविष्य की रणनीति का खुलासा करते हुए कड़े लहजे में कहा कि उनका लक्ष्य बहुत सरल और स्पष्ट है–ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पास युद्ध समाप्त करने का सबसे बेहतरीन प्लान है, जो ईरान के पूर्ण निरस्त्रीकरण पर टिका है। ट्रंप ने अमेरिकी नौसेना द्वारा की गई ईरान की नाकेबंदी को आर्मी पावर करार देते हुए दावा किया कि ईरान सैन्य रूप से पूरी तरह परास्त हो चुका है और अब उसे अमेरिका की शर्तों पर झुकना ही होगा। दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका के इस रुख को आत्मसमर्पण की मांग बताया है। ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, तेहरान ने शांति के बदले कई कड़ी शर्तें रखी हैं, जिन्हें ट्रंप प्रशासन ने बकवास कहकर खारिज कर दिया है। ईरान की मांगों में युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर पूर्ण नियंत्रण, सभी आर्थिक प्रतिबंधों को तुरंत हटाना और जब्त की गई ईरानी संपत्ति व तेल की बिक्री पर लगी रोक को खत्म करना शामिल है। ईरान का कहना है कि वह सरेआम सरेंडर नहीं करेगा और अपनी संप्रभुता के साथ समझौता नहीं होने देगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर अपने विचार साझा करते हुए आरोप लगाया कि ईरान केवल समय बर्बाद करने की रणनीति अपना रहा है और समृद्ध यूरेनियम को नष्ट करने के अपने पुराने वादे से मुकर गया है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि ईरान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया, तो अमेरिका प्रोजेक्ट फ्रीडम जैसे बड़े सैन्य अभियान को फिर से शुरू कर सकता है। इसके अलावा, ट्रंप ने ईरानी शासन द्वारा अपने ही नागरिकों के खिलाफ की जा रही हिंसा की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने साफ किया कि जो शासन अपने लोगों पर जुल्म करता हो और परमाणु बम बनाने की फिराक में हो, उसके साथ कोई भी नरम समझौता संभव नहीं है। इस बयान के बाद खाड़ी क्षेत्र में युद्ध की आहट एक बार फिर तेज हो गई है।

परमाणु वार्ता पर संकट के बीच सैन्य कार्रवाई की आहट

ईरान के साथ जारी परमाणु वार्ता और युद्धविराम की शर्तों को लेकर हो रही देरी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के धैर्य की परीक्षा लेनी शुरू कर दी है। अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ सूत्रों के हवाले से खबर है कि ट्रंप अब ईरान के खिलाफ दोबारा बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू करने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। ट्रंप की इस नाराजगी का मुख्य कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का लगातार बंद रहना और ईरानी नेतृत्व के भीतर आपसी मतभेदों के कारण परमाणु समझौते पर किसी ठोस नतीजे तक न पहुंच पाना है। बताया जा रहा है कि ईरान द्वारा हाल ही में भेजे गए कूटनीतिक प्रस्ताव को ट्रंप ने पूरी तरह अस्वीकार्य और बेवकूफी भरा करार देते हुए सिरे से खारिज कर दिया है।

पाकिस्तान-बांग्लादेश के बीच होने जा रही डिफेंस डील

दोनों देश के पायलट साथ करेंगे ट्रेनिंग और तकनीकी सहयोग

एजेंसी ■ ढाका

दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जहाँ भारत के दो पड़ोसी देशों, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच रक्षा संबंधों में नजदीकी बढ़ने की खबरें सामने आई हैं। सोमवार को पाकिस्तानी वायुसेना (पीएएफ) का एक सात सदस्यीय उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचा है। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच वायुसेना पायलटों की ट्रेनिंग और तकनीकी सहयोग सहित कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर करना है। सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, यह दल बांग्लादेश वायुसेना (बीएएफ) के साथ पहली बार एयर स्टाफ टॉक्स आयोजित करेगा, जो दोनों देशों के सैन्य संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है।

इस बैठक के केंद्र में न केवल ट्रेनिंग प्रोग्राम हैं, बल्कि रक्षा उपकरणों की खरीद-बिक्री पर भी गंभीर चर्चा होने की संभावना है। विशेष रूप से जेएफ-17 थंडर फाइटर जेट्स को लेकर अटकलें तेज हैं। इस साल की शुरुआत में बांग्लादेशी एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान ने इन विमानों को खरीदने में रुचि दिखाई थी। गौरतलब है कि जेएफ-17 एक हल्का और सिंगल इंजन वाला लड़ाकू विमान है, जिसे चीन और पाकिस्तान ने मिलकर विकसित किया है। यदि यह डील परवान चढ़ती है, तो यह बांग्लादेश की रक्षा नीति में एक बड़ा रणनीतिक मोड़ साबित होगा। पिछले दो वर्षों में बांग्लादेश के राजनीतिक रुख में पाकिस्तान के प्रति नरमी देखी गई है। 1971 की कड़वाहटों को पीछे छोड़ते हुए दोनों देश रक्षा और कूटनीतिक स्तर पर करीब आ रहे हैं। 2024 में नेतृत्व परिवर्तन के बाद से ही पाकिस्तानी अधिकारियों की ढाका में सक्रियता बढ़ी है। हालांकि, वर्तमान सरकार ने बांग्लादेश फर्स्ट की नीति अपनाने और भारत के साथ संबंधों को संतुलित करने की बात कही है, लेकिन पाकिस्तानी वायुसेना के इस दौरे ने रक्षा विशेषज्ञों को सतर्क कर दिया है।

अब नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीयों को दिखाना होगा पहचान पत्र

सुरक्षा के चलते निगरानी मजबूत करना चाहती है बालेन सरकार

एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल ने भारत से आने वाले लोगों के लिए सीमा पर सुरक्षा जांच कड़ी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब जोगबनी सीमा चौकी से नेपाल में प्रवेश करने वाले भारतीय लोगों को पहचान पत्र दिखाना जरुरी होगा। इसका उद्देश्य अवैध घुसपैठ, आपराधिक गतिविधियों और संदिग्ध लोगों की आवाजाही पर रोक लगाना है। फिलहाल यह फैसला मोरंग जिला सुरक्षा समिति ने लिया है। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक यह कदम किसी कूटनीतिक विवाद के तहत नहीं बल्कि आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया है।

हालांकि दोनों देशों के बीच दशकों पुरानी ÷ओपन बॉर्डर÷ व्यवस्था जारी रहेगी। अब नेपाल जाने वाले भारतीय यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपने साथ

आधार कार्ड, पासपोर्ट, वोटर आईडी या अन्य वैध पहचान दस्तावेज जरूर रखें। भारत और नेपाल के बीच करीब 1850 किलोमीटर लंबी खुली सीमा है, जहां दोनों देशों के नागरिक बिना वीजा के यात्रा करते हैं। यही वजह है कि बड़ी संख्या में लोग रोजाना व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और पारिवारिक कारणों से सीमा पार करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हाल के वर्षों में सीमा पार तस्करी, अवैध गतिविधियों और सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए नेपाल निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करना चाहता है। नेपाल सरकार ने साफ किया है कि यह कदम भारत-नेपाल के ऐतिहासिक और करीबी संबंधों को प्रभावित करने के लिए नहीं, बल्कि सुरक्षा और रिकॉर्ड प्रबंधन बेहतर करने के लिए उठाया है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि नेपाल प्रशासन को आशंका है कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बदलाव के बाद अवैध घुसपैठिए नेपाल की ओर आने की कोशिश कर सकते हैं।

नेपाल के अधिकारियों ने कहा कि सीमा पर विशेष निगरानी खासकर ट्रेनों के आने के समय बढ़ाई गई है, क्योंकि एक साथ सैकड़ों लोग सीमा पार करते हैं। ऐसे समय यात्रियों के पहचान पत्र जांचने की व्यवस्था की है।

पाकिस्तान में एलपीजी टैंकर में विस्फोट से 35 लोग झुलसे, कई गंभीर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलोचिस्तान प्रांत के मस्तुंग इलाके में बड़ा हादसा हुआ। यहां पहले से ही गैस की किल्लत की वजह से लोग गुब्बारों में भर-भरकर गैस ले जा रहे हैं। इसी बीच यहां के एक कस्टम्स वेयरहाउस में लगी आग ने एलपीजी टैंकर को अपनी चपेट में ले लिया। टैंकर में हुए विस्फोट के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हादसे में कम से कम 35 लोग झुलस गए, जिनमें कई की हालत गंभीर है। रिपोर्ट के मुताबिक आग क्वेटा-करांची हाईवे पर स्थित लकपास इलाके के कस्टम्स परिसर में लगी थी। शुरुआती आग तेजी से फैलते हुए पार्किंग एरिया तक पहुंच गई, जहां कई ट्रक और अन्य वाहन खड़े थे। इसी दौरान एलपीजी से भरे एक टैंकर ने आग पकड़ ली और कुछ ही देर बाद उसमें जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और कई वाहन पूरी तरह जल गए।

जॉर्जिया में अल जॉर्जिया कैथेड्रल में एक समारोह में एक साथ नजर आ रहे अधिकारी और आध्यात्मिक नेता। इसमें ऑरथोडोक्स चर्च के नये प्रमुख शियो तृतीय भी शामिल हुए।

विश्लेषण | विद्रोही गुटों की कर रहा मदद

म्यामांर के दुर्लभ खनिज पर ड्रैगन की नजर, भारत टेंशन में

एजेंसी ■ नेपीडा

भारत का पड़ोसी देश म्यांमार में साल 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद से देश गृह युद्ध की चपेट में है। म्यांमार की सत्ता पर काबिज जुंटा सेना और विद्रोही समूहों के बीच झड़पें जारी हैं। इस उथल-पुथल के बीच चीन ने म्यामांर के दुर्लभ खनिज तत्वों पर अपनी नजर जमा रखी है। चीनी ना सिर्फ म्यांमार से खनिज निकाल रहा है बल्कि वहां विद्रोही गुटों को मदद देकर भारत की सीमा को अस्थिर कर रहा हैं। ऐसे में भारत की नजर म्यांमार और वहां चीनी गतिविधियों पर हैं। एक विश्लेषण के मुताबिक

उत्तरी म्यांमार के कचीन प्रांत की खदाने हैं। चीन ने इस संघर्ष-ग्रस्त सीमावर्ती इलाके को वैश्विक भूराजनीति के केंद्र में बदल दिया है। म्यांमार के जातीय सशस्त्र गुटों को आर्थिक निर्भरता के जरिए चीन ने अपने नियंत्रण में करते हुए भारत के लिए बॉर्डर पर उसकी मुश्किल को बढ़ा रखा है। म्यांमार की जमीन चीन के लिए भारी दुर्लभ खनिजों का मुख्य स्रोत बन गई है। चीन ने यहां से 2017 से 2024 के बीच 290,000 टन खनिजों का निर्यात किया, जिनकी कीमत 4.2 अरब अमेरिकी डॉलर है। इसका ज्यादातर हिस्सा 2021 के तख्तापलट के बाद निर्यात किया।

म्यांमार की सीमाओं पर मौजूद जातीय सशस्त्र संगठनों को चीन अपना हथियार बना रहा है। खासतौर से कचीन और शान प्रांतों में वह इन गुटों का इस्तेमाल कर रहा है। यहां के गुट भोजन, पेट्रोल और खनिजों की बिक्री से मिलने वाले पैसों के लिए चीनी सीमा से व्यापार पर निर्भर हैं।

म्यांमार में चीन का दबदबा रातों-रात नहीं बना। यह एक सोची-समझी, लंबी अवधि की रणनीति है, जिसके तहत उसने संघर्ष-प्रवण क्षेत्रों में अपना आर्थिक प्रभाव जमाया और उसे भू-राजनीतिक लाभ में बदल दिया, जबकि भारत का दृष्टिकोण ज़्यादातर धीरे-धीरे आगे बढ़ने वाला और प्रतिक्रियात्मक रहा है।

भारत और म्यांमार के बीच की 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा है, जो नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम तक फैली है। यह सीमा विद्रोहियों की गतिविधियों के प्रति संवेदनशील रही है। भारत ने सालों तक सीमा पर अस्थिरता को म्यांमार के सुरक्षा तंत्र के साथ आपसी तालमेल के जरिए नियंत्रित किया, जिससे सीमा पर सशस्त्र गतिविधियों को रोकने में मदद मिलती थी। म्यांमार के 2021 के तख्तापलट ने इस व्यवस्था को पूरी तरह खत्म कर दिया। इससे विद्रोही समूहों को सीमावर्ती इलाकों में अपनी गतिविधि बढ़ाने का मौका मिल गया। इस बदलती स्थिति ने भारत के सुरक्षा तंत्र के लिए एक दीर्घकालिक और कम तीव्रता वाली सुरक्षा चुनौती खड़ी कर दी है।

हिजबुल्लाह के ड्रोन हमलों से बचने इजराइल ने तैयार किए सैनिकों के पुतले

एजेंसी ■ तेल अवीव

हिजबुल्लाह के ड्रोन हमलों से बचने के लिए इजराइल ने सैनिकों के पुतले तैयार किए हैं। हिजबुल्लाह की तरफ से विस्फोटक ड्रोन के खतरे से निपटने के लिए आईडीएफ ने इस पुराने तरीकों का इस्तेमाल किया है। दूसरे विश्व युद्ध के समय भी ऐसे डमी टैंको से दुश्मन की सेना को धोखा दिया जाता था। हाल के दिनों में आईडीएफ सैनिकों द्वारा लेबनान के एक घर के अंदर ली गई एक तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड की गई। इस तस्वीर में एक गुड़िया दिखाई दे रही थी। यह तस्वीर लेबनान और समेत अरब के सोशल मीडिया नेटवर्क पर फैल गई। कई अकाउंट्स ने इसे उस इलाके में इजराइली मौजूदगी के सबूत के तौर पर शेयर किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक येरुसलम और अन्य रिपोर्ट्स में उल्लेख है कि हिजबुल्लाह के एफपीवी ड्रोन इजराइली सैनिकों और आयरन डोम जैसे सिस्टम पर हमले कर रहे हैं। मार्च 2026 में हिजबुल्लाह ने गोलान हाइट्स में इजराइली एयर डिफेंस आउटपोस्ट पर मल्टी-ड्रोन हमला किया था।

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।' थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 206 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं। फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं

के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई।

चिंतन शिविरः साझा दृष्टिकोण के जरिए भारत में खेलों के भविष्य को दिशा देना

▪ पुलेला गोपीचंद

दो चिंतन शिविरों का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त करने के बाद, मैं भरोसे के साथ कह सकता हूँ कि यह आज भारतीय खेल जगत की सबसे सामयिक और असरदार पहलों में से एक है। हम अपने राष्ट्र की खेल यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, एक ऐसा मोड़ जहाँ इरादा, निवेश और प्रेरणा अभूतपूर्व रूप से एक साथ मिल रहे हैं।

पिछले एक दशक में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत में खेल हाशिये से मुख्यधारा में आ गया है। इसके महत्व के प्रति भी साफ तौर पर राष्ट्रीय जागरूकता देखी जा सकती है, न केवल एक प्रतिस्पर्धी गतिविधि के रूप में, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव के साधन के रूप में भी। आज, हम एक विशाल और विविध तंत्र देख रहे हैं, जहां राज्य सरकारें, गैर-सरकारी संगठन, निगम, संघ और ज़मीनी स्तर के संस्थान सभी मिलकर खेलों के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

चिंतन शिविर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाता है। खेल अपने आप में कई क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है, जिनमें विनिर्माण, मनोरंजन, फिटनेस, मीडिया और शिक्षा शामिल हैं। यह शिविर इन सभी क्षेत्रों को एक साथ लाने में मदद करता है, जिससे एक साझा दृष्टिकोण बनता है, जो दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद ज़रुरी है। यह देश के सामूहिक दृष्टिकोण को सामने लाता है और साथ ही विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करता है, जिससे अनुकरण और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलता है।

चिंतन शिविर महज एक सम्मेलन से कहीं बढ़कर, एक शिक्षण तंत्र है। यह इसमें शामिल होने वाले लोगों को विचारों का आदान-प्रदान करने, चुनौतियों को समझने और मिलकर समाधान विकसित करने का अवसर देता है। यह एक शक्तिशाली प्रेरक के रूप में भी काम करता है, सफलता की तमाम कहानियों को सामने लाता है और इस विचार को और पुख्ता करता है कि भारत में खेल महज़ विशिष्ट पदकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भागीदारी, समावेशिता और राष्ट्र निर्माण भी शामिल है।

फिट इंडिया मूवमेंट जैसी पहल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन और साइक्लिंग प्रतियोगिताओं जैसी सामुदायिक गतिविधियों ने खेल के प्रति हमारे नज़रिए को नया रूप दिया है। आज के वक्त में जोर सभी के लिए खेल के साथ-साथ, उच्चतम स्तर पर उत्कृष्टता पर है। पदक जीतने की आकांक्षाएं और व्यापक भागीदारी अब अलग-अलग मुद्दे नहीं हैं, बल्कि वे एक ही प्रक्रिया का हिस्सा हैं।

श्रीनगर में शिविर का आयोजन करने से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। इस शहर की शांत सुंदरता न केवल खेलों की विचारधारा के लिए एक मनोरम पृष्ठभूमि प्रदान करती है, बल्कि शांत चिंतन का भाव भी देती है, जो सार्थक संवाद के लिए बेहद ज़रुरी है। इस चिंतन शिविर का एक अहम केंद्र बिंदु श्रीनगर खेल संकल्प को अपनाना था। यह संकल्प महज़ एक आशय का दस्तावेज नहीं,बल्कि यह एक एकीकृत ढांचा है, जो भारतीय खेल जगत के सभी हितधारकों की आकांक्षाओं को एक साथ बांधता है। साझा लक्ष्यों, प्राथमिकताओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करके, यह एक ऐसा रोडमैप तैयार करता है, जो विखंडन के बजाय सहयोग को प्रोत्साहित करता है।

श्रीनगर खेल संकल्प की असली ताकत विभिन्न भागीदारों–सरकारों, संघों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाजको एक मंच पर लाने की क्षमता में निहित है। यह इस विचारधारा को और पुख्ता करता है कि भारत के खेल जगत का उत्थान अलग-थलग प्रयासों से नहीं हो सकता। इसके बजाय, इसे एक समन्वित, सहयोगात्मक दृष्टिकोण से संचालित किया जाना चाहिए, जहां संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता को एक साथ लाया जाए।

भारत को 2036 तक ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में शामिल होने की अपनी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए यह समन्वय बेहद महत्वपूर्ण है। विश्व स्तरीय एथलीट तैयार करने के लिए न केवल प्रतिभा की ज़रुरत होती है, बल्कि एक सुचारू तंत्र की भी आवश्यकता होती है, जिसमें जमीनी स्तर पर पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचा, उत्कृष्ट कोचिंग, प्रतिस्पर्धा का अनुभव और निरंतर वित्तीय एवं संस्थागत समर्थन शामिल हैं। संकल्प वही रणनीतिक कड़ी है, जो इन सभी तत्वों को एक सुसंगत प्रणाली में जोड़ सकता है।

इन वार्ताओं से जो बात सबसे अधिक उभरकर सामने आई है, वह है इस व्यवस्था में मौजूद आशावाद। सभी का यह मानना है कि भारत का खेल भविष्य उवल है और सहयोग से हम एक सशक्त, समावेशी और उच्च प्रदर्शन वाली खेल संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं।

चिंतन शिविर कई मायनों में एक अनूठा प्रयोग है, लेकिन यह पहले से ही सफल साबित हो रहा है। यह संवाद, समन्वय और आपसी समझ के महत्व को दर्शाता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश के लिए, ऐसे मंच न केवल लाभकारी हैं, बल्कि आवश्यक भी हैं। अगर हम वैश्विक खेल मंच पर अपनी महत्वाकांक्षाओं को सही मायने में साकार करना चाहते हैं, तो इन संवादों का जारी रहना और इन्हें सामूहिक कार्रवाई से मदद मिलना भी ज़रुरी है। श्रीनगर खेल संकल्प हमें वह दिशा प्रदान करता है। चिंतन शिविर हमें वह मंच प्रदान करता है। ये दोनों मिलकर भारत को अपनी खेल संबंधी आकांक्षाओं को स्थायी ओलंपिक सफलता में बदलने के लिए एक सशक्त आधार प्रदान करते हैं।

(लेखक भारतीय राष्ट्रीय बैडमिंटन टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच हैं)

नाज़ुक वक्त में गौर तलब है पीएम की सलाह

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हैदराबाद के संबोधन में देशवासियों को ऊर्जा संकट के इस दौर में ऊर्जा सुरक्षा संयमित उपयोग कर कर्तव्य बोध के प्रति जागरूक किया है। पीएम की इस सात सूत्री अपील में न सिर्फ आम जन के बीच संकट की हालत में मनोबल और विश्वास बने रहने की प्रेरणा है साथ ही संकट से निपटने का मूलमंत्र भी है। सरकार वैश्विक संकट के इस दौर में नागरिकों के लिए सुरक्षा कवच बनकर डटी रही आयातित तेल पर भारी दाम वृद्धि को सरकार ने 24 से 30 रूपये प्रति लीटर भार वहन किया है पैट्रोल पर उत्पाद शुल्क 13 रूपये से घटित कर तीन रूपये लीटर कर दिया जबकि डीजल पर उत्पाद शुल्क खत्म कर दिया है। आपको पता है कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के अवरुद्ध होने से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट से निपटने में

भारत सरकार का कुशल प्रबंधन दुनिया के प्रभावित देशों के लिए एक मिसाल बन गया है लेकिन मौजूदा समय में अमेरिका और इजराइल-ईरान के बीच जो हालात बने हैं उनसे ऐसा प्रतीत होता है कि फिलहाल होर्मुज स्ट्रेट मार्ग निर्बाध खुलने की संभावना नहीं है। जिसके चलते सरकार को उर्जा संकट से निपटने के लिए मौजूदा संसाधनों की समीक्षा और उर्जा जरूरतों के प्रबंधन की दीर्घकालिक नीति बनानी पड़ रही है पूर्व तक यह अनुमान था कि होरमुज मार्ग का विवाद जल्द सुलझ जाएगा और स्थिति पूर्ववत सामान्य हो जाएगी लेकिन अब ऐसा नहीं है। आपको बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए सबसे महत्वपूर्ण संकीर्ण मार्ग है, जिससे भारत अपनी 90 फ़ीसदी से अधिक एलपीजी और लगभग 40 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। ऐसी विषम परिस्थितियों में, जब दुनिया भर में ईंधन की भारी कमी और कीमतों में आग लगने का अंदेशा था, भारत सरकार ने दूरदर्शिता, कूटनीतिक कुशलता और त्वरित रणनीतिक निर्णयों से देश में ऊर्जा की सुव्यवस्था बनाए रखी बल्कि आम जनता पर बढ़ी कीमतों का भार भी नहीं बढने दिया। संकट का संकेत मिलते ही भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के विजन को क्रियान्वित करते हुए न केवल वैकल्पिक स्रोत तलाशे बल्कि घरेलू संसाधनों को भी मजबूत किया। भारत सरकार के कुशल प्रबंधन और कूटनीतिक संबंधों की बदौलत देश ने उस समय भी डीजल पेट्रोल और एलपीजी की कोई दिक्कत नहीं होने दी जब की देशों में बेहद परेशानी और किल्लत खड़ी हो गई थी स्पेन मिस्त्र श्रीलंका दक्षिण कोरिया फिलीपींस जापान पाकिस्तान बांग्लादेश आदि में वहां की सरकारों ने ईंधन राशनिंग, वर्क फ्रॉम होम, फ्यूल पास, स्कूल बंद जैसे अनेक प्रतिबंध भरे कदम उठाए लेकिन भारत सरकार की सूझ-बूझ और प्लानिंग के चलते ईंधन राशनिंग नहीं हुई, स्कूल बसों, वाहनों व परिवहन यातायात की गाड़ियों को मांग के अनुरूप फ्यूल मिलते रहने से कोई स्कूल बंदी नहीं हुई और न ही कोई दफ्तर बन्द करने पड़े। तमाम दफ्तर सामान्य तौर पर कार्यरत रहे जिससे कोई वर्क-फ्रॉम-होम निर्देश पारित करने की नौबत नहीं आने पायी। देश भर में खुदरा ईंधन की स्थिर आपूर्ति बनाये रखी गयी।यह सब त्वरित सरकारी हस्तक्षेप से संभव हो पाया है। एलपीजी और घरेलू आपूर्ति संरक्षण व्यवधान के 8 दिनों के भीतर सरकार ने एलपीजी नियंत्रण आदेश जारी किया रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने का निर्देश दिया गया। घरेलू एलपीजी उत्पादन को 36,000 टन प्रति दिन से बढ़ाकर 54,000 टन प्रतिदिन कर दिया गया जो लगभग 50 फीसद की वृद्धि है। 9 दिनों के भीतर प्राकृतिक गैस आपूर्ति विनियमन आदेश जारी किया गया। पीएनजी घरेलू उपभोक्ताओं और सीएनजी सार्वजनिक परिवहन को 100 फीसद आवंटन के साथ संरक्षित किया गया।

मनोज कुमार अग्रवाल

सरकार द्वारा सार्वजनिक आपूर्ति बनाए रखने के लिए औद्योगिक आवंटन को भी सुचारू और युक्तिसंगत बनाए रखा। भारत सरकार द्वारा रूस, संयुक्त राज्य अमरीका, पश्चिम बंगाल, अफ्रीका, अटलांटिक बेसिन से त्वरित संपर्क स्थापित कर ईंधन आपूर्ति की व्यवस्था की गयी। भारत में एलपीजी की मांग लगभग 90,000 टन की प्रतिदिन की है जिसे वैकल्पिक ईंधन के इस्तेमाल के माध्यम से 70 से 75000 टन प्रतिदिन कर दिया गया है। भारत में घरेलू उत्पादन बढ़कर 54000 टन प्रतिदिन होने से शेष आयात की आवश्यकता घटकर 20,000 टन प्रतिदिन की रह गयी है। सरकार द्वारा आठ लाख टन कार्गो पहले ही सुरिक्षत किये जा चुके हैं जिससे आज हमारे पास चालीस दिनों का अग्रिम भंडार उपलब्ध है।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती घरेलू रसोई गैस की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना था। इस कठिन समय में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा की गई पहल के तहत, सरकार ने पनामा नहर जैसे वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करते हुए अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया और पश्चिम अफ्रीका से तेल और गैस आयात के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए। इसके साथ ही, सरकार ने देश के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का बुद्धिमानी से उपयोग किया, जो भारत को अल्पावधि के लिए वैश्विक आपूर्ति झटकों से बचाते हैं। सरकार के इस कदम ने न केवल बाजार को स्थिरता प्रदान की, बल्कि ईंधन की कीमतों में अत्यधिक उछाल को रोकने में भी मदद की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने पश्चिम एशियाई देशों, विशेषकर सऊदी अरब, यूएई और ईरान के साथ निरंतर कूटनीतिक संवाद बनाए रखा इस के चलते होर्मुज संकट के बावजूद भारतीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही बनी रहे।

क्या हम आर्थिक आपातकाल की दहलीज पर हैं?

दिलीप कुमार पाठक

पीएम मोदी ने हैदराबाद के मंच से देशवासियों के सामने सात अपीलें रखीं, जो केवल राजनीतिक भाषण नहीं था, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के बदलते मिजाज का एक बड़ा संकेत था। मोदी का यह कहना कि एक साल तक सोना खरीदने से बचें, विदेशी यात्राएं टालें और पेट्रोल-डीजल की खपत कम करें, सुनने में तो नागरिकों से किया गया एक साधारण अनुरोध लगता है, लेकिन इसके पीछे छिपे आर्थिक अर्थ बेहद गहरे और गंभीर हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का यह कहना कि ये अपीलें सरकार की नाकामियों का सबसे बड़ा कबूलनामा हैं, राहुल का यह कहना कोई छोटी बात नहीं है। क्या वाकई भारत किसी बड़े आर्थिक भंवर की ओर बढ़ रहा है या फिर यह आने वाले किसी वैश्विक तूफान से पहले की महज एक सावधानी है। पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों को 120 डॉलर प्रति बैरल के पार हैं। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 से 90 प्रतिशत तेल आयात करता है, और जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है, तो उसका सीधा असर हमारी जेब और देश के खजाने पर पड़ता है। अगर आंकड़ों की बात करें, तो मई 2026 की शुरुआत तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 690 अरब डॉलर के स्तर पर आ गया है। यह गिरावट इसलिए चिंता पैदा करती है क्योंकि महज तीन महीने पहले हम 728 अरब डॉलर पर थे। दूसरी ओर, डॉलर के मुकाबले रुपया 95 के करीब पहुंच चुका है, जिसका मतलब है कि हर वह चीज जो हम बाहर से मंगाते हैं, सब कुछ महंगा हो गया है। इसी संदर्भ में राहुल गांधी का यह तर्क वाज़िब है कि 12 साल के लंबे शासन और आत्मनिर्भर भारत के ढोल पीटने के बावजूद, हम आज भी इतने कमजोर क्यों हैं कि एक बाहरी युद्ध की आहट मात्र से हमें अपनी जीवनशैली बदलने की सलाह दी जा रही है?

विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने पिछले दशक में बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर उस स्तर पर काम नहीं किया कि हम ऐसे वैश्विक झटकों को मजबूती से सह सकें। जब सरकार जनता से कहती है कि वे सोना न खरीदें या अपनी गाड़ियां कम चलाएं, तो वह असल में अपनी आर्थिक नीतियों की विफलता का बोझ आम आदमी के कंधों पर डाल रही होती है। यह तर्क भी अपनी जगह सही है कि महंगाई को नियंत्रित करना और रुपये को संभालना पूरी तरह सरकार की जिम्मेदारी है, न कि नागरिकों की मजबूरी। एक आम करदाता यह पूछने का हक रखता है कि भारी-भरकम टैक्स देने के बाद भी उसे संकट के समय त्याग करने को क्यों कहा जाता है? हालाँकि नजरअंदाज करना बेमानी होगा। दुनिया के आर्थिक इतिहास को देखें तो समझ आता है कि किसी भी बड़े संकट की घड़ी में केवल सरकारी नीतियां पर्याप्त नहीं होतीं, वहां जन-भागीदारी की भी उतनी ही जरूरत पड़ती है। सरकार का तर्क यहां व्यावहारिक नजर आता है। भारत में सोना और कच्चा तेल दो ऐसी चीजें हैं, जो हमारे कीमती विदेशी मुद्रा यानी डॉलर को सबसे ज्यादा देश से बाहर भेजते हैं। अगर देश समाज एक साल के लिए सोने का मोह त्याग दे और तेल की खपत में थोड़ी भी कमी लाए, तो देश अरबों डॉलर बचा सकता है। यह बचत सीधे तौर पर रुपये को गिरने से रोकेगी। हमने अपने पड़ोसी श्रीलंका और पाकिस्तान को विदेशी मुद्रा की कमी के कारण सड़क पर आते देखा है।

फीचर

वजन घटाने सुपर फूड्स का इस्तेमाल करें

आजकल वजन घटाने सुपर फूड्स को बेहतर विकल्प माना जा रहा है। इस कारण यह पसंद किये जाने लगे हैं।

कई सुपर फूड्स ने धीरेधीरे किचन में जगह बना ली है। जाहिर सी बात है कि किचन के जरिए ये हमारे पेट में भी पहुंच रहे हैं। क्विनोआ के अलावा, चिया सीड्स, फ्लैक्स सीड्स, वॉटरमेलन सीड्स, चगा मशरूम, नट ऑयल, मका, ल्यूकूमा, हेम्प सीड्स आदि। हममें से कुछ लोग इन सुपर फूड्स से परिचित हैं तो कुछ को इनके बारे में कुछ भी पता नहीं। फ्लैक्स सीड्स दादी-नानी के जमाने के अलसी के बीज हैं, जिन्हें अपने यहां के कुछ राज्यों में तिसी भी कहा जाता है। कुछ आयरन के बेहतरीन स्रोत हैं तो कुछ विटामिन और प्रोटीन के। इस आधे बीत चुके साल में इंटरनेट फ्रेंडली हो चुकी जनता अपने खानपान की आदतों को लेकर भी एडवेंचरस है। चिया के बीज भी पॉपुलर सुपर फूड्स की श्रेणी में शामिल हैं। वैसे तो ये स्वाद रहित होते हैं लेकिन जब इन्हें सही ढंग से पकाया जाता है तो ये आसानी से पच जाते हैं। एनर्जी बूस्टिंग पाउडर के तौर पर ये कमाल के हैं। हालिया शोध तो चिया के बीजों को टाइप 2 डायबिटीज खत्म करने के लिए कारगर मानते हैं। चिया मेक्सिको से आते हैं, जिसका अर्थ ताकत से है। चिया को रनर्स फूड भी कहा जाता है क्योंकि लंबी दौड़ में चिया का इस्तेमाल ऊर्जा स्रोत के तौर पर किया जाता है। कहा जाता है कि केवल एक चम्मच चिया उन्हें 24 घंटे तक ऊर्जावान बनाए रखने में कारगर है। एंटीऑक्सिडेंट, एंटी सन्फ्लेमेट्री, एंटी कैंसर गुण होने के कारण चिया के सेवन का प्रचलन अपने देश में भी बढ़ता जा रहा है। यह एक कंम्प्लीट प्रोटीन भी है क्योंकि इसमें नौ जरूरी अमिनो एसिड हैं। स्वस्थ पाचन तंत्र के लिए आवश्यक 20 फीसद सॉल्युबल फाइबर और 80 फीसद इनसॉल्युबल फाइबर भी इसमें हैं।

प्रेरणा

श्रम रहित परिश्रम

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा- एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है? उन्होंने कीड़े से पूछा- ऐ क्षुद्र जंतु! तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़ा बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन? क्या इनकी सही-सही परिभाषा संभव है? महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया- अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा- अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है।

कीडे के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले- पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि! मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा- चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा- किस तरह की सहायता? महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा- धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। मुझे स्वयं ही संघर्ष करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

अपनी बात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती ने चीतों को अंगीकृत कर अपने परिवार का हिस्सा बनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लगभग साढ़े तीन वर्ष पूर्व कूनो में चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई थी। भारत में चीता पुन:स्थापना की यह परियोजना सफलता के साथ आगे बढ़ रही है। चीता पुनर्विस्थापन के इस महत्वपूर्ण कार्य में मध्य प्रदेश नित नए कीर्तिमान रच रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन की आस्था को तोड़ने का प्रयास करने वाले विदेशी आक्रांता इतिहास से मिट गए। उन्होंने कहा कि मंदिरों, मठों और तीर्थ स्थलों को नष्ट करने का प्रयास करने वाले लोग खुद मिट्टी में मिल गए, जबकि सनातन की परंपरा और आस्था आज भी पहले से अधिक मजबूती के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में केवल भारत ऐसा देश है जिसने सदियों तक विदेशी आक्रांताओं का सामना किया और हर परिस्थिति में अपनी संस्कृति और आस्था की रक्षा की।

ब्रीफ न्यूज

वकील को मिली जान से मारने की धमकी, गौतस्करों की जमानत कराने पर भड़का दादा

गुना। शहर के कैंट थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ एक अधिवक्ता को गौतस्करों की जमानत कराना भारी पड़ गया। खुद को गौसेवक बताने वाले एक युवक ने न केवल वकील और पूरे अधिवक्ता समुदाय के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की, बल्कि फोन पर जान से मारने की धमकी भी दे डाली। त्रिमूर्ति कॉलोनी निवासी अधिवक्ता आकाश शर्मा ने पुलिस को शिकायती आवेदन देकर बताया कि उन्होंने हाल ही में जिला न्यायालय से गौ-वंश हत्या के आरोपी इरशाद कुरैशी और उसके साथियों की जमानत कराई थी। इसी बात से नाराज होकर मोनू ओझा नामक व्यक्ति ने अपनी फेसबुक आईडी पर वकील और उनके परिवार के खिलाफ बेहद अशोभनीय और अभद्र टिप्पणियां पोस्ट कर दीं। आरोप है कि जब अधिवक्ता ने फोन कर पोस्ट का विरोध किया, तो मोनू ओझा ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने रौब झाड़ते हुए कहा कि उस पर पहले से 8 केस चल रहे हैं और उसकी पकड़ भोपाल तक है, इसलिए गुना पुलिस उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। उसने वकील को चेतावनी दी कि अगर कहीं मिल गए तो वह उन्हें वकालत करना भुला देगा। फिलहाल, कैंट पुलिस ने आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना से स्थानीय वकीलों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

गणेश मंदिर में पूजा को लेकर विवाद, महिला ने संत पर पाइप से किया हमला

गुना। जिले के आरोन थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक मंदिर में पूजा-अर्चना को लेकर चल रहे पुराने विवाद में एक महिला द्वारा संत के साथ मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना गत सुबह करीब 11 बजे की है, जब सनकादिक आश्रम के संत बलराम दास त्यागी वार्ड नंबर 03 स्थित गणेश मंदिर में सफाई के बाद विश्राम कर रहे थे। फरियादी संत बलराम दास ने पुलिस को बताया कि वह नियमित रूप से इस मंदिर में पूजा करने जाते हैं। सोमवार को जब वे मंदिर में थे, तभी बल्लू उर्फ बालकृष्ण ब्राह्मण की पत्नी रेखा बाई वहां पहुंची और मंदिर पर अपना हक जताते हुए उन्हें अश्लील गालियां देने लगी। विरोध करने पर महिला ने हाथ में लिए पाइप से उन पर हमला कर दिया, जिससे संत के दाहिने पैर के घुटने और बाएं पैर की जांघ में गंभीर मूंदी चोटें आई हैं। घटना के समय पास में रहने वाले अजय परिहार ने बीच-बचाव देखा। हमले के बाद पीड़ित संत अपने गुरु निवास स्थान पहुंचे और अन्य गुरु भाइयों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद शिष्यों के साथ थाने पहुंचकर उन्होंने आरोपी महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित की मौखिक रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शांतिपूर्ण मतदान के साथ पेटी में बंद हुआ प्रत्याशियों का भविष्य

स्टेट बार काउंसिल चुनाव, गुना में वकीलों ने दिखाया उत्साह

सत्ता सुधार ■ गुना

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद (स्टेट बार काउंसिल) के 25 सदस्यीय संचालक मंडल के चुनाव के लिए मंगलवार को गुना जिले में मतदान की प्रक्रिया बेहद उत्साहजनक और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। सुबह 10 बजे से शुरू हुआ मतदान शाम 5 बजे तक चली। जिसमें जिले भर के अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी विशेष न्यायाधीश गुना आरके जैन ने बताया है कि जिला मुख्यालय गुना में 12 मतदान बूथ बनाए गए, मतदाताओं के लिए शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई, आकस्मिक स्थिति हेतु चिकित्सा दल भी गठित किया गया। गुना मुख्यालय पर मतदाताओं की संख्या 718, तहसील आरोन में मतदाताओं की संख्या 52, तहसील चांचौडा में मतदाताओं की संख्या 71 और तहसील राघौगढ़ में मतदाताओं की संख्या 90 थी, जिनमें से गुना मुख्यालय पर 504, तहसील आरोन में 40, तहसील चांचौडा में 58 और तहसील राघौगढ़ में 70 मतदाता अधिवक्ताओं ने मतदान किया। इस प्रकार गुना में करीब 70 प्रतिशत, आरोन में 77 प्रतिशत, चांचौडा में 82 प्रतिशत तथा राघौगढ़ में करीब 78 प्रतिशत मतदान रहा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर.के. जैन ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गुना अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन में चुनाव प्रक्रिया निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण रही।

मतदान प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होकर सांय 5 बजे तक चला। चुनाव प्रक्रिया के निर्विघ्न रूप से संपादन में पुलिस प्रशासन स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका प्रशासन, विद्युत विभाग सहित न्यायालयीन कर्मचारियों का भी पूरा सहयोग रहा। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के सदस्यों के मतदान हेतु डालचंद द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड गुना को निर्वाचन अधिकारी जिला मुख्यालय गुना, बुदे सिंह सोलंकी, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड, आरोन को निर्वाचन अधिकारी तहसील आरोन, संजीव पिपलादिया, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड राघौगढ़ को निर्वाचन अधिकारी तहसील राघौगढ, संदीप कुमार पाटिल, जिला न्यायाधीश चांचौडा के अतिरिक्त न्यायाधीश को निर्वाचन अधिकारी तहसील चांचौडा नियुक्त किया गया था।

शानदार रही व्यवस्थाएं, शूटर कक्ष में बना केंद्रः गुना जिला न्यायालय परिसर में मतदान के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। शूटर कक्ष के प्रथम तल पर मतदान केंद्र स्थापित किया गया था, जहाँ निर्वाचन प्रक्रिया को गति देने के लिए एक साथ 12 मतदान प्रकोष्ठ (बूथ) बनाए गए थे।

23 सीटों के लिए 122 उम्मीदवार मैदान में

गौरतलब है कि राज्य अधिवक्ता परिषद के कुल 25 पदों में से 23 निर्वाचित पदों के लिए यह मतदान प्रक्रिया आयोजित की गई है, जबकि शेष 2 पद मनोनयन के माध्यम से भरे जाते हैं। इन पदों के लिए पूरे प्रदेश से 122 दिग्गज उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। दिलचस्प बात यह रही कि इस बार गुना से कोई भी स्थानीय उम्मीदवार चुनावी मैदान में नहीं था, लेकिन इसके बावजूद स्थानीय वकीलों में चुनाव को लेकर भारी उत्साह नजर आया। अब इन मतपेटियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा जाएगा, जहाँ मतगणना के बाद प्रदेश के अधिवक्ताओं के नए नेतृत्व का फैसला होगा।

नानाखेड़ी मंडी रोड पर थोक सब्जी विक्रेताओं का कब्जा, घंटों लगे जाम में फंसी रहीं दो एम्बुलेंस

मरीजों और स्कूली बच्चों की जान पर बनी

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर की नानाखेड़ी मंडी गेट से ऊमरी रोड की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों आमजन के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। थोक सब्जी विक्रेताओं द्वारा सड़क पर किए गए जबरदस्त अतिक्रमण और अव्यवस्थित संचालन ने इस मार्ग को बेहद खतरनाक बना दिया है। मंगलवार को यहां हालात उस समय और भी गंभीर हो गए, जब थोक व्यापारियों और अवैध पार्किंग के कारण लगे भीषण जाम में दो एम्बुलेंस घंटों फंसी रहीं। जीवन और मौत से जूझ रहे मरीजों को ले जा रहे इन वाहनों को रास्ता देने के लिए न तो वहां कोई यातायात कर्मी मौजूद था और न ही प्रशासन का कोई जिम्मेदार।

सड़क पर ही मंडी लगा रहे थोक सब्जी विक्रेता

थोक सब्जी मंडी के लिए विशाल प्रांगण उपलब्ध होने के बावजूद, मंडी का पूरा कामकाज नानाखेड़ी-ऊमरी रोड के मुख्य मार्ग पर संचालित हो रहा है। थोक सब्जी विक्रेताओं द्वारा फल-सब्जी के बड़े ट्रकों से लेकर प्याज से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को सड़क के बीचों-बीच बेतरतीब ढंग से खड़ा कर दिया जाता है।

इस अतिक्रमण के कारण सड़क की चौड़ाई नाममात्र की रह गई है, जिससे यहां सुबह से ही जाम लगना रोजमर्रा की बात हो गई है। आलम यह है कि सड़क पर आढ़त करने वाले थोक विक्रेताओं या बेतरतीब वाहन खड़ा करने वालों को टोकना सीधे विवाद को न्यौता देना है, जिससे आम राहगीर यहां से गुजरने में खौफ महसूस करते हैं।

स्कूली बच्चों और मरीजों के लिए आफत बना मार्गः यह मार्ग यातायात के दबाव के लिहाज से बेहद संवेदनशील है, क्योंकि मंडी के लिए सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉलियां यहीं से गुजरती हैं। वहीं दूसरी ओर, स्कूली बच्चे भी इसी मार्ग से पैदल गुजरने को मजबूर होते हैं, जो सुरक्षा के लिहाज से काफी जोखिम भरा है। मंगलवार को लगे जाम के कारण दो एम्बुलेंस भी इस चक्रव्यूह में फंसी रहीं। घंटों तक सायरन बजने के बावजूद अतिक्रमणकारियों ने वाहनों को हटाने की जहमत नहीं उठाई। प्रशासन और यातायात पुलिस की अनुपस्थिति ने स्थिति को और भी भयावह बना दिया।

प्रशासनिक अनदेखी से बढ़ा खतरा

स्थानीय लोगों का आरोप है कि थोक सब्जी मंडी के सड़क पर अतिक्रमण का यह खेल लंबे समय से चल रहा है, लेकिन प्रशासन का एक भी जिम्मेदार अधिकारी यहां व्यवस्था बनाने नहीं पहुंचता। लंबे समय से यहां से थोक सब्जी फल मंडी स्थानांतरित करने की मांग उठ रही है लेकिन कागजी कार्रवाई धरातल पर नहीं उतर रही। थोक सब्जी विक्रेताओं के इस अतिक्रमण ने न केवल यातायात को बाधित किया है, बल्कि आपातकालीन सेवाओं के लिए भी रास्ता बंद कर दिया है।

श्रीराम कथा में उमड़ा आस्था का महासागर, नपाध्यक्ष ने कन्या विवाह हेतु की बड़ी घोषणा

सत्ता सुधार ■ गुना

शिक्षा विभाग परिसर के पीछे स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर में जारी भव्य श्रीराम कथा के आठवें दिन श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर नपाध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने विशेष रूप से शिरकत की।

उन्होंने व्यास पीठ पर विराजमान साध्वी प्रियंका भारती का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और उनसे आशीर्वाद लिया। नपाध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता ने भक्ति और सेवा का अनुपम उदाहरण पेश करते हुए आयोजन समिति को 51,000 रुपये की नकद राशि भेंट की। इसके साथ ही, समिति के आयोजकों की मांग पर उन्होंने तत्काल मंच से मंच से ही टेबल पंखे उपलब्ध कराने और भंडारे के लिए आवश्यकतानुसार तेल के समस्त पीपे प्रदान करने की घोषणा की। कार्यक्रम के अंत में नपाध्यक्ष द्वारा भव्य महाआरती की गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

साध्वी प्रियंका भारती ने अपने दिव्य संदेश में सुग्रीव मित्रता, बाली वध और मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्शों का मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान राम का जीवन त्याग और सत्य का संदेश देता है। गौरतलब है कि कथा के समापन अवसर पर 14 मई को निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह संपन्न होगा, जिसमें अनेक भक्तजनों और संस्थाओं द्वारा दान व सामग्री भेंट की जा रही है। मनकामेश्वर समिति ने समस्त शहरवासियों से शेष दो दिनों की कथा का लाभ लेने की अपील की है।

डायल-112 के जवानों ने बचाई घायल हिरण के बच्चे की जान, सुरक्षित वन विभाग को सौंपा

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के आरोन थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चितावर में पुलिस की तत्परता से एक घायल हिरण के बच्चे को नया जीवन मिला है। गत दोपहर करीब 1 बजे राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना मिली थी कि जंगल से भटककर आए एक हिरण के बच्चे को कुत्तों ने काटकर घायल कर दिया है और उसे तत्काल सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही आरोन क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके पर रवाना किया गया। स्टाफ आरक्षक जितेंद्र यादव और पायलट विजय रघुवंशी ने तत्काल ग्राम चितावर पहुँचकर देखा कि हिरण का बच्चा अपने झुंड से बिछड़कर गाँव की ओर आ गया था, जहाँ कुत्तों के हमले में वह जख्मी हो गया। जवानों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए घायल शावक को सुरक्षित अपने वाहन में लिया और उपचार हेतु वन केंद्र आरोन पहुँचाया।

पुलिसकर्मियों ने घायल हिरण के बच्चे को वन अधिकारियों के सुपुर्द किया, जहाँ विशेषज्ञों की देखरेख में उसका उपचार किया जा रहा है। पुलिस की इस संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही की ग्रामीणों द्वारा काफी सराहना की जा रही है।

दो बाइकों की भिड़ंत में दंपत्ति घायल

इधर जिले के राघौगढ़ थाना क्षेत्र के बरखेड़ा के पास पीपल खेड़ा रोड पर मंगलवार सुबह दो मोटरसाइकिलों की आपसी टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना सुबह 09ः32 बजे राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को प्राप्त हुई।

सूचना मिलते ही डायल-112 स्टाफ सैनिक भांवर सिंह और पायलट राजकुमार मीणा तत्काल मौके पर पहुंचे। जवानों ने तत्परता दिखाते हुए घायल दंपत्ति को एफआरवी वाहन की मदद से शासकीय अस्पताल राघौगढ़ पहुंचाया। पुलिस की इस त्वरित कार्यवाही से घायलों को समय पर उपचार मिल सका।

14 मई से शुरू होगा सम्पर्क अभियान 2026, मात्र 5 रुपये में मिलेंगे बिजली कनेक्शन

गुना। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने मंगलवार को गुना वृत्त कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए 14 मई से पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में सम्पर्क अभियान 202% प्रारंभ किया जा रहा है। यह विशेष अभियान अगले 12 महीनों तक चलेगा, जिसके तहत आयोजित होने वाले शिविरों में त्रुटिपूर्ण बिल, मीटर रीडिंग और अन्य बिलिंग संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। एमडी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए स्थानीय निकायों और प्रशासन का सहयोग लिया जाए। अभियान की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की मांग पर मात्र 5 रुपये में नवीन घरेलू एवं कृषि पंप कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे।

विधायक जयवर्धन सिंह ने भरसूला हादसे पर जताया दुख, पुलिस विभाग को लिखा पत्र

घायल को सड़क पर छोड़ जाना दुर्भाग्यपूर्ण, कार्रवाई करें एसपी

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले के राघौगढ़ क्षेत्र के भरसूला चौराहे पर 10 मई की रात लगभग 8 बजे हुई सड़क दुर्घटना और घटनाक्रम के दौरान पुलिस के रवैये को विधायक जयवर्धन सिंह ने दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद बताया है। पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए जयवर्धन सिंह ने कहा कि इस घटना ने पुलिस अविश्वास पैदा किया है, साथ ही एक भरा-पूरा परिवार उजड़ गया। हादसे ने मुझे व्यक्तिगत रूप से आघात पहुंचाया है।

जयवर्धन सिंह ने घटनाक्रम के दौरान जान गंवाने वाले जितेंद्र रैकवार के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए एसपी हितिका वासल को पत्र भी लिखा है। उन्होंने कहा है कि दुर्घटना के बाद वाहन चालक एवं उसमें सवार अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा घटनास्थल पर

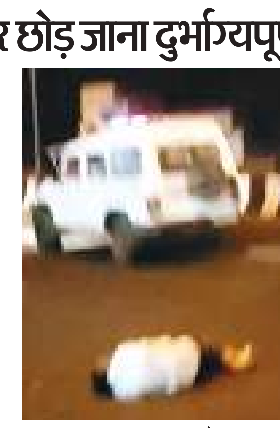

रुककर घायल जितेंद्र रैकवार को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने, एंबुलेंस बुलाने अथवा उनके परिजनों को सूचना देने के बजाए मौके से किसी आरोपी की तरह हिट एंड रन की तर्ज पर फरार हो जाना अत्यंत गंभीर एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना से पीड़ित परिवार और संपूर्ण राघौगढ़ की जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है। विधायक ने कहा कि पुलिस विभाग का मूल उद्देश्य आमजन की सुरक्षा एवं सहायता करना है। ऐसे पुलिस वाहन से इस प्रकार की घटना होना तथा घायल व्यक्ति को असहाय अवस्था में छोड़कर चले जाना मानवीय संवेदनाओं के विपरीत है।

उन्होंने एसपी से निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कर दोषी वाहन चालक एवं संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई कराने और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा राशि एवं सहायता प्रदान करवाने की मांग की है। गौरतलब है कि 10 मई की रात 8 बजे मुंबई में रिलायंस कंपनी में कार्यरत इंजीनियर जितेंद्र रैकवार को उस समय वाहन ने टक्कर मार दी थी, जब वे अपने परिवार से मिलने गृह नगर राघौगढ़ आए थे। घटना के बाद जितेंद्र के परिवार में मातम हैं। बुजुर्ग माता-पिता का सहारा और जितेंद्र पत्नि व बेटी का आश्रय छिन गया है।

हादसा | पुलिस ने दोनों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है

हादसों में दो की मौत, ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग ने गंवाई जान

सत्ता सुधार ■ गुना

शहर के कैंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिछले 24 घंटों के दौरान दो अलग-अलग दुखद घटनाएं सामने आई हैं, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। पहली घटना में रेलवे पटरी पार करते समय एक बुजुर्ग की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई, वहीं दूसरी घटना में एक युवक ने पेड़ से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने दोनों ही मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

शौच के लिए पटरी पार कर रहे बुजुर्ग की कटने से मौत

कैंट थाना क्षेत्र के ग्राम कुसमोदा में सोमवार देर शाम एक हृदयविदारक हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार, कुसमोदा निवासी 75 वर्षीय प्रेमलाल कलावत का घर रेलवे पटरी के बिल्कुल पास स्थित है। सोमवार शाम वह हाथ में पानी का डिब्बा लेकर शौच के लिए पटरी पार कर दूसरी ओर जा रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में वह आ गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुजुर्ग का शव रेल पटरी पर क्षत-विक्षत हालत में मिला। घटना की जानकारी सबसे पहले वहां मौजूद बच्चों ने परिजनों को दी, जिसके बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई. सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्षत-विक्षत शव को कब्जे में लिया. मंगलवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है. बुजुर्ग की इस अचानक मौत से कुसमोदा गांव में मातम का माहौल है।

मजदूर युवक ने पेड़ पर फंदा डालकर की आत्महत्या

आत्महत्या की दूसरी घटना भी कैंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत ही सामने आई है, जहां एक 35 वर्षीय युवक का शव पेड़ पर लटका मिला। मृतक की पहचान राजपाल अहिरवार निवासी नई बस्ती कुसमोदा के रूप में हुई है. राजपाल पेशे से मजदूर था और वर्तमान में कुसमोदा में ही रह रहा था। उसके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी हैं। परिजनों और पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात की है.। मंगलवार सुबह जब हरिपुर-सिंघाड़ी रोड स्थित कॉलेज के पीछे खेतों पर किसान पहुंचे, तो उन्होंने बबलू के पेड़ पर एक युवक का शव लटका देखा। ग्रामीणों द्वारा सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने के बाद मृतक की शिनाख्त राजपाल के रूप में हुई। हालांकि, युवक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। कैंट पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

फतेहगढ़ सेक्टर में स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत परखने औचक निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी कुमार द्वारा फतेहगढ़ सेक्टर की फील्ड का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उनके साथ आरबीएसके के मेडिकल ऑफिसर डॉ. चंद्र मोहन चंदेल भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सीबीएमओ द्वारा स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत नई गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण सीएचओ के माध्यम से कराया गया। फील्ड में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उन्हें उचित प्रबंधन एवं उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बमोरी 108 एंबुलेंस के माध्यम से भेजा गया। इसके साथ ही स्वास्थ्य केंद्र पर दवाओं एवं स्वास्थ्य संबंधी अभिलेखों का निरीक्षण किया गया। ग्राम भ्रमण के दौरान आमजन से स्वास्थ्य संवाद कर उन्हें शासन की ओर से संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी गई। डॉ. लक्ष्मी कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य सुविधाओं को निचले स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए आशा कार्यकर्ता एवं मैदानी स्वास्थ्य कर्मियों को निरंतर जन संवाद करना आवश्यक है। वहीं, डॉ. चंद्र मोहन चंदेल द्वारा आरबीएसके कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान डॉ. लक्ष्मी कुमार द्वारा सीएम हेल्पलाइन से संबंधित प्रकरणों का निराकरण भी कराया गया, जिससे आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके।

चंदेरी जनपद की ग्राम पंचायत नानकपुर में मनरेगा में फर्जीवाड़ा

45 मजदूरों की फर्जी प्रेजेंट लगाकर चल रहे है पिछले साल बने हितग्राही खेत तालाब का निर्माण कार्य

सत्ता सुधार ■ अशोक नगर

जिले की जनपद पंचायत चंदेरी अंतर्गत ग्राम पंचायत नानकपुर में मनरेगा में लगातार फर्जीवाड़ा चल रहा है। ग्राम पंचायत में सरपंच, सचिव ,रोजगार सहायक द्वारा मिलकर जमकर फर्जी वाड़ा किया जा रहा हैं और, मनरेगा पोर्टल पर फर्जी काम मजदूर और प्रेजेंट लगाकर शासन की लाखों रुपए की राशि हड़पी जा रही है। मंगलवार को मनरेगा पोर्टल पर पिछले साल बन चुके हितग्राही खेत तालाबों का फिर से फर्जी काम चलाया जा रहा है।जिसमें 45 मजदूरों की प्रजेंट लगाई गई है। जिन हितग्राहियों के यहां मनरेगा पोर्टल पर काम चलना बताया गया है,उनमें लाड़कुंअर/बालकिशन आदिवासी नानकपुर, खिलान सिंह/जाहर सिंह लोधी के खेत में नानपुर, विश्राम सिंह/श्याम लाल के खेत में ग्राम कुंअरपुर में काम चलना दर्शाया गया है। जिसमें नि

(एफ),जम्बोबाई (महिला),हजरत (एम),विनिता (एफ),प्रेमचंद्र (एम) माँ लक्ष्मीवाई (स्त्र),हरीराम (एम),गोपी (एम),चाम नोकालालाल (एम),वर (एफ),अंजना लोधी (स्त्री),तुलसीराम (एम),वारोवाई (एफ),निराशा बाई (महिला),वाई (एफ),वालकिशन (एम),कपूर (एम),चंद्रला (एफ), विनेश (एम),उत्सर्जन (एम),कंचन (एफ),फुंदीलाल (एम) को काम करते हुए दर्शाया गया। जबकि मौके पर ना कोई मजदूर काम कर रहा था ना ही कोई काम चल रहा था। जब इस संबंध में रोजगार सहायक उधम सिंह लोधी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि खेत तालाब तो 1 साल पहले ही बन गए थे, लेकिन भुगतान नहीं निकल पाया था। जिसे अब निकाल रहे हैं, इससे स्पष्ट होता है कि ग्राम पंचायत में मनरेगा सहित अन्य कार्यों में किस कदर भ्रष्टाचार चल रहा है। इस तरह सरपंच सचिव रोजगार सहायक द्वारा मिलकर गरीब मजदूरों का हक छीनकर अपनी जेबें भरी जा रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर कोई भी अधिकारी जांच के लिए नहीं आता, सरपंच, सेक्रेटरी, रोजगार सहायक मिलकर मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं। पंचायत में भारी भ्रष्टाचार चल रहा है। ग्रामीणों ने जिले के अधिकारियों से ग्राम पंचायत की जांच कराने की मांग की है।

इनका कहना है

हितग्राही खेत तालाब तो 1 साल पहले ही बना दिए थे, लेकिन भुगतान नहीं निकाल पाए थे,अब निकाल रहे हैं।

उधम सिंह लोधी रोजगार सहायक
ग्राम पंचायत नानकपुर जनपद चंदेरी

मुंगावली जनपद की ग्राम पंचायत बर्री में सरपंच सचिव रोजगार सहायक हो रहे मनरेगा में मालामाल

फर्जी प्रेजेंट लगाकर पोर्टल पर चला रहे खेत तालाब निर्माण कार्य

जनपद पंचायत मुंगावली अंतर्गत ग्राम पंचायत बर्री में मनरेगा योजना से गांव के गरीब मजदूरों को तो काम मिल नहीं रहा लेकिन फर्जी वाड़ा कर सरपंच सचिव रोजगार सहायक मालामाल हो रहे हैं। यहां मनरेगा पोर्टल पर फर्जी काम चला कर फर्जी प्रेजेंट लगाकर लाखों की राशि निकाली जा रही है और गरीब मजदूरों का हक छीनकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। मंगलवार को ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा पोर्टल पर फर्जी खेत तालाब निर्माण कार्य धनीराम/ दलीप सिंह के खेत में चलना दर्शाया गया। जिसमें 69 मजदूरों की फर्जी प्रेजेंट लगाई गई। जबकि मौके पर ना तो निर्माण कार्य चल रहा था ना ही मजदूर काम कर रहे थे। जिन मजदूरों के फर्जी नाम और फोटो पोर्टल पर चढ़ाए गए उनमें धनकुंवर बाई कटारिया (महिला) राजाराम कटारिया (एम),उषा बाई कटारिया (महिला),शिशुपाल (एम) बबलू (एम),कपूरी बाई (महिला), अनार बाई (महिला),सोनू (एम),राजू कटारिया (एम),रामदुलारी (एफ) शामिल है। इस तरह मनरेगा सरपंच सचिव रोजगार सहायक को मालामाल कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि अधिकारी यहां कभी जांच करने नहीं आए,यहां के गरीब मजदूर बाहर शहर में जाकर मजदूरी करते हैं। गांव के लोगों को मनरेगा का लाभ नहीं मिल रहा है।

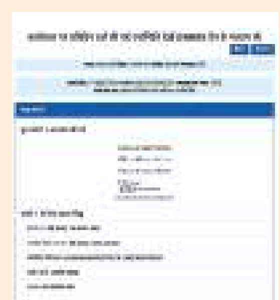

चंदेरी जनपद की ग्राम पंचायत पिपरोद में डंके की चोट पर भ्रष्टाचार

रोजगार सहायक ने कहा रेंज में तो हम 2 लाख की आदिवासियों की कुटी बनवा रहे 20-20 हजार लेकर

स्टाफ डैम का निर्माण तो डेढ़ माह पहले हुआ पूरा,पैसा निकालना शेष

49 मजदूरों की फर्जी प्रेजेंट लगाकर अभी भी चला रहे स्टाफ डैम निर्माण कार्य

जिले की जनपद पंचायत चंदेरी अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरोद में डंके की चोट पर भ्रष्टाचार चल रहा है। जहां सरपंच सचिव रोजगार सहायक द्वारा मिलकर बगैर किसी संकोच के जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। इतना ही नहीं रोजगार सहायक तो बड़े ठसक भरे अंदाज में अपने भ्रष्टाचार की कहानी बयां करते हैं। मंगलवार को ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा पोर्टल पर फर्जी स्टाफ डैम निर्माण कार्य चलना दर्शाया गया। जिसमें 49 मजदूरों की फर्जी प्रेजेंट लगाई गई, जबकि मौके पर ना तो निर्माण कार्य चल रहा था और ना ही मजदूर काम कर रहे थे। जब इस संबंध में ग्राम रोजगार सहायक रामसेवक लोधी से बात की गई तो उन्होंने बड़े ठसक भरे अंदाज में बताया कि स्टॉप डैम निर्माण कार्य तो एक- डेढ़ माह पहले पूरा हो गया। पैसा निकालना शेष है। रोजगार सहायक ने कहा कि आप यहां आकर देखिए रेंज में तो हम कुटी बनवा रहे, पैसे ले-देकर, और 20-20 हजार तो हमने पहले ले लिए आदिवासियों से 2-2 लाख के, आपके संज्ञान में तो चल रहा है ना, हम बता रहे तो, आप आ जाओ जानकारी लेने सो हितग्राही बताएंगे, जिस पर हमने लिए हैं। स्टाप डैम तो हमने बनवा दिया। वर्क क्लोज होना है, पैसे

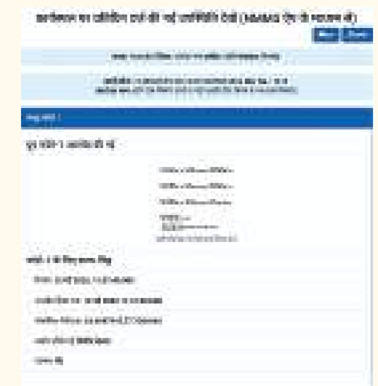

निकलना है। जब उनसे पूछा कि कितना समय हो गया तो कहने लगे मौका पर बन गया। अभी एक डेढ़ महीने हो गया। पैसे ही निकालना शेष है। इस तरह फर्जी वाड़ा कर बड़ी ठसक से अपनी करतूतें बताते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम पंचायत में जमकर भ्रष्टाचार चल रहा है यहां अधिकारी कोई जांच करने नहीं आते जिससे सरपंच सचिव रोजगार सहायक की खूब मनमानी चल रही है। और फर्जीवाड़ा कर जमकर पैसा कमा रहे हैं।

इनका कहना है

स्टाफ डैम का निर्माण कार्य एक डेढ़ माह पहले पूरा हो गया, पैसा निकालना शेष है। हमने रेंज में आदिवासियों की 2 लाख की कुटी बनवा दी पहले ही 20-20 हजार रुपए लेकर। आप आ जाओ हितग्राही बता देंगे।

रामसेवक लोधी ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत पिपरोद जनपद

जल संरक्षण और विकास की दिशा में नगर पालिका का ऐतिहासिक कदम

सत्ता सुधार ■ अशोक नगर

नगर के विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्धन को नई दिशा देने की प्रतिबद्धता के साथ आज वार्ड क्रमांक 21 स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में 23 लाख रुपये की लागत से होने वाले तालाब सौंदर्यीकरण एवं पुनर्जीवन कार्य का भूमि पूजन नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर द्वारा विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ सम्पन्न किया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और नगर पालिका द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में विकास एवं जनकल्याण के संकल्प के साथ उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि नगर पालिका परिषद शहर के विकास के साथ-साथ जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। तालाब हमारी प्राचीन संस्कृति, परंपरा और प्राकृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। बीते वर्षों में लगातार घटते जल स्तर और बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए तालाबों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। इसी उद्देश्य को लेकर नगर पालिका परिषद द्वारा शहर के विभिन्न तालाबों को संरक्षित एवं विकसित करने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित इस तालाब के सौंदर्यीकरण एवं पुनर्जीवन कार्य से न केवल क्षेत्र की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि वर्षा जल संरक्षण, भू-जल स्तर सुधार एवं पर्यावरण संतुलन को भी मजबूती मिलेगी। आने वाले समय में यह स्थल क्षेत्रवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण प्राप्त होगा। प्रिंस राठौर ने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार 'विकास और विरासत' दोनों को साथ लेकर चलने का कार्य कर रही है। नगर निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं। नगर पालिका परिषद भी इसी संकल्प के साथ नगर के प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं, सड़क, पेयजल, स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण के कार्य तेजी से करा रही है। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष विपिन शास्ता वार्ड क्रमांक 21 के पार्षद प्रतिनिधि कमलेश कुशवाह, संतोष शाक्य, राजेश माझी,अर्जुन राठौर,दिनेश कुशवाह, लोकेंद्र वर्मा, सहित वार्ड के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

आज करोड़ों रुपए के निर्माण कार्यों का विधायक

सुदेश राय करेंगे भूमि पूजन और लोकार्पण

सीहोर। आज भूमिपूजन, लोकार्पण कार्यक्रम होंगे। विधायक सुदेश राय बुधवार को दौरे पर रहेंगे। विधानसभा क्षेत्र के हर गांव तक सड़क और हर घर तक विकास के संकल्प को पूरा करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में विधायक सुदेश राय सीधे जनता से फीडबैक लेंगे। आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बाउंड्री वॉल और सड़क निर्माण सहित कमरों के निर्माण का भूमि पूजन लोकार्पण विधायक सुदेश राय करेंगे। सरपंच भाजपा नेता कार्यकर्ता ग्रामीण जन विधायक सुदेश राय का स्वागत कर आभार व्यक्त करेंगे। ग्राम वासियों के द्वारा मुंगावली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक सुदेश राय स्थानीय जनपतिनिधियों बुजुर्गों माता बहनों की विशेष उपस्थिति में 54 लाख 38 हजार रूपए से बनने वाले 2 कक्ष, 2 लैब, व बाउंड्रीवाल निर्माण का भूमि पूजन करेंगे। इसी प्रकार दोपहर 1 बजे विधायक सुदेश राय की विशेष उपस्थिति में ग्राम सेमरादांगी से बरखेड़ा रोड निर्माण का भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न होगा । इस सड़क की लंबाई – 3.8 किलोमीटर होगी सड़क निर्माण पर 356.08 लाख रुपए खर्च आएगा। दोराहा नहर से चैनपुरा तक हुए डामरीकरण कार्य का लोकार्पण विधायक सुदेश राय करेंगे। इस सड़क निर्माण पर 75.05 लाख रूपए की लागत आई है।

40 वें दिन सीवन का गहरीकरण भी हुआ और महिला घाट पर स्वच्छता का कार्यक्रम भी चला

सीवन परिक्रमा एवं चुनरी चढ़ाओ माँ सीवन पर

सत्ता सुधार ■ सीहोर

सीवन योद्धा और सीवन पुत्र ने मिलकर जिस तरह से सीवन के लिए काम कर रहे हैं वह दिन दूर नहीं जब सीहोर की सीवन अलग ही छवि स्थापित होगी, क्योंकि यह आस्था का एक बहुत बड़ा केंद्र है यहां पर पूरे देश से श्रद्धालु सिवन माँ के दर्शन करने हेतु आते हैं और सीवन योद्धाओं का और सीवन पुत्रों का प्रण की सिवन मां को किसी भी कीमत पर मूल स्वरूप में और मूल उद्धार में देखना है इसीलिए 45 डिग्री तापमान में लगातार सिवन योद्धा और सिवन पुत्र कांब कर रहे हैं

इसी बीच प्रदीप चावड़ा ने बताया है कि कुछ दिनों बाद सिवन परिक्रमा का कार्यक्रम रखा गया है यह परिक्रमा 18 किलोमीटर की होगी और इस परिक्रमा के माध्यम से सीवन के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी जिसकी तैयारियां जोरों शोरों से जारी है और इसके पहले और चुनरी चढ़ाओ सिवन पर कार्यक्रम तय हुआ है, इसी के साथ प्रदीप चावड़ा सिवन पुत्र ने बताया कि सिवन पुत्र तथा पुत्री की संख्या 3000 के ऊपर पहुंच चुकी है जल्दी 5000 के आंकड़ों को छू लेंगे इसके बाद 10000 सिवान पुत्र पुत्री का लक्ष्य है।

हनुमान फाटक धाम पर सतत रूप से आज आठवां दिन था कि गहरीकरण का काम जोरों शोरों से है चल रहा है पांच डंपरों से मिट्टी तथा पत्थर बाहर की ओर ले जाए जा रहे हैं, दिन सोमवार को विशेष अतिथि नवीन जायसवाल हनुमान फाटक धाम पहुंचे जहां पर सीवन योद्धा का सम्मान हुआ इस अवसर पर लक्ष्मण सिंह, मुकेश राय,राधेश्याम जेवरिया, अमित रैकवार ,विजय केवट, दीपक केवट, मुकेश राय,वैभव राठौर आदि उपस्थित हुए ।

सीवन पुत्र और सीवन वन योद्धाओं के जज्बे ने महिला घाट हाथी घाट एवं बैगन घाट की दशा और दिशा को बदल कर रख दिया

सत्ता सुधार ■ सीहोर

दिन सोमवार को 40 वा दिवस जहां पर सारे सीवन योद्धा एवं जीवन पुत्रों की सफलता पर जश्न मनाया गया पहले हनुमान फाटक फिर महिलाघाट हाथी घाट और बैगन घाट की दशा को बदलकर रख दिया जब कई सालों से हालत बहुत दयनीय थे जब से सीवन पुत्रों ने सीवन के लिए संकल्प लिया है लगातार एवं सतत रूप से जीवन के मूल स्वरूप को एवं सीवन के पूर्ण उद्धार को लेकर काम कर रहे हैं और उसका परिणाम भी अब दीखने लगा है जहां हनुमान फाटक पर विगत 9 दिनों से जोरदार तरीके से गहरीकरण का काम चल रहा है वही लक्कड़पुल क्षेत्र में पिचिंग का काम जोरों शोरों से चल रहा है वही सीवन योद्धा महिला घाट रामघाट हाथी घाट एवं बैगन घाट को चमकाने में लगे हैं कहां जाता है कि जीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि सीवन पुत्र एवं सीवन योद्धाओं की मेहनत का परिणाम है और लगातार सीवन पर हो रहे कार्यक्रम दिल से बच्चों से लेकर वृद्ध तक भावनात्मक रूप से जोड़ लिया है वही सीवन पुत्र अपने संकल्प को लेकर जीवन को मूल स्वरूप देने में लगे आज सिवान योद्धा के सम्मान के अवसर पर सिवान उद्धार के वरिष्ठ सदस्य महिपाल जैन हनुमान फाटक धाम पहुंचे और वहां पर सीवन योद्धाओं का सम्मान किया सम्मान करते समय सीवन पुत्र राजकुमार सोनी सील राय मुकेश राय कैलाश चौहान लक्ष्मण सिंह चौकसे आकाश यादव वैभव राठौर कनीराम मालवीय जगदीश वर्मा प्रदीप चावड़ा मुकेश सोनी सुधीर सोनी रोहित वशिष्ठ अनुज भावसार तनिष्क चावड़ा चीना भावसार रवि भावसार दीपक केवट आदि उपस्थित रहे

ग्राम पंचायत नादान की महिलाओं ने शराब के ठेके का स्थान परिवर्तन को लेकर कलेक्ट्रेट व तहसील कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

सीहोर जिले की इछावर तहसील की ग्राम पंचायत नादान में निवासरत महिलाओं ने सामूहिक रूप से उपस्थित होकर एसपी, कलेक्टर व तहसील कार्यालय में ज्ञापन सौंपा जिसमें बताया गया है कि वर्तमान में ग्राम नादान में ग्राम के अंदर मुख्य मार्ग पर शराब दारु का ठेका संचालित है। जिसके कारण स्थानीय निवासियों द्वारा शराब पीकर ग्राम के अंदर उपद्रव एवं लड़ाई झगड़ा आदि करते हैं। जिससे गांव में रोजाना भय का वातावरण बना रहता है तथा शराबी लोगों द्वारा ग्राम की महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। स्थानीय शराबी लोगों द्वारा रोजाना शराब पीकर ग्राम के मेन रोड पर ठेका होने के कारण आने जाने वाले लोगों को गाली गलौज व गंदी हरकतें करते हैं जिसके कारण ग्राम के लोगों को अपमानजनक महसूस होता है । शराब पीकर स्थानीय लोगों द्वारा घर में रखे खाने का अनाज एवं अन्य सामग्री बेचकर शराब का सेवन करते हैं। जिससे परिवार में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो रही है। इस मौके पर ग्राम पंचायत नादान की महिलाओं में आरती सौंलकी, सुगन बाई, सम्पत बाई, सुनीता बाई, आशा, ओमवती बाई, लाड़सिंह कटारिया, अमरवती बाई, चिंता बाई, सुशीला बाई, सुषमा बाई, सोनिया बाई, सुमन बाई, मधु बाई, कृष्णा सूर्यवंशी आदि मोजूद रही है।

सत्ता न्यूज — ठगी की रकम से खरीदी गई लगभग 70 लाख की संपत्ति व लग्जरी सामान जप्त, ठगी के पैसों से खरीदी गई चल-अचल संपत्ति बरामद

प्रेम जाल में फंसाकर 1.30 करोड़ की ठगी करने वाले गैंग से पुलिस रिमांड में हुए कई अहम खुलासे

- **लगभग 70 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी एवं अन्य सामान जप्त**
- **बैंक ट्रांजेक्शन एवं तकनीकी संसाधनों के माध्यम से जांच जारी**
- **अन्य छुपाई गई चल- अचल संपत्ति का भी पता लगायेगी पुलिस**

सत्ता सुधार ■ अशोक नगर

पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में थाना कोतवाली द्वारा युवती को प्रेम जाल में फंसाकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गैंग के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए महत्वपूर्ण खुलासे किए गए हैं। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ में कई अहम तथ्य सामने आए हैं। पीड़िता द्वारा पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा को आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया कि आरोपी आदित्य सिंह तोमर, आयुषी चौहान, आर्यन सोनी,आकाश चौहान एवं एक अन्य अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसे डरा-धमकाकर अश्लील फोटो एवं वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई। साथ ही स्वयं को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर पीड़िता से लगभग 1 करोड़ 30 लाख रुपये की ठगी की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रविप्रताप सिंह चौहान को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 283/26 धारा 64(1), 64(2)(एम), 77, 308(2), 308(5), 308(6), 61(2),

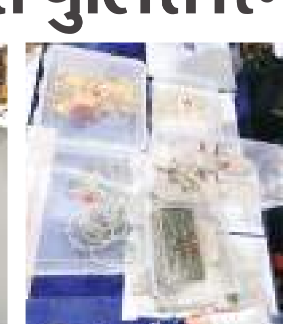

296(बी), 351(2), 331(2), 3(5) बीएनएस एवं 5एल/6,19 पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में आरोपी आदित्य तोमर, आयुषी चौहान, आकाश चैहान एवं आर्यन सोनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त कर पूछताछ की गई।पूछताछ के दौरान आरोपी आकाश चौहान एवं उसकी पत्नी आयुषी चौहान ने स्वीकार किया कि ठगी से प्राप्त राशि से उन्होंने महंगे सोने एवं चांदी के आभूषण, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये है, खरीदे थे। इसके अतिरिक्त महिन्द्रा थार वाहन, दो आईफोन, एप्पल नोटबुक, महंगे कॉस्मेटिक सामान, स्कूटी, वॉशिंग मशीन, ड्रेसिंग टेबल, बड़ा फ्रिज, अलमारी, महंगी घड़ियां एवं अन्य घरेलू सामान खरीदा गया था, जिन्हें पुलिस द्वारा विधिवत जप्त किया गया है। प्रकरण में आरोपियों के मोबाइल फोन एवं लैपटॉप फॉरेंसिक जांच हेतु भेजे जा रहे हैं, जिससे भविष्य में और भी महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है। साथ ही आरोपियों के बैंक खातों एवं पेमेंट गेटवे की सघन जांच की जा रही है, ताकि मनी ट्रेल को ट्रेस कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा सके। पुलिस द्वारा यह भी जांच की जा रही है कि आरोपियों द्वारा शहर में अन्य व्यक्तियों को भी ब्लैकमेल अथवा इसी प्रकार की ठगी का शिकार तो नहीं बनाया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रविप्रताप सिंह चौहान, उपनिरीक्षक मसीह खान, सहायक उपनिरीक्षक विनोद तिवारी, प्रधान आरक्षक नवल किशोर शर्मा, आरक्षक रविन्द्र, आरक्षक हरिमोहन की सराहनीय भूमिका रही।

ब्रीफ न्यूज

लाड़ली बहनों को मिलेगी 36वीं किश्त

हरदा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 मई को मध्यप्रदेश की करोड़ों महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सम्मान के लिये नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 36वीं किश्त जारी करेंगे।

केज स्थापना एवं संचालन हेतु आवेदन 20 मई तक आमंत्रित

हरदा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा लागू की गई मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति 2026 के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में केज स्थापना एवं संचालन के लिये आवेदन आमंत्रित किये गये है। सहायक संचालक मत्स्य हरदा ने बताया कि योजना का उद्देश्य चयनित जलाशयों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करते हुए मत्स्य उत्पादन बढ़ाना एवं निजी निवेश को प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत केज एक्वाकल्चर, एक्वापोनिक्स, इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग, इको टूरिज्म एवं ग्रीन एनर्जी जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। योजना की विस्तृत जानकारी विभागी कार्यालय एवं वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

वृद्धजनों से वैष्णो देवी की यात्रा हेतु आवेदन आमंत्रित

हरदा। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना अंतर्गत मध्यप्रदेश के ऐसे वरिष्ठ नागरिक को जो कि 60 वर्ष से अधिक आयु के है तथा आयकर दाता नहीं है, उन्हें प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न तीर्थ स्थानों की यात्रा मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत शासकीय खर्चे पर कराई जा रही है। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत जिले की वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के लिए आवेदन आमंत्रित किए गये हैं। यह यात्रा 3 जुलाई को जिला हरदा से जायेगी। इस यात्रा में जिले के 196 यात्री, तीर्थ यात्रा पर जायेंगे। जिनमें हरदा तहसील के 48, हंडिया के 22, टिमरनी के 36, रहटगांव के 22, खिरकिया के 36 व सिराली तहसील के 32 यात्री शामिल होंगे। इच्छुक वृद्धजन तीर्थ यात्रा के लिये संबंधित तहसील कार्यालय, जनपद पंचायत अथवा नगर पालिका या नगर परिषद कार्यालय में 15 जून तक आवेदन कर सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित

हरदा। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर ब्रह्मकुमारीज द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हरदा डॉ. एच.पी.सिंह के निर्देश पर चिकित्सालय में सम्मान एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी नर्स बहनों का तिलक, दुपट्टा, ईश्वरीय सौगात एवं मिठाई देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर बी.के. राजेश ने कहा कि नर्से मानव सेवा की सजीव प्रतिमूर्ति हैं, जो दिन-रात मरीजों की सेवा कर उन्हें नया जीवन देने का कार्य करती हैं। उनके समर्पण, धैर्य एवं करुणा के कारण समाज स्वस्थ एवं सुरक्षित बनता है। इस अवसर पर बी.के. किरण,श्रीमती गीता वर्मा, डॉ. मनीष शर्मा, बीके रोशनी एवं बीके देविका उपस्थित रहीं।

लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना महिला सशक्तिकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण योजनाएं

प्रभारी मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने खेल मैदान विकास कार्य का भूमिपूजन किया

सत्ता सुधार ■ खंडवा

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के मंत्री तथा खण्डवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने मंगलवार को महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नीति आयोग द्वारा 79.89 लाख रूपए लागत से स्वीकृत खेल मैदान के विकास कार्य का भूमिपूजन कर शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, विधायक श्री नारायण पटेल, विधायक श्रीमती छाया मोरे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े, महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री अगम जैन, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा और जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजपाल सिंह तोमर सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने कहा कि केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में विशेष कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना महिला सशक्तिकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण योजनाएं हैं। इन योजनाओं के शुरू होने से महिलाओं का घर में और समाज में सम्मान बढ़ा है। अब बेटियां किसी पर बोझ नहीं हैं। उन्होंने उपस्थित छात्राओं को मन लगाकर पढ़ने की सीख दी और कहा कि वे केवल पढ़ाई पर ध्यान दें। छात्राओं के लिए निःशुल्क गणवेश, स्कूटी, पुस्तकें, लैपटॉप जैसी सभी सुविधाएं सरकार उपलब्ध करा रही है।

किसानों की आंख में धूल झोंककर तौला जा रहा व्यापारियों का माल

दिन भर 200 ट्रालियों में से 5 ट्राली भी अंदर नहीं गई

सत्ता सुधार ■ हरदा

जिले में समर्थन मूल्य पर हो रही खरीदी किसानों के लिए परेशानी का सबक बन गई है। किसानों को गेहूं बेचने में पसीना आ रहा है। भीषण गर्मी में 3 दिन के इंतजार के बाद भी खरीदी नहीं हो पा रही है। एक बार स्लॉट बुक होता है। दोबारा स्लॉट नहीं बुक होता है। स्लॉट रद्द होने के चक्कर में किसान भूखे प्यासे लाइन में खड़े होकर अपनी बारी आने का इंतजार करते रहते हैं। मॉ रेवा वेयरहाउस कोटल्याखेड़ी में 200 से अधिक ट्राली की लंबी लाइन लगी है। किसान भूखे प्यासे इंतजार कर रहे हैं। किसान राधेश्याम शर्मा और गजानन डाले का कहना है कि सुबह से पांच ट्राली भी अंदर नहीं गई। किसकी ट्राली कहां की तौली जा रही है। इसका अता-पता नहीं है।

समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था फेल: समर्थन मूल्य पर खरीदी की ऑनलाइन व्यवस्था फेल नजर आ रही है। स्लॉट बुक किया जाता है और बारी आती है किंतु नंबर ही नहीं लग पाता और अंत में स्लॉट रद्द हो जाता है। यह किसी एक वेयरहाउस की जुवानी नहीं बल्कि जिले के सभी वेयरहाउस की यही कहानी है। ऑनलाइन खरीदी के रिकार्ड खंगाले जाएं तो रोजाना काफी खरीदी हो रही है किंतु ऑनलाइन हकीकत में किसान तेज धूप में लाइन में खड़े होकर इंतजार करते रहते हैं।

खरीदी में गोलमाल: जिले में समर्थन मूल्य पर खरीदी में गोलमाल किया जा रहा है। जिसे कोई देखने व सुनने वाला नहीं है। ऑनलाइन खरीदी और जिले के रिकॉर्ड के आधार पर वेयर हाउस ाका भौतिक सत्यापन किया जाये तो दूध का दूध पानी का पानी हो जायेगा।

जाम की स्थिति निर्मित: पटेल

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम पटेल का कहना है कि एक दिन में 3000 क्विंटल खरीदी की क्षमता शासन द्वारा तय की गई है, किंतु दुर्भाग्य की बात यह है कि शासन के इस आदेश का शायद कहीं पालन होता हो। स्लॉट बुक करके किसान परेशान है और उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पहुंच वाले और व्यापारी किसान की आड़ में गुपचुप तरीके से खरीदी कर लेते हैं ऑनलाइन खरीदी और बिल बन जाते हैं। बाद में गेहूं का स्टॉक रखा जाता है। किसान लाइन में लगकर अपनी बारी आने का इंतजार करते रहते हैं।

व्यापारी किसान बनकर उठा रहे फायदा

व्यापारी किसान बनकर फायदा उठा रहे हैं। गुपचुप तरीके से सांठ गांठ करके बाजार और सोसाइटी से गेहूं कम कीमत पर खरीदकर उसे समर्थन मूल्य में बेचकर फायदा कमा रहे हैं। किसान की आड़ में व्यापारी मालामाल हो रहे हैं। खरीदी में आने वाली तमाम परेशानियों को देख सुनकर छोटे किसान व्यापारियों को बेच देते हैं और व्यापारी किसान बनकर माल बेच देते हैं। व्यापारी सांठगांठ करके बिना लाइन में लगे माल बेच देते हैं। यह खेल सब ऑन लाइन हो जाता है। लंबे समय से यह गेम चल रहा है। बारीकी से जांच होगी तो वास्तविकता सामने आ जायेगी। किसानों की आंख में धूल झोंक कर उसे व्यापारियों का माल तौला जा रहा है।

किसकी ट्राली तुल रही: मॉ रेवा वेयर हाउस कोट्ल्याखेडी वेयरहाउस में 200 ट्राली की लंबी लाइन लगी हुई रही और अंदर 5 ट्राली भी नहीं गई। सबसे आश्चर्य की बात यह रही कि सुबह किसकी ट्राली तुलती रही किसान राधेश्याम शर्मा और गजानन डाले ने आरोप लगाया कि इसकी जांच कराई जाय तो ऑनलाइन खरीदी की अनियमित्ता का मामला प्रकाश में आ जायेगा। समर्थन मूल्य पर खरीदी की ऑनलाइन व्यवस्था की गई फिर भी इसका कोई मतलब नहीं निकल रहा है। किसानों की ट्राली काफी मशक्कत के बाद तौली जा रही है।

जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का किया निराकरण

सत्ता सुधार ■ हरदा

मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन ने सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर पुरूषोत्तम कुमार, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय एवं सुश्री रजनी वर्मा, एसडीएम हरदा अशोक डहेरिया, एसडीएम टिमरनी संजीव नागू, एसडीएम खिरकिया सुश्री शिवांगी बघेल सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्राम अहलवाड़ा निवासी फुलवती बाई ने लोन जमा करने के उपरान्त अपनी जमीन के खसरे को बंधन मुक्त कराने के संबंध में आवेदन दिया। ग्राम बाजनिया निवासी महेन्द्र यादव ने व्यवसाय प्रारम्भ करने हेतु शासकीय योजनार्न्तगत ऋण दिलाने हेतु आवेदन दिया। खेड़ीपुरा निवासी शांतीबाई ने जनसुनवाई में वृद्धावस्था पेंशन चालू कराने के लिये आवेदन दिया, जिस पर उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग सहीत अन्य अधिकारियों को निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।

अब साल भर में मिलेगा 125 दिन का रोजगार

हरदा। प्रदेश में एक जुलाई 2026 से विकसित भारत जी राम जी अधिनियम पूरी तरह से लागू हो जाएगा। अधिनियम के लागू होने से अब वर्ष भर में 125 दिन का रोजगार मिलेगा। इससे न सिर्फ ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि अधोसंरचनात्मक विकास को भी गति मिलेगी। अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य जो अकुशल कार्य करने के इच्छुक हैं उनके लिए एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन के रोजगार का प्रावधान किया गया है। बैंक अथवा डाकघर खातों में भुगतान किया जाना अनिवार्य किया गया है। एक वित्तीय वर्ष में 60 दिनों की अवधि का विराम, पारदर्शिता के लिए होगी डिजिटल निगरानी, पंचायतें बनाएंगी कार्ययोजना अधिनियम में कार्ययोजना में जल्द नियम जारी होंगे।

जनसुनवाई में 283 आवेदनों पर हुई सुनवाई

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 10 (व्यारमा) में आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये हितग्राहियों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 283 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में कलेक्टर श्री यादव के समक्ष बालाकोट के किसान हुकुम सिंह ने आवेदन प्रस्तुत किया कि उन्होंने कृषि विभाग से बीज की दो थैली दो एकड़ बोने के लिये ली थी, उपज नहीं होने के कारण मुआवजा की मांग की जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। दमोह जिले के ग्राम देवरी जमादार की रहने वाली मनकोरा बाई पति स्व. सुखराम अठ्या ने प.ह.नं.81 भूमि रकबा 0.48 रा.नि.मं. इमलिया में अपनी भूमि पर सिंचाई के लिये स्थाई पंप बिजली कनेक्शन करवाना चाहती हैं, इस पर कलेक्टर ने बिजली विभाग को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये।

इसी प्रकार कस्तूरी बाई लोधी ग्राम देवरी जमादार ने भी अपनी खेती की भूमि पर स्थाई पंप, बिजली कनेक्शन करवाने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया। श्रेयांस जैन उम्र 13 वर्ष ने अपनी टीसी दिलाने के लिये आवेदन प्रस्तुत किया कि वह बांसा तारखेड़ा के केशव चिल्ड्रन स्कूल में पढ़ता है, एक्सीलेंस स्कूल में नाम आ गया है टीसी बिना नाम नहीं लिखा जा रहा है। जनसुनवाई में 11 आधार अपडेशन एवं 145 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही जनसुनवाई के दौरान कुछ सामूहिक आवदेन भी दिए गए।

बनोठ ने नर्मदापुरम संभाग आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया

हरदा। नवागत संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ ने आयुक्त कार्यालय में नर्मदापुरम संभाग आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। श्री बनोठ इससे पूर्व आयुक्त सहसंचालक नगर तथा ग्राम निवेश थे। उल्लेखनीय है कि

संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ मूलत: आंध्र प्रदेश से हैं तथा 2009 बैंच के आईएएस अधिकारी हैं। आईआईटी मद्रास से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की उपाधि प्राप्त की है। इसके पूर्व बनोठ हरदा एवं धार जिले के कलेक्टर के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। पदभार ग्रहण करने के दौरान कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा एवं जिला पंचायत नर्मदापुरम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन भी उपस्थित रहे।

नमकीन निर्माण यूनिट और रेस्टोरेंट एवं जिला चिकित्सालय रसोईघर का किया फूड सेफ्टी ऑडिट

सत्ता सुधार ■ दमोह

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ.एस. एस.ए.आई.) के थर्ड पार्टी ऑडिट का मुख्य उद्देश्य भारत में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों में शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री का निर्माण, भंडारण एवं विक्रय सुनिश्चित करना है। थर्ड पार्टी ऑडिट के तहत खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न प्रावधानों का पालन करना आवश्यक होता है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले के चयनित खाद्य प्रतिष्ठानों का थर्ड पार्टी ऑडिट के तहत मारुताल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मनसुख फूड प्रोडक्ट्स गुजरात स्वीट्स, मांगज वार्ड नंबर 4, इटोरिया बगीचा स्थित प्रिंस फूड इंडस्ट्रीज, स्टेशन रोड स्थित ब्रजवासी स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट, टंडन बगीचा स्थित नर्मदा धारा रेस्टोरेंट एवं जिला चिकित्सालय स्थित रसोईघर का फूड सेफ्टी ऑडिट किया गया। एफ. एस. एस. ए. आई. से निर्धारित ऑडिटर हर्षवर्धन ताम्रकार एवं अंकित दुबे द्वारा इन खाद्य प्रतिष्ठानों का फूड सेफ्टी ऑडिट किया गया। खाद्य प्रतिष्ठानों में वेंटिलेशन, तैयार भोजन/ खाद्य सामग्री की टेस्ट रिपोर्ट, वाटर टेस्ट रिपोर्ट, उचित प्रकाश व्यवस्था, समुचित फ़ूड सर्विसिंग, कच्चे खाद्य पदार्थो का निरीक्षण, खाद्य तेल का समुचित उपयोग, एनुअल मेडिकल एग्जामिनेशन एवं फोस्टैक ट्रेनिंग रिकॉर्ड सहित विभिन्न खाद्य सुरक्षा मानकों पर ऑडिट किया गया।

ग्रीष्म ऋतु में ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दें

शासकीय वाहनों में ईंधन बचाने के लिए विशेष अभियान शुरू करें

सत्ता सुधार ■ खंडवा

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के मंत्री तथा खण्डवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस मौसम में ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि हैण्डपंप और ट्यूबवेल जैसे पेयजल स्त्रोतों में खराबी की सूचना मिलते ही उसे तत्काल सुधरवाया जाए, ताकि ग्रामीणों को समस्या न हो।

बैठक में सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, विधायक श्री नारायण पटेल, विधायक श्रीमती छाया मोरे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े, खण्डवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री अगम जैन, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, सहायक कलेक्टर सुश्री शिल्पा चौहान और जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजपाल सिंह तोमर सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे। प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने कलेक्टर श्री गुप्ता को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान के अनुसार शासकीय वाहनों में ईंधन बचाने के लिए विशेष अभियान शुरू करें और डीजल पेट्रोल की बचत के सम्बंध में कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने कहा कि ईंधन बचाने के लिए दूरस्थ क्षेत्र में स्थित अधिकारियों को जिला मुख्यालय पर बैठकों में बुलाने के स्थान पर वीडियो कॉन्फ्रेन्स या गूगल मीट के माध्यम से बैठकों में शामिल करें।

प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने 'जल गंगा संवर्धन अभियान' की समीक्षा के दौरान कहा कि गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी खण्डवा जिला जल संरक्षण के क्षेत्र में देश व प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहे, यह प्रयास किया जाए। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने इस अवसर पर बताया कि अभी तक की स्थिति में खण्डवा जिला 'जल गंगा संवर्धन अभियान' और 'जल संचय, जन भागीदारी' अभियान में प्रथम स्थान पर चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष नगर निगम खण्डवा द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र में अच्छा कार्य किया जा रहा है।

उपार्जन केन्द्रों पर किसानों की समस्या दूर करें

प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने बैठक में गेहूं व चना उपार्जन की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि जिले में गेहूं उपार्जन के लिए कुल 67 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने निर्देश दिए कि उपार्जन केन्द्रों पर खरीदे गए गेहूं को किसी भी स्थिति में खुले में न रखा जाए, बल्कि गोदाम में तत्काल शिफ्ट कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि अचानक वर्षा होने की स्थिति में गेहूं खराब न हों। उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जन केन्द्रों पर किसानों को कोई असुविधा न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

आंगनवाड़ी केन्द्र 21 में विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

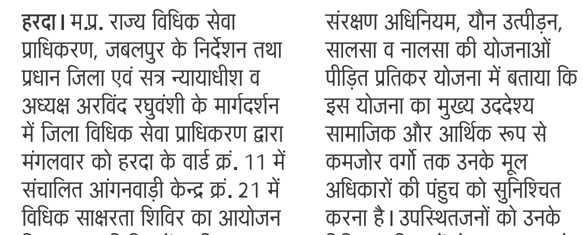

हरदा। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मंगलवार को हरदा के वार्ड क्रं. 11 में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्र क्रं. 21 में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित न्यायाधीश व सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण चंद्रशेखर राठौर ने महिलाओं के अधिकार, बच्चों के अधिकार, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, यौन उत्पीड़न, सालसा व नालसा की योजनाओं पीड़ित प्रतिकर योजना में बताया कि इस योजना का मुख्य उददेश्य सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो तक उनके मूल अधिकारों की पंहुच को सुनिश्चित करना है। उपस्थितजनों को उनके विधिक अधिकारों से अवगत कराने हेतु विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। नालसा हेल्पलाईन नंबर 15100 के बारे में लोगों को जागरूक किया गया।

ब्रीफ न्यूज

प्रगणक एवं सुपरवाइजर द्वारा जनगणना कार्य में उत्कृष्ट योगदान पर हुआ सम्मान

बीना(सागर)। तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी ग्रामीण बीना में प्रगणक एवं सुपरवाइजर द्वारा जनगणना कार्य में उत्कृष्ट योगदान एवं जिम्मेदारी पूर्वक समय से पूर्व जनगणना का कार्य पूर्ण करने के उपलक्ष में अनुविभागीय अधिकारी रवीश श्रीवास्तव एवं तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी डॉक्टर अंबर पंथी सहायक चार्ज जनगणना अधिकारी हेमराज मेहर द्वारा सर्वप्रथम एचएलबीएस का कार्य शत् प्रतिशत पूर्ण करने पर प्रगणक एवं सुपरवाइजर्स को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर एवं फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया, उक्त कार्य में सभी फील्ड ट्रेनर्स साहबान एवं पटवारियों का भी सराहनीय योगदान रहा। विशेष रूप से सुपरवाइजर पंचम सिंह राय, देवकी कुर्मी, प्रमोद अहिरवार, वीरेंद्र सिंह यादव, शिवकुमारी ठाकरे, एवं प्रगणक कृतिका पांडे, नीरज जैन, हरिकांत तिवारी, सुरेंद्र शिवांगी गोस्वामी, प्रियंका राजपूत, सीमा जैन, शिव मोहन माथुर, रौनक ताम्रकार के द्वारा सराहनीय कार्य किया गया इनके सहयोग हेतु सहायक नोडल अधिकारी दीपक गोस्वामी फील्ड ट्रेनर्स कमल पांडे, विवेक पाठक, हेमंत बघेली, मुकेश कुमार दुबे, अखिलेश अवस्थी एवं टेक्नीशियन चंचल श्रीवास्तव सत्येंद्र कुमार यादव द्वारा सहयोग किया गया।चार सुपरवाइजर ने अपनी सर्किल का हंड्रेड प्रतिशत कार्य पूर्ण किया एवं 10 प्रगणक द्वारा भी 100% कार्य पूर्ण किया गया। टेक्नीशियन अभिषेक जर्मन का भी सम्मान किया गया।

जनगणना 2027 कार्य में तेजी लाने के निर्देश, संयुक्त कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

सागर। संयुक्त कलेक्टर विजय डेहरिया द्वारा मंगलवार को नगर पालिका परिषद मकरोनिया के सभाकक्ष में जनगणना 2027 के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मकरोनिया क्षेत्र अंतर्गत संचालित मकान जनगणना कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य में तीव्र गति लाने के निर्देश दिए गए।बैठक में जनगणना पर्यवेक्षक, प्रगणक तथा वे अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे जिनका कार्य अभी अधूरा है।

मकरोनिया नगर पालिका सभाकक्ष में हुई बैठक, अधूरे कार्य शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

संयुक्त कलेक्टर श्री डेहरिया ने सभी संबंधित कर्मचारियों को निर्धारित समय सीमा में शेष कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए जनगणना कार्य को गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादित करने की बात कही।इस दौरान नगर पालिका परिषद मकरोनिया के विभिन्न विभागों एवं शाखाओं का भी संयुक्त कलेक्टर द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालयीन व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

तहसीलदार से लेकर कलेक्टर तक शिकायत, संयुक्त कलेक्टर के निर्देश के बाद भी नहीं कटीं शाखाएं; आवागमन और फसल दोनों प्रभावित

शासकीय रास्ते पर पेड़ों की शाखाएं बनीं खतरा, दो साल से कार्रवाई का इंतजार

सत्ता सुधार ■ सागर

सागर जिले की देवरी तहसील अंतर्गत ग्राम घुघरी में शासकीय रास्ते पर लगे शीशम के पेड़ों की फैली शाखाएं ग्रामीणों और किसानों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं। ग्राम निवासी किसान श्याम सुंदर कटारे पिछले लगभग दो वर्षों से इन शाखाओं की कटाई कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। इससे प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, ग्राम घुघरी निवासी श्याम सुंदर कटारे पिता केशवराम कटारे ने पहली बार 8 अप्रैल 2024 को तहसीलदार देवरी को आवेदन देकर बताया था कि शासकीय रास्ता खसरा नंबर 112 पर शासन द्वारा लगाए गए शीशम के वृक्ष अत्यधिक बड़े हो चुके हैं और उनकी शाखाएं सड़क तक फैल गई हैं। शाखाओं के कारण राहगीरों, ग्रामीणों, किसानों और स्कूली बच्चों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं समीप स्थित उनके खेत खसरा नंबर 132 में खड़ी फसल को भी नुकसान पहुंच रहा है।

किसान ने बताया कि पेड़ों की शाखाएं नीचे तक झुक गई हैं, जिससे कभी भी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। इसके बाद 20 दिसंबर 2024 को उन्होंने पुनः तहसीलदार कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया। मामले में पटवारी द्वारा पंचनामा तैयार कर प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत की सहमति और जनपद सदस्य की अनुशंसा भी शामिल थी, लेकिन इसके बावजूद कार्रवाई नहीं की गई।

लगातार अनदेखी से परेशान होकर श्याम सुंदर कटारे ने 13 जनवरी 2026 को कलेक्टर सागर को लिखित शिकायत भेजी। शिकायत में उन्होंने उल्लेख किया कि ग्राम घुघरी से बारह तक

प्रधानमंत्री सड़क बनी हुई है, जिस पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं कृषकों का आवागमन होता है। सड़क किनारे लगे वृक्षों की शाखाएं अब रास्ते पर फैल चुकी हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कार्यालय सागर से 18 मार्च 2026 को अनुविभागीय दंडाधिकारी देवरी को पत्र जारी किया गया। संयुक्त कलेक्टर द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि शिकायत में उल्लेखित तथ्यों पर नियमानुसार कार्रवाई कर सात दिवस के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि शाखाओं के कारण ग्रामीणों, कृषकों, स्कूली बच्चों एवं राहगीरों को गंभीर असुविधा हो रही है और शाखाओं की तत्काल कटाई आवश्यक है।

इसके बावजूद ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक न तो शाखाएं काटी गई और न ही समस्या का स्थायी समाधान किया गया। किसान श्याम सुंदर कटारे का कहना है कि कई बार शिकायत और पत्राचार के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी केवल आश्वासन दे रहे हैं।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को देखते हुए शीघ्र कार्रवाई कर सड़क पर फैली शाखाओं की कटाई कराई जाए, ताकि आवागमन सुरक्षित हो सके और किसानों की फसल को हो रहे नुकसान से राहत मिल सके। अब लोगों की नजर प्रशासन पर टिकी है कि कलेक्टर स्तर से निर्देश जारी होने के बाद आखिर कब तक इस समस्या का समाधान हो पाता है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी ग्राम पंचायत छुल्ला

सचिव और रोजगार सहायक पर गंभीर आरोप, कागजों में हो रहे विकास कार्य

सत्ता सुधार ■ रहली(सागर)

जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत छुल्ला इन दिनों भ्रष्टाचार के दलदल में फंसी नजर आ रही है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में पदस्थ सचिव अरुण जीत सिंह राजपूत और ग्राम रोजगार सहायक शिवकांत पाण्डेय पर विकास कार्यों में भारी हेराफेरी और गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। आलम यह है कि सरकारी योजनाओं का पैसा जनता तक पहुँचने के बजाय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है।

भ्रष्टाचार के सात मुख्य बिंदु: जिनकी जांच अनिवार्य है,शिकायत के आधार पर पंचायत में निम्नलिखित कार्यों में भारी बंदरबांट की गई है:1. जल जीवन मिशनः मिशन के तहत होने वाले कार्यों में गुणवत्ता की अनदेखी कर भारी वित्तीय अनियमितता की गई है।

2. सोकपिट एवं नाडेप निर्माणः धरातल पर कई जगहों पर निर्माण कार्य हुआ ही नहीं है, लेकिन कागजों में इन्हें पूर्ण बताकर राशि निकाल ली गई है।

3. कपिल धारा कूप योजनाः सबसे चौंकाने वाला मामला पुराने कुओं को नया बताकर राशि आहरण करने का सामने आया है। पुराने ढांचों की लिपाई-पुताई कर शासन को लाखों का चूना लगाया गया है।

4. सीसी रोड एवं नाली निर्माणः निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है, जिससे सड़कें और नालियां बनने के साथ ही टूटने लगी हैं।

5. सार्वजनिक चबूतराः सार्वजनिक उपयोग के लिए बनने वाले चबूतरों के निर्माण में भी धांधली बरती गई है।

6. मनरेगा में बड़ा फर्जीवाड़ाः मनरेगा के तहत सार्वजनिक कृषक सिंचाई कूपों का निर्माण बिना स्वीकृति के निजी स्थलों पर कराया गया है। कई मामलों में तो कार्य स्थल पर कोई काम हुआ ही नहीं और राशि निकाल ली गई।पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए ग्रामीणों ने बताया कि निर्वाचित सरपंच ग्राम में निवास नहीं करते हैं। उनकी अनुपस्थिति का फायदा उठाकर सारा कार्यभार उपसरपंच प्रदीप कुर्मी द्वारा संचालित किया जा रहा है। आरोप है कि सचिव, सहायक सचिव और उपसरपंच की मिलीभगत से ही पंचायत में भ्रष्टाचार का यह खेल धड़ल्ले से चल रहा है। 'हमने प्रशासन से गुहार लगाई है कि ग्राम पंचायत छुल्ला में हुए और वर्तमान में चल रहे समस्त निर्माण कार्यों की उच्च स्तरीय जांच की जाए। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो ताकि सरकारी धन का दुरुपयोग रुक सके। 'अब देखना यह है कि जिला प्रशासन और जनपद पंचायत के आला अधिकारी इस गंभीर शिकायत पर क्या कदम उठाते हैं या भ्रष्टाचार का यह सिलसिला यूं ही जारी रहेगा।

मुख्यालय से गायब रहते हैं जिम्मेदार

ग्रामीणों का सबसे बड़ा आरोप यह है कि सचिव और सहायक सचिव मुख्यालय पर निवास नहीं करते हैं। नियमानुसार उन्हें पंचायत में उपस्थित रहना चाहिए, लेकिन वे महीने में मात्र 2 से 3 दिन ही पंचायत आते हैं। जिम्मेदारों की अनुपस्थिति के कारण ग्रामीणों को अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए भटकना पड़ता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मिले जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी, प्रशिक्षण वर्ग हेतु किया आमंत्रित

कुश समाज कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रभुदयाल कुशवाहा के पदभार ग्रहण समारोह में हुए शामिल

सत्ता सुधार ■ सागर

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने मंगलवार को भोपाल पहुंचकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से सौजन्य भेंट की तथा आगामी 17 एवं 18 मई को सागर में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने हेतु आत्मीय आमंत्रण प्रदान किया। भेंट के दौरान जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों,व्यवस्थाओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर प्रशिक्षण वर्ग को सुव्यवस्थित, प्रभावी एवं सफल बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही नेता द्वय ने संगठनात्मक विषयों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रशिक्षण वर्ग के आमंत्रण को आत्मीयता के साथ स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में शामिल होने हेतु आश्वस्त किया। उन्होंने प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों की सराहना करते हुए आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं।जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि भोपाल प्रवास के दौरान जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी नवनियुक्त कुश समाज कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रभुदयाल कुशवाहा के पदभार ग्रहण समारोह में भी शामिल हुए।

इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त अध्यक्ष प्रभुदयाल कुशवाहा को आत्मीय शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की।

निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति समीक्षा, गुणवत्ता परीक्षण, तकनीकी मूल्यांकन को लेकर मुख्य अभियंता एवं आईक्यूएम एक्सपर्ट ने किया निरीक्षण

सत्ता सुधार ■ खुरई(सागर)

नगर के निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति समीक्षा, गुणवत्ता परीक्षण, तकनीकी मूल्यांकन एवं परियोजना प्रबंधन संबंधी विषयों का को लेकर मुख्य अभियंता एवं आईक्यूएम एक्सपर्ट से.नि. माजिद खान द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न निर्माण स्थलों का स्थल निरीक्षण करते हुए तकनीकी गुणवत्ता एवं कार्य प्रगति का सूक्ष्म परीक्षण किया। इस दौरान दुबे कॉलोनी सीसी रोड, गौशाला पहुंच मार्ग सीसी रोड तथा गूलर रोड स्थित गुरुकुल विद्यालय के पीछे निर्मित सीसी रोड का जायजा लिया। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु कोर कटिंग टेस्ट, रिबाउंड हैमर टेस्ट, सड़क की मोटाई (थिकनेस), चौड़ाई, केम्बर एवं अन्य तकनीकी मानकों की जांच कर संबंधित परीक्षण रिपोर्ट एकत्रित कर उनका परीक्षण किया गया। साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने, तकनीकी मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने एवं समयसीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर सहायक यंत्री अविनाश रावत एवं उपयंत्री कपिल मोर के द्वारा निरीक्षण दल को निर्माण कार्यों की विस्तृत तकनीकी जानकारी प्रस्तुत की गई। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति, उपयोग में लाई जा रही निर्माण तकनीकों, गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं एवं कार्यों के चरणबद्ध क्रियान्वयन से अवगत कराय। रावत ने परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि सभी निर्माण कार्य शासन द्वारा निर्धारित मानकों एवं तकनीकी दिशा-निर्देशों के अनुरूप कराए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान पीडीएमसी आर.ई. आकाश चौहान, पीडीएमसी ए.आर.ई. दीपक, अमृत परियोजना से इंजीनियर कैलाश अहिरवार, पीडीएमसी फील्ड इंजीनियर्स शिवेंद्र गौर, देवेंद्र अहिरवार, शुभम पाल सहित संबंधित निर्माण एजेंसी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ।

पुलिस की अवैध शराब के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही, 67 हज़ार की शराब जप्त की, दो आरोपी गिरफ़्तार

सत्ता सुधार ■ खुरई(सागर)

अवैध शराब के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना खुरई शहर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर व एसडीओपी प्रवीण अष्ठाना के नेतृत्व में पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए कार से दो आरोपियो सहित बड़ी मात्रा में अवैध शराब पकड़ी है। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति आई-20 कार से अवैध रूप से शराब लेकर खुरई तरफ आ रहे है। टीम ने मौके पर पहुंच कर कार रोककर चैक किया। कार में सुरेन्द्र उर्फ राजा पिता जयराम अहिरवार उम्र 25 साल, धर्मेन्द्र पिता जमना अहिरवार उम्र 22 साल दोनो निवासी अब्दुल हमीद वार्ड बैठे मिले। कार की डिग्गी को खुलवा कर चैक करने पर 10 पेटी सागर गोल्ड लाल मसाला कुल 500 पांव एवं कार की बीच वाली सीट पर 05 पेटी देशी मदिरा प्लेन शराब कुल 250 पांव कुल शराब 135 लीटर कीमती 67500/- रूपये की अवैध रूप से परिवहन करते पाये जाने पर आरोपियो के कब्जे से विधिवत जप्ती कार्यवाही कर गिरफ्तारी की गई। साथ ही परिवहन में उपयोग की गई आई-20 कार लाल रंग की जिसका रजिस्ट्रेशन कमांक एमपी 04 सीक्यू 9381 कीमती 04 लाख रूपयें जप्त की। आरोपियों के खिलाफ धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र सिंह दांगी, सउनि. पदम सिंह , प्रधान आरक्षक राजा बेदी, आरक्षक धरम दास कुशवाहा, धीरेन्द्र सिंह राजावत, सोनू राज, नितिन दुबे शामिल रहे। साथ ही पुलिस ने बताया कि पुलिस की इस प्रभावी कार्यवाही से क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त तत्वों पर अंकुश लगाने में सफलता प्राप्त हुई है। सागर पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार सख्त एवं प्रभावी कार्यवाही जारी रहेगी।

कार्रवाई — अव्यवस्थित संचालन, सड़क जाम और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर सख्त कदम

15 वर्ष पुरानी यात्री बस का पंजीयन निरस्त, तीन बसों पर परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई

सत्ता सुधार ■ सागर

परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश ग्वालियर एवं कलेक्टर सागर के निर्देशानुसार क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय सागर द्वारा ओवरलोडिंग, अधिक किराया वसूली, परमिट शर्तों के उल्लंघन तथा टैक्स बकाया यात्री बसों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को परिवहन विभाग ने विभिन्न यात्री बसों पर सख्त कार्रवाई की।क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सागर ने जानकारी देते हुए बताया कि यात्री बस क्रमांक MP04PA2147 15 वर्ष से अधिक पुरानी हो चुकी थी। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उक्त बस का पंजीयन निरस्त कर दिया गया है तथा वाहन को स्क्रैप किए जाने के आदेश जारी किए गए

हैं।सड़क सुरक्षा समिति सागर की बैठक में राहतगढ़ बस स्टैंड को बंद करने का निर्णय लिया गया था। इसके बावजूद राहतगढ़ बस स्टैंड से संचालित होने वाली कुछ बसें आसपास की सड़कों पर अव्यवस्थित ढंग से खड़ी की जा रही थीं, जिससे यातायात बाधित होने एवं दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी।इसी के चलते 12 मई 2026 को चेकिंग अभियान के दौरान यात्री बस क्रमांक MP09FA6938 एवं MP04 PA2421 सड़क पर अव्यवस्थित रूप से खड़ी पाई गई। परिवहन विभाग ने दोनों बसों को जप्त कर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय सागर परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया है।विभाग द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान यात्री बस क्रमांक MP15PA0203 भी 15 वर्ष से अधिक पुरानी पाई गई, जो मंजिली गाड़ी के रूप में संचालित हो रही थी। उक्त वाहन को भी जप्त कर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय परिसर में सुरक्षित रखा गया है।

खुरई में एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव संपन्न, 122 प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में कैद

खुरई(सागर)। मध्यप्रदेश स्टेट बार काउंसिल के चुनाव को लेकर प्रदेश भर में उत्साह का माहौल है। इसी कड़ी में मंगलवार को खुरई न्यायालय परिसर में भी वकीलों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला । खुरई अधिवक्ता संघ के कुल 157 सदस्यों में से 123 सदस्यों ने उत्साह के साथ वोट डाले। इस बार चुनाव में कुल 122 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

खुरई में मतदान की प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण रही। शाम 5 बजे मतदान खत्म होने के साथ ही प्रत्याशियों का चुनावी भविष्य अब मतपेटियों में बंद हो गया है। अब सभी की नजरें चुनावी नतीजों पर टिकी हैं।

ब्रीफ न्यूज

प्रमोद शर्मा सामाजिक न्याय विभाग में विधायक प्रतिनिधि मनोनीत

जौरा। वरिष्ठ एवं सक्रिय कांग्रेसी कार्यकर्ता प्रमोद कुमार शर्मा पम्मी को सामाजिक न्याय विभाग में विधायक पंकज उपाध्याय द्वारा अपना प्रतिनिधि बनाया गया है। विधायक पंकज उपाध्याय की तरफ से जारी पत्र में लिखा है कि सामाजिक न्याय विभाग की समस्त समन्वय कार्य बैठक सम्मेलनों के लिए 1 वर्ष के लिए प्रमोद शर्मा को अपना प्रतिनिधि मनोनीत किया है। इस आशय का एक पत्र भी सामाजिक न्याय विभाग को भी विधायक की तरफ से भेजा गया है। विधायक प्रतिनिधि बनने पर प्रमोद शर्मा ने विधायक पंकज उपाध्याय का आभार व्यक्त किया है। वहीं उनके प्रतिनिधि बनने पर शुभचिंतको मित्रों ने श्री शर्मा को बधाई दी है।

परीक्षा गांव में किसान ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

मुरैना। जिले के माता बसैया थाना क्षेत्र अंतर्गत परीक्षा गांव में एक 60 वर्षीय किसान ने बीती रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता मंगलवार अल सुबह उस समय चला, जब मृतक के छोटे भाई की बेटी पेपर देने के लिए जल्दी उठी और उसने किसान को फंदे पर लटका देखा। घटना सामने आते ही घर में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार परीक्षा गांव निवासी हुकुम सिंह पुत्र देवलाल सिंह तोमर (60) ने अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों द्वारा तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही माता बसैया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल मुरैना भेजा, जहां मंगलवार दोपहर कानूनी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों के अनुसार मृतक किसान का एक बेटा है, जो बाहर मजदूरी करता है। बेटे और बहू के गांव पहुंचने के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

जनगणना प्रथम चरण का कार्य पूर्ण करने पर सुपरवाइजर को किया सम्मानित

जौरा। जनगणना के कार्य में लगे सुपरवाइजर को जिले भर में सबसे पहले कार्य करने पर सम्मानित किया गया है। जौरा तहसील में जनगणना के कार्य में लगे सुपरवाइजर रामकुमार धाकड़ ने जिले भर में सर्वप्रथम सभी प्रगणकों से पहले जनगणना के प्रथम चरण का कार्य पूरा किया है। उनकी इस मेहनत भारी सक्रिय उपलब्धि पर जौरा तहसील के जनणनाचार्य अधिकारी बालकृष्ण मिश्र ने शॉल-श्रीफल के साथ सुपरवाइजर धाकड़ का सम्मान किया गया। इस दौरान नायब तहसीलदार राजभान सिंह कुशवाहा, केके शर्मा सहित अन्य राजस्व अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

नगर निगम एवं प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान, बाजारों में मची अफरा-तफरी

विरोध के बावजूद हटाए गए कब्जे, हाथ ठेले और सामान जब्त कर ले गई निगम टीम

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शहर में लंबे समय बाद मंगलवार को नगर निगम एवं जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अचानक शुरू हुए इस अभियान से शहर के प्रमुख बाजारों में अफरा-तफरी और कोहराम की स्थिति बन गई। प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान दुकानदारों, व्यापारियों और फुटपाथ कारोबारियों में हड़कंप मच गया। कई स्थानों पर प्रशासनिक अधिकारियों और व्यापारियों के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली, लेकिन विरोध के बावजूद प्रशासन ने कार्रवाई जारी रखी। अभियान का नेतृत्व अपर कलेक्टर एवं तहसीलदार द्वारा किया गया। नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल, कर्मचारियों तथा जेसीबी मशीनों के साथ शहर के मुख्य बाजारों और प्रमुख मार्गों पर पहुंची और सड़क

किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाना शुरू कर दिया। कार्रवाई इतनी अचानक हुई कि हाथ ठेला संचालक, फुटपाथ व्यापारी और दुकानदार संभल भी नहीं पाए और निगम कर्मचारियों ने कई स्थानों से सामान जब्त कर वाहनों में भर लिया।

सबसे अधिक तनावपूर्ण स्थिति बिहारी जी मंदिर के सामने स्थित सराफा मार्केट में देखने को मिली, जहां व्यापारियों ने कार्रवाई का विरोध किया। व्यापारियों का कहना था कि बिना पूर्व सूचना दिए अचानक कार्रवाई करना उचित नहीं है। इस दौरान कुछ देर के लिए माहौल गरमा गया और प्रशासनिक अधिकारियों एवं व्यापारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। हालांकि पुलिस बल की मौजूदगी के चलते स्थिति नियंत्रण में रही और प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रखी। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद शहर के कई प्रमुख बाजारों की सड़कें चौड़ी और साफ दिखाई देने लगीं। लंबे समय से सड़क किनारे फैले अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही थी। लोगों को पैदल निकलने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बाजारों में हर समय जाम जैसी स्थिति बनी रहती थी, जिससे आम नागरिकों को भारी दिक्कतें उठानी पड़ती थीं।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि यदि नियमित रूप से इस प्रकार अभियान चलाया जाए तो शहर की यातायात व्यवस्था में काफी सुधार हो सकता है। वहीं दूसरी ओर कई छोटे व्यापारियों और ठेला संचालकों ने कार्रवाई पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि रोजी-रोटी के लिए वे सड़क किनारे व्यापार करने को मजबूर हैं और प्रशासन को उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। गौरतलब है कि यह अतिक्रमण हटाओ अभियान कई महीने पहले प्रस्तावित था, लेकिन किसी कारणवश लगातार टलता रहा। मंगलवार को अचानक शुरू हुई कार्रवाई ने पूरे शहर में चर्चा का विषय बना दिया। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि शहर कब तक अतिक्रमण मुक्त रहेगा। क्योंकि पूर्व में भी कई बार ऐसे अभियान चलाए गए, लेकिन कुछ समय बाद दोबारा सड़क किनारे कब्जे होने लगे थे। फिलहाल प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए आगे भी लगातार अभियान चलाया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खड़ी फसल काटे जाने के मामले में फरियादी पहुंचा एसपी ऑफिस, कार्रवाई की लगाई गुहार

सत्ता सुधार ■ मुरैना

खेड़ा मेवदा गांव में खड़ी फसल काटे जाने के मामले में कार्रवाई नहीं होने से परेशान एक फरियादी मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और न्याय की गुहार लगाई। फरियादी ने पुलिस पर मामले को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार रसीलपुर निवासी विनोद कुमार पुत्र छोटेलाल पचौरी ने बताया कि उसके खेत में खड़ी फसल को अज्ञात लोगों द्वारा जबरन काट लिया गया। इस संबंध में उसने माता बसैया थाना में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। फरियादी का आरोप है कि पुलिस ने न तो फसल काटने वाले लोगों की पहचान करने का प्रयास किया और न ही उसे उसकी फसल वापस दिलाने के लिए कोई कदम उठाया। पीड़ित ने एक तहसीलदार नामक व्यक्ति पर भी मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। विनोद कुमार का कहना है कि शिकायत के बावजूद लगातार मामले को टाला जा रहा है, जिससे वह मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान है। कार्रवाई नहीं होने से नाराज होकर वह मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे एसपी ऑफिस पहुंचा और पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

अगर ले-देकर ही काम होता है तो ये टॉफियां रख लीजिए.... मासूम की बात सुन जनसुनवाई में छा गया सन्नाटा

सीवर की बदबू और गंदे पानी से परेशान नौ वर्षीय बच्चे ने अनोखे अंदाज में प्रशासन से लगाई गुहार

सत्ता सुधार ■ मुरैना

जिला कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई उस समय भावुक और चर्चा का विषय बन गई, जब एक नौ वर्षीय मासूम छात्र ने अपनी समस्या के समाधान के लिए ऐसा तरीका अपनाया कि अधिकारी भी कुछ पल के लिए सन्न रह गए। छठवीं कक्षा में पढ़ने वाले मानवेंद्र सिंह ने जिला पंचायत सीईओ कमलेश भार्गव की टेबल पर चार टॉफियां रखते हुए कहा ÷श्रीमान, अगर कुछ ले-देकर ही काम करना है तो ये टॉफियां रख लीजिए, लेकिन हमारी शिकायत सुन लीजिए।÷ मासूम बच्चे की यह बात सुनते ही जनसुनवाई कक्ष में मौजूद अधिकारी, कर्मचारी और अन्य फरियादी भी हैरान रह गए। बच्चे की मासूमियत में छिपी व्यवस्था पर तीखी टिप्पणी ने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया।

जानकारी के अनुसार संजय कॉलोनी

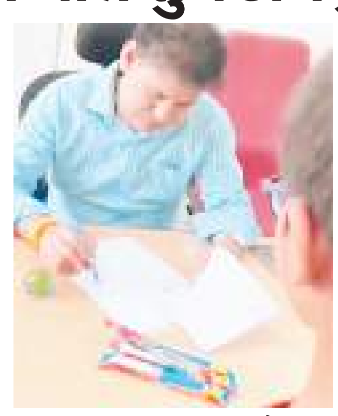

निवासी मानवेंद्र सिंह मंगलवार को अपनी समस्या लेकर जनसुनवाई में पहुंचा था। मानवेंद्र ने अधिकारियों को बताया कि उसकी कॉलोनी में पंडित चक्की के पास पिछले करीब दो महीने से गंदा पानी भरा हुआ है। कॉलोनी में एक पड़ोसी द्वारा बोरिंग कराने के दौरान सीवर लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके बाद से लगातार गंदा पानी गली में फैल रहा है। सीवर की बदबू और कीचड़ के कारण स्थानीय लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है और बच्चों को स्कूल आने-जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

मानवेंद्र ने बताया कि गली में हालात इतने खराब हैं कि पैदल निकलना तक मुश्किल हो गया है। बरसों पुरानी सड़क अब गंदे पानी और कीचड़ से दलदल जैसी बन गई है। बदबू के कारण आसपास के घरों में रहना मुश्किल हो रहा है और बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। नन्हे शिकायतकर्ता ने जनसुनवाई में बताया कि वह इससे पहले भी पांच मई को आयोजित जनसुनवाई में अपनी शिकायत लेकर पहुंचा था। उस समय अधिकारियों ने नगर निगम की टीम भेजकर समस्या का समाधान कराने का भरोसा दिया था, लेकिन कई दिन गुजरने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी बात से नाराज होकर वह इस बार चार टॉफियां लेकर पहुंचा और व्यंग्यात्मक अंदाज में अधिकारियों से कहा कि यदि ÷ले-देकर÷ काम होता है तो वे ये टॉफियां रख लें, लेकिन उसकी समस्या का समाधान करवा दें। बच्चे की बात सुनकर जिला पंचायत सीईओ कमलेश भार्गव भी गंभीर हो गए। उन्होंने तत्काल नगर निगम अधिकारियों को फोन लगाकर मामले में तुरंत कार्रवाई करने और सीवर लाइन की मरम्मत कर गली में भरे गंदे पानी की समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बच्चे को भरोसा दिलाया कि जल्द ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंचकर समस्या का निराकरण करेगी।

इस घटना के बाद जनसुनवाई में मौजूद लोगों के बीच चर्चा का माहौल बना रहा। लोगों का कहना था कि यदि अधिकारियों द्वारा समय पर शिकायतों का निराकरण किया जाए तो आम नागरिकों, खासकर बच्चों को इस प्रकार विरोध दर्ज कराने की आवश्यकता ही न पड़े। कई लोगों ने मासूम बच्चे की हिम्मत और समझदारी की सराहना भी की। मानवेंद्र की यह पहल कहीं न कहीं प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करती नजर आई। एक छोटे बच्चे द्वारा ÷रिश्वत÷ के प्रतीक के रूप में टॉफियां देना इस बात का संकेत है कि समाज में भ्रष्टाचार और काम में देरी की छवि किस हद तक लोगों के मन में बैठ चुकी है। मासूम की यह गुहार अब शहरभर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

मप्र अग्रवाल महिला महासभा की बैठक आयोजित

सत्ता सुधार ■ कैलारस

नगर की पुरानी अग्रवाल धर्मशाला में मप्र अग्रवाल महिला महासभा की बैठक आयोजित की गई। इसका शुभारंभ आरती गोयनर ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। बैठक के मुख्य अतिथि अग्रवाल महासभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सोनू बंसल थे। मातृशक्ति ने पुष्पमाला एवं शॉल भेंट कर उनका स्वागत किया। बैठक में महिला महासभा की प्रदेशाध्यक्ष मीना बंसल, प्रदेश उपाध्यक्ष लता गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष मीना अग्रवाल व प्रदेश महिला उपाध्यक्ष नीतू अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

इस मौके पर मुख्य अतिथि सोनू बंसल ने महिला महासभा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज की प्रगति में महिलाओं की भूमिका सर्वोपरि है। प्रदेशाध्यक्ष मीना बंसल ने कहा कि नारी अब अबला नहीं, सबला है। उन्होंने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आव्हान किया। बैठक में किरण अग्रवाल, विनीता बंसल, खुशबू मंगल, रजनी गोयल, शशि गोयल, सीता गोयल, ममता गोयल, कमली सिंघल, रेणु बंसल, नीतू गोयनर, निर्मला बंसल, शशि गोयनर, मंजू गोयनर आदि मौजूद थीं। इस मौके पर समाज की उन्नति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसे ज्वलंत विषयों पर गहन चर्चा की गई।

सीएमओ सबलगढ़ ने सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

मिडिल स्कूल के सामने सुदामापुरी के बगल स्थित नाला निर्माण के दिये निर्देश

मुरैना। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देश पर नगर पालिका सबगलढ़ के सीएमओ सौरभ कुमार ने मंगलवार को सुबह नगर में सफाई व्यवस्था, गंदी गलियों एवं नाले नालियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बतासे वाली गली के अंदर बनी गंदी गली में 2 दिन से चल रही सफाई देखी और संबंधित ठेकेदार को सीसी खरंजा हेतु निर्देशित किया। उन्होंने शासकीय जीनफील्ड स्कूल के पास स्थित नाले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जल्द से जल्द नाले के निर्माण कार्य हेतु सम्बंधित को निर्देश दिए। तत्पश्चात् वार्ड नंबर 11 पिपरघान रोड़ से निकलने वाले नाले की विशेष साफ सफाई के निर्देश स्वच्छता निरीक्षक को दिये। उन्होंने वार्ड में मौजूद लोगों की जलभराव एवं सफाई की समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिलाया। वार्ड नंबर 14 खार नाले की पुलिया के पास महीनों से जमा गोबर और कचरे को मौके पर खड़े होकर जेसीबी के माध्यम से ट्रेक्टर-ट्रॉली में भरवाकर साफ-सफाई करवाई गई। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता निरीक्षक भरोषी जाटव एवं नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

चार महीने से वेतन नहीं मिलने पर नाराज़ सफाई कर्मचारी, मुरैना में सफाई व्यवस्था ठप्प होने का बढ़ा खतरा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

नगर निगम क्षेत्र में एक बार फिर सफाई व्यवस्था पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों को पिछले लगभग चार महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। कर्मचारियों में बढ़ती नाराजगी के चलते शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका भी तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार नगर निगम में कार्यरत नियमित एवं आउटसोर्स सफाई कर्मचारी लंबे समय से वेतन भुगतान की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें भुगतान नहीं मिल सका है। कर्मचारियों का कहना है कि लगातार चार महीने तक वेतन नहीं मिलने से परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। बच्चों की स्कूल फीस, राशन, बिजली बिल और दैनिक जरूरतों को पूरा करना उनके लिए बड़ी चुनौती बन गया है। सूत्रों के मुताबिक नगर निगम प्रशासन द्वारा निर्माण कार्यों से जुड़े ठेकेदारों के भुगतान किए जा रहे हैं, जबकि शहर को स्वच्छ रखने वाले सफाई कर्मचारियों की समस्याओं की ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा। इसे लेकर कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि वे लगातार अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए शहर को स्वच्छ रखने में जुटे हैं, लेकिन बदले में उन्हें समय पर वेतन तक नहीं मिल पा रहा। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही वेतन भुगतान नहीं किया गया तो वे आंदोलन और हड़ताल का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। यदि सफाई कर्मचारी हड़ताल पर जाते हैं तो शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है। जगह-जगह कचरे के ढेर लगने, नालियों की सफाई प्रभावित होने और गंदगी फैलने से आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। गर्मी के मौसम में गंदगी बढ़ने से बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। शहरवासियों का कहना है कि नगर निगम प्रशासन को इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान निकालना चाहिए ताकि सफाई कर्मचारियों को उनका लंबित वेतन मिल सके और शहर की सफाई व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रहे। वहीं अब सभी की निगाहें नगर निगम प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

सरकारी शिक्षकों द्वारा संचालित कोचिंग सेंटरों के खिलाफ निजी संचालकों ने खोला मोर्चा

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शहर में सरकारी शिक्षकों द्वारा निजी कोचिंग संचालित किए जाने के आरोपों को लेकर मंगलवार को निजी कोचिंग संचालकों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रशासन को आवेदन सौंपा। संचालकों ने सरकारी शिक्षकों पर स्कूलों में बच्चों को बेहतर ढंग से पढ़ाई नहीं कराने और कोचिंग के लिए छात्रों को प्रलोभन देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

निजी कोचिंग संचालकों का कहना है कि कई सरकारी शिक्षक स्कूल समय के बाद बड़े स्तर पर निजी कोचिंग चला रहे हैं, जहां एक-एक बैच में करीब 100 से 200 छात्र-छात्राओं को पढ़ाया जा रहा है। उनका आरोप है कि कुछ शिक्षक छात्रों को गिफ्ट और अन्य प्रकार के प्रलोभन देकर अपने कोचिंग सेंटरों तक बुलाते हैं। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि विद्यार्थियों को

प्रयोगात्मक और प्रोजेक्ट कार्यों में अधिक अंक दिलाने का लालच देकर कोचिंग में प्रवेश कराया जाता है। साथ ही छात्रों से मनमाने तरीके से फीस वसूले जाने की शिकायत भी की गई है।

कोचिंग संचालकों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों से निजी और सरकारी शिक्षकों के बीच विवाद की स्थिति बन सकती है, जिससे कभी भी तनाव या टकराव की संभावना पैदा हो सकती है। इसी मामले को लेकर निजी कोचिंग संचालकों ने जिला शिक्षा अधिकारी, कमिश्नर एवं कलेक्टर को आवेदन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वाले शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक गोपाल श्रीवास्तव के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, बाराघाटा इंडस्ट्रीयल एरिया प्लाट नं. 12ए झांसी रोड ग्वालियर से मुद्रित एवं गाँधी नगर, बस स्टैंड के पास, भिण्ड से प्रकाशित। संपादक - गोपाल श्रीवास्तव। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, भोपाल ऑफिस-0755-4002626, 4939910, आरएनआई नं. एमपीएचआईएन/2008/28334 विधिक सलाहकार श्री राजेंद्र जैन, एडवोकेट। शिकायत एवं सुझाव हेतु संपर्क करें-6261052058, ई मेल- sattasudhar@gmail.com* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।

सत्ता सुधार

सोने की खरीद टालें, पेट्रोलियम पदार्थ कम उपयोग करें, पीएम नरेंद्र मोदी की इस अपील पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर जारी बयान में कहा कि अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के विरुद्ध जारी युद्ध समाप्ति की अनिश्चितता के कारण ऊर्जा संकट व विदेशी मुद्रा भंडार की चिंताओं को देखते हुए प्रधानमंत्री ने देश के लोगों से संयम बरतने की अपील की है।

खेती अब बन रही लाभ का धंधा: कम लागत में कमा रहे अधिक मुनाफा

मक्के की खेती से यूपी के किसान हो रहे मालामाल

किसान खेती के दम पर भविष्य की योजनाएं बना रहे

मक्का विकास योजना में 150 रु. प्रति किलो अनुदान

जायद सीजन में मक्के का रकबा साल दर साल बढ़ रहा

आलू बेल्ट के खेतों में पूर्वांचल और बुंदेलखंड की तरह धूल उड़ती नहीं दिखती है, बल्कि हर तरफ मक्के की फसल की हरियाली

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

आलू बेल्ट में तीखी धूप के बाद भी खेतों में हर तरफ हरियाली दिखती है। यह हरियाली मक्के की फसल की है, जो आलू से तबाह हुए किसानों के चेहरे पर संतोष का भाव ला रही है। उन्हें भरोसा है कि मक्के की फसल से न सिर्फ आलू का घाटा पूरा होगा बल्कि वे मालामाल होंगे। क्योंकि इस खेती में लागत नाम मात्र की लगी है। आलू बेल्ट के खेतों में पूर्वांचल और बुंदेलखंड की तरह धूल उड़ती नहीं दिखती है, बल्कि हर तरफ मक्के की फसल की हरियाली है। मक्के के एक-एक पौधे में दो से तीन बालियां दिखती हैं। किसान इस खेती के दम पर भविष्य की योजनाएं बना रहे हैं। फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरैया, कानपुर देहात सहित आसपास के जिलों में जहां आलू ने किसानों के सपने चकनाचूर कर दिए हैं, वहां अब मक्के ने हिम्मत दी है।

आलू की खोदाई होते ही मक्के की बोवनी

फर्रुखाबाद के राजेपुर के किसान राजित सिंह कहते हैं कि आलू की खोदाई होते ही मक्के की बोवनी कर दी। वह भी बिना खाद के। तेज आंधी नहीं आई तो इस बार मक्का मालामाल करेगा। कमालगंज के किसान वीरेंद्र शुक्ला को भी इसी तरह की उम्मीद है। कहते हैं बोवनी के चंद दिनों बाद ही हल्की बारिश हुई। चार की जगह दो बार ही पानी देना पड़ा है। वहीं, बिल्हौर के किसानों को उम्मीद है कि वे मक्के की फसल से अपनी जरूरतें पूरी कर पाएंगे।

मुख्यमंत्री के दौरे के बाद बढ़ा रकबा

छिबरामऊ के किसान राजेंद्र कुमार कहते हैं कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने पिछले वर्ष मक्के का हवाई सर्वे किया था। इसके बाद से विभागीय अधिकारियों ने किसानों को प्रोत्साहित करना शुरू किया। दो साल फायदा भी दिखा। ऐसे में इस वर्ष रकबा बढ़ गया है।

मिल रहा भरपूर अनुदान

त्वरित मक्का विकास योजना में 150 रुपए प्रति किलो अनुदान दिया जा रहा है। इसमें किसानों को बीज पर 15 हजार रु. प्रति क्विंटल अनुदान मिलता है। संकर मक्का और देसी मक्का के साथ ही स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न, और पॉप कॉर्न जैसी प्रजातियों के बीजों पर भी 50 फीसदी तक अनुदान उपलब्ध है। प्रदर्शन कार्यक्रमों में 3,000 से 20,000 रुपए प्रति एकड़ तक का अनुदान प्रदान किया जा रहा है।

साल दर साल बढ़ रहा रकबा

कृषि विभाग के अपर निदेशक डॉ. राजेश कुमार बताते हैं कि जायद सीजन में मक्के का रकबा साल दर साल बढ़ रहा है। वर्ष 2024-25 में 8.65 लाख हेक्टेयर मक्के की फसल का लक्ष्य था, जो 10.85 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है। यह लक्ष्य वर्ष 2027-28 का था। इसी तरह उत्पादन 22.93 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष 30.55 लाख मीट्रिक टन हो गया है। उत्पादकता 26.51 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के सापेक्ष 28.15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर हो गया है।

मक्का से निकल जाता है सालभर का खर्च

कम फसल वाले किसानों को बेचने में दिक्कत नहीं होती है। गांवों में पहुंच रहे खरीदार इसे एथेनॉल उत्पादन, पशु चारा, और मुर्गी पालन उद्योग से जुड़े लोगों तक पहुंचाते हैं। मोहम्मदाबाद के किसान बताते हैं कि कृषि विभाग के अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने मक्के की फसल को लेकर सलाह व प्रशिक्षण दिया। आलू के बाद मक्के की खेती से होने वाली आय अतिरिक्त होती है। आलू में घाटा भी हुआ तो मक्के से सालभर का खर्चा निकल जाता है। खेती के दम पर एक बेटा और दो बेटियां कानपुर में उच्च शिक्षा हासिल कर रही हैं।

सिर्फ जायद सीजन में बढ़ता रकबा

वर्ष	क्षेत्रफल	उत्पादन
2021-22	0.48	1.38
2022-23	0.49	1.42
2023-24	3.03	10.62
2024-25	5.13	17.82

(स्रोत: कृषि विभाग, क्षेत्रफल लाख हेक्टेयर एवं उत्पादन लाख मीट्रिक टन में)

आगरा में हादसा: पुलिस ने पांच को निकाला बाहर

यमुना में डूबे छह युवक युवतियां, चार की मौत

परिजनों में हड़कंप: उपचार के दौरान तीन ने तोड़ा दम

सत्ता सुधार ■ आगरा

आगरा के बल्केश्वर घाट पर मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। भीषण गर्मी में यमुना में डुबकी लगाने के लिए कूदे छह युवक-युवतियां संग एक किशोर डूब गया। इन सभी को एक साथ डूबते हुए देख घाट पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस और गोताखोरों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिया। कड़ी मशक्कत के बाद पांच युवक-युवतियों को यमुना से बाहर निकाल लिया गया। हालत गंभीर होने पर तीन को उपचार के लिए एसएन अस्पताल की इमरजेंसी भेजा गया, जहां दो युवक और एक युवती की मौत हो गई। उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए। वहीं यमुना में दो घंटे की तलाश के बाद किशोर की भी लाश मिल गई। किशोर के शव को देख परिजनों में चीख पुकार मच गई।

बड़ी दुआओं के बाद मिला था एक बेटा: यमुना में लापता विक्की के पिता राकेश ने बताया कि विक्की की बुआ की लड़की का जन्मदिन था। बीती रात को परिवार के सदस्य वहां गए हुए थे। आज लगभग सुबह 11 बजे सभी बच्चे एक साथ बिना बताए यमुना में नहाने गए थे। उन्होंने बताया कि चार बेटियों के बाद बड़ी मन्नत से एक बेटा हुआ था वो भी ऊपर वाले ने छीन लिया।

एक का शव यमुना से गोताखोरों ने निकाला

डीसीपी सिटी सैय्यद अली अब्बास ने बताया कि यमुना में नहाने के लिए 19 वर्षीय महक पुत्री कालीचरण, 22 वर्षीय कान्हा पुत्र रिंकू सिंह, 20 वर्षीय अंशु पुत्री कालीचरण निवासी कुंजनपुर, थाना सादाबाद और 17 वर्षीय रिया पुत्री मनोज, 11 वर्षीय विक्की पुत्र राकेश आए थे। महक, रिया, कान्हा, काजल, अंशु को यमुना नदी से बाहर निकाल लिया गया है। इन सभी को उपचार के लिए एसएन अस्पताल की इमरजेंसी भेजा गया, जहां उपचार के दौरान कान्हा, महक और रिया की मौत हो गई। वहीं विक्की की लाश भी यमुना से निकाल ली गई।

मथुरा का शनिधाम बनेगा आध्यात्म और प्रकृति का अद्भुत संगम

कोकिलावन: पौराणिक वृक्षों और प्राकृतिक सौंदर्य से सजेगा तीर्थ

एजेंसी ■ मथुरा

ब्रज दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अब शनिधाम (कोकिलावन) केवल दर्शन और परिक्रमा का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि आध्यात्म, प्रकृति और शांति का अनोखा अनुभव भी देगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल पर शनिधाम को तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां भक्त पौराणिक वृक्षों की छांव में ठहरने का भी आनंद उठा सकेंगे। यूपी ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ लक्ष्मी नागप्पन के निर्देश पर परिषद, वन विभाग और विकास प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने शनिधाम का दौरा किया। इस दौरान कार्यों की प्रगति देखी।

यहां उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल पर कोकिलावन की पवित्र परिक्रमा को आकर्षक बनाने के लिए मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा व्यापक कार्य किया जा रहा है। परिक्रमा मार्ग पर स्ट्रीट लाइट लगा दी गई है, जिससे श्रद्धालुओं को रात्रि में भी सुविधाजनक दर्शन का अनुभव मिलेगा। यहां विशेष आकर्षण के रूप में पौराणिक वन के बीच टीएफसी बनाने का भी प्रस्ताव है, जिसका निर्माण धर्मार्थ विभाग द्वारा राजकीय निर्माण निगम से कराया जाना प्रस्तावित किया गया है।

विशाल वेटलैंड विकसित करेंगे

यहां 10 हेक्टेयर क्षेत्र में विशाल वेटलैंड विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है। यह कार्य वन विभाग द्वारा कराया जा रहा है। लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में कृष्णकालीन पौराणिक वन तैयार करने की योजना है। इस वन क्षेत्र में उन वृक्षों को लगाया जाएगा, जिनका उल्लेख श्रीकृष्ण लीला और ब्रज संस्कृति में मिलता है। पौराणिक वन का कार्य अगली कार्य योजना के लिए प्रस्तावित है।

फोगाट के बयान पर सांसद का पलटवार, बोले

कोई जाहिल है तो हम लोग उसे सिखा नहीं सकते...

एजेंसी ■ गोंडा

यूपी में गोंडा के नवाबगंज स्थित नंदनी नगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में तीन दिवसीय ओपन सीनियर नेशनल रैंकिंग कुश्ती चैंपियनशिप चल रही है। इसके अंतिम दिन मंगलवार को कैसरगंज सांसद करण भूषण सिंह स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने महिला और पुरुष पहलवानों से परिचय प्राप्त करके प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

इस दौरान सांसद ने विनेश फोगाट के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई 'बेशर्म' जैसे शब्दों का प्रयोग करता है तो यह उसकी मानसिकता को दर्शाता है। कोई जाहिल है तो उसको हम लोग सिखा नहीं सकते। हर किसी को अपनी मर्यादा पता होनी चाहिए। हम लोगों को भी कई बातें बुरी लगती हैं, लेकिन हम कुछ नहीं कहते। सांसद ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से करीब 1400 महिला और पुरुष पहलवान हिस्सा ले रहे हैं। फ्री-स्टाइल और ग्रीको-रोमन दोनों वर्गों की स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने नंदनी नगर के सेमी-डोम इंफ्रास्ट्रक्चर को एशिया के चुनिंदा बेहतर कुश्ती केंद्रों में शामिल बताया।

यूपी: 26 घंटे में तीन हत्याएं करने वाला साइको किलर मुभभेड़ में ढेर

पुलिस ने कहा- आरोपी ने पिस्तौल छीनकर कर दी थी फायरिंग

एजेंसी ■ चंदौली

यूपी में चलती ट्रेन और अस्पताल में तीन हत्याएं करने वाला साइको किलर बीती देर रात 12 बजे पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। चंदौली एसपी आकाश पटेल ने बताया- पुलिस आरोपी को क्राइम सीन रीक्रिएट कराने के लिए लेकर गई थी। इसी दौरान उसने पुलिस अफसर की पिस्टल छीन ली और फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसे सिर और सीने में गोली लग गई।

जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मुठभेड़ शहर से 15 किमी दूर दरियापुर रेलवे लाइन के पास हुई। इसमें दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सेना से रिटायर साइको किलर गुरप्रीत सिंह (45) पंजाब का रहने वाला था। उसने चंदौली में 26 घंटे के भीतर बेवजह तीन हत्याएं की थीं। तीनों वारदातों का पैटर्न एक जैसा था- गोली सीधे कनपटी पर मारी गई थी।

26 घंटे में तीन हत्याएं की थीं

गुरप्रीत ने पहली हत्या रविवार को सुबह 7 बजे पैसेंजर ट्रेन में एक युवक को गोली मार दी। दूसरी हत्या रविवार रात 2 बजे जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन में बाथरूम गए युवक को गोली मार दी। तीसरी हत्या सोमवार सुबह साढ़े 8 बजे की। इसमें आरोपी ने प्राइवेट अस्पताल में घुसकर बेड पर लेटी महिला की कनपटी पर पिस्टल सटाकर गोली मार दी।

बायोप्सी की जरूरत नहीं, अल्ट्रासाउंड से होगी ट्यूमर की सटीक जांच

दुनिया में पहली तकनीक, कोई साइड इफेक्ट नहीं

सत्ता सुधार ■ प्रयागराज

कैंसर की जांच के लिए अब बायोप्सी कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वैज्ञानिकों ने सब हार्मोनिक बहु धात्विक नैनो फ्लुइड से सेंसर आधारित अल्ट्रासाउंड तकनीक विकसित की है। यह कुछ ही मिनटों में शरीर के किसी भी हिस्से में बने ट्यूमर की सटीक जांच कर बता देगा कि वह कैंसरकारी है या नहीं। इस तकनीक से जांच का कोई साइड इफेक्ट नहीं होगा जबकि सुई आधारित जांच के कई साइड इफेक्ट होते हैं। इससे कैंसर भी तेजी से बढ़ने लगता है। वैज्ञानिकों का दावा है कि दुनिया में यह पहली तकनीक है जो बिना बायोप्सी के ट्यूमर की सटीक जांच करेगी। साथ ही अल्ट्रासाउंड इमेज का रिजोल्यूशन बढ़ाने से कैंसरकारी ट्यूटर को नष्ट किया जा सकता है। जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए के वैज्ञानिक प्रो. नीको एफ डेक्लरिक, इलाहाबाद विवि के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. पीएस यादव, प्रो. राजाराम, दिल्ली विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. टीपी यादव और जॉर्जिया टेक यूरोप, फ्रांस के वैज्ञानिक अजीत मद्धेशिया के इस संयुक्त शोध को अमेरिका के प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स के आठ मई 2026 के अंक में प्रकाशित किया गया है।

इस तरह तैयार हुआ नैनो फ्लुइड

नैनो फ्लुइड ऐसे तरल पदार्थ होते हैं जिनमें बेहद सूक्ष्म धात्विक कण मिलाए जाते हैं। ये कण सामान्यतः 10 से 20 नैनो मीटर आकार के होते हैं, यानी मानव बाल की मोटाई से हजारों गुना पतले। वैज्ञानिकों ने इस शोध में तीन प्रकार के नैनो फ्लुइड तैयार किए जिसमें केवल सोने वाला नैनो फ्लुइड, सोना-प्लैटिनम मिश्रित नैनोफ्लुइड और सोना-प्लैटिनम-पैलेडियम त्रिधात्विक नैनोफ्लुइड शामिल हैं। इन नैनो कणों को माइक्रोवेव सहायता प्राप्त रासायनिक प्रक्रिया से तैयार किया गया जिससे अत्यंत स्थिर और नियंत्रित संरचना वाले कण प्राप्त हुए। नैनो फ्लुइड अल्ट्रासाउंड तरंगों के व्यवहार को अत्यधिक प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित कर सकता है।